हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हमने आधुनिक बनकर बिल्डिंगों के जंगल बसाए

उन्होंने बचाए पेड़ पानी और प्रकृति

हमने आधुनिक बनकर न जंगल बचाए, न परिंदों को बसाया। हमने बिल्डिंगों के जंगल बसाए। हमने धरती को कांक्रीट के जंगलों से पाट दिया, उन्होंने बचाए पेड़, पानी और प्रकृति। जिसे हम आधुनिक सभ्यता कहते हैं, उसने ऊंचे टावर और प्रदूषित हवा दी है। लेकिन हमारे आदिवासी आज भी इस धरती के सबसे बड़े और सच्चे 'साइंटिस्ट' बनकर खड़े हैं। उनके यहां कोर्ट के कागजों के बिना सिर्फ एक 'कसम' पर जंगल बच जाते हैं और शादी की रस्मों में अग्नि नहीं बल्कि बहता जल साक्षी होता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर, विकास की अंधी दौड़ के शोर के बीच पढ़िए छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश की माटी से उपजा वो अनूठा जीवन दर्शन, जो केवल पर्यावरण को अपनी आत्मा से जोड़कर जीता और मरता है।

पर्यावरण के प्राचीन प्रहरी, जन्म से मृत्यु तक पेड़ साक्षी और साथी

देवताओं के नाम पर वृक्ष

जल को साक्षी मानकर ब्याह

जल को साक्षी मानकर रचाए जा रहे विवाह

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

कागज पर बने पर्यावरण के कड़े कानून जब शहरों की प्रदूषित हवा और सूखते जल-स्रोतों को नहीं बचा पा रहे हैं। हम कथित आधुनिक लोग पेड़ों को काटकर सीमेंट-सरिया के जंगल उगा रहे हैं। हम बूंद-बूंद और तपती दोपहरी में एक छांव के लिए तरस रहे हैं। हम नियम, कानून और तमाम योजनाओं के बावजूद पर्यावरण को नाश ही कर रहे हैं, ऐसे में आदिवासियों के 'अलिखित सामाजिक नियम' हमारे लिए प्रेरणा बन रहे हैं। हम एसी कमरों में बैठकर 'सस्टेनेबिलिटी' की परिभाषाएं गढ़ते रहे और वे पीढ़ियों से जंगलों को देवता मानकर प्रकृति को महकाते रहे। बस्तर का धुरवा आदिवासी समाज इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। इस समुदाय के लोग पेड़ों को केवल ऑक्सीजन का जरिया नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज के सुख-दुख का सहभागी मानते हैं। धुरवा जनजाति में मान्यता है कि पेड़ों में निवास करने वाली पुरखों की आत्माएं और देव ही उनके गांवों की रक्षा करते हैं। आज भी किसी मांगलिक कार्य या विवाह के लिए पेड़ की एक छोटी सी टहनी या पत्ता तोड़ने से पहले ▶▶|शेष पेज 6 पर

हम आधुनिक यह सीखें...

प्रकृति को बचाने के लिए बैनर-पोस्टर और बड़े कार्यक्रमों की जरूरत नहीं है। पर्यावरण को बचाने के लिए पेंटिंग काम्पीटिशन जरूरी नहीं है। नेताओं-अभिनेताओं को बुलाकर भव्य आयोजन आवश्यक नहीं हैं। आवश्यक है पेड़ों से जुड़ाव, उनकी आत्मा को महसूस करना। पानी को पवित्र मानना, जरूरी है पर्यावरण को बचाना, जरूरी है लालच को छोड़ना...यह समझना कि अगर प्रकृति नहीं रही तो हम भी नहीं रहेंगे।

बेशकीमती पेड़ों का 'दैवीय नामकरण'

बस्तर वन मंडल के माचकोट, तिरिया, बकावंड और करपावंड जैसे घने वन क्षेत्रों में ग्रामीणों ने जंगलों को तस्करों और कटाई से बचाने के लिए एक अनोखा और बेहद भावनात्मक तरीका खोज निकाला है। यहां के स्थानीय ग्रामीणों, धरम बघेल, तुलाराम, लखन, पदम सहित अन्य ने बेशकीमती पेड़ों का नामकरण अंचल के देवी-देवताओं के नाम पर कर दिया है। जैसे...पेड़ों को जटयाराव देव, बाघ डुमा, घाटमुंडिन, तेलगिन माता, जलनी माता, और मावली माता जैसे पूजनीय नामों से पुकारा जाता है। आस्था का यह ऐसा अनूठा कवच है कि कोई भी व्यक्ति इन पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने की हिम्मत नहीं कर पाता। ग्रामीणों का साफ कहना है कि पेड़ अनगिनत जीव-जंतुओं का घर हैं, और इन्हें भगवान का रूप देकर ही सुरक्षित रख सकते हैं।

अधिकारी कहते हैं-आदिवासी जन्मजात पर्यावरण संरक्षक

सीसीएफ आलोक कुमार तिवारी, इन्द्रावती टायगर रिजर्व जगदलपुर (वन्यजीवन) के क्षेत्रीय निदेशक, मुख्य वन संरक्षक स्टायलो मण्डावी, डीएफओ उत्तम कुमार एवं नवीन कुमार का कहना है कि आदिवासी पर्यावरण के जन्मजात संरक्षक हैं। उनका जीवन, उनकी परंपराएं, उनकी आस्था प्रकृति से जुड़ी है। वे जंगल को सहेजने और बचाने के लिए जीते हैं। इसी तरह बाकी ग्रामीणों को भी जंगल बचाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

पत्तों की हरकतों से मानसून का सटीक अनुमान

हम अभी तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इस बार मानसून कैसा होगा। आधुनिक मौसम विज्ञान करोड़ों के सैटेलाइट्स के बाद भी कई बार फेल हो जाता है, वहीं धुरवा समाज के बुजुर्ग सरगी के पेड़ों के पत्तों के रंग, उनके गिरने के पैटर्न और स्थानीय पक्षियों की हरकतों को देखकर मानसून और बारिश का एकदम सटीक अनुमान लगा लेते हैं। यह सदियों पुराना वो पारंपरिक विज्ञान है जो आज भी खेती-किसानी का आधार बना हुआ है।

महुआ और सेमर की पूजा

धुरवा समाज के संभागीय महासचिव डॉ. गंगाराम कश्यप धुर बताते हैं कि समाज में महुआ, सेमर, बांस और सरगी (साल) के वृक्षों का विशेष धार्मिक महत्व है। विवाह जैसे शुभ कार्यों की शुरुआत में ग्रामीण, माटी पुजारी के साथ जंगल जाते हैं। महुआ और सेमर के पौधों के पास महुआ शराब की बूंदें (तर्पण के रूप में) अर्पित की जाती हैं। इसके बाद पौधे की सात परिक्रमा करके पवित्र टहनी काटने की विनती की जाती है।

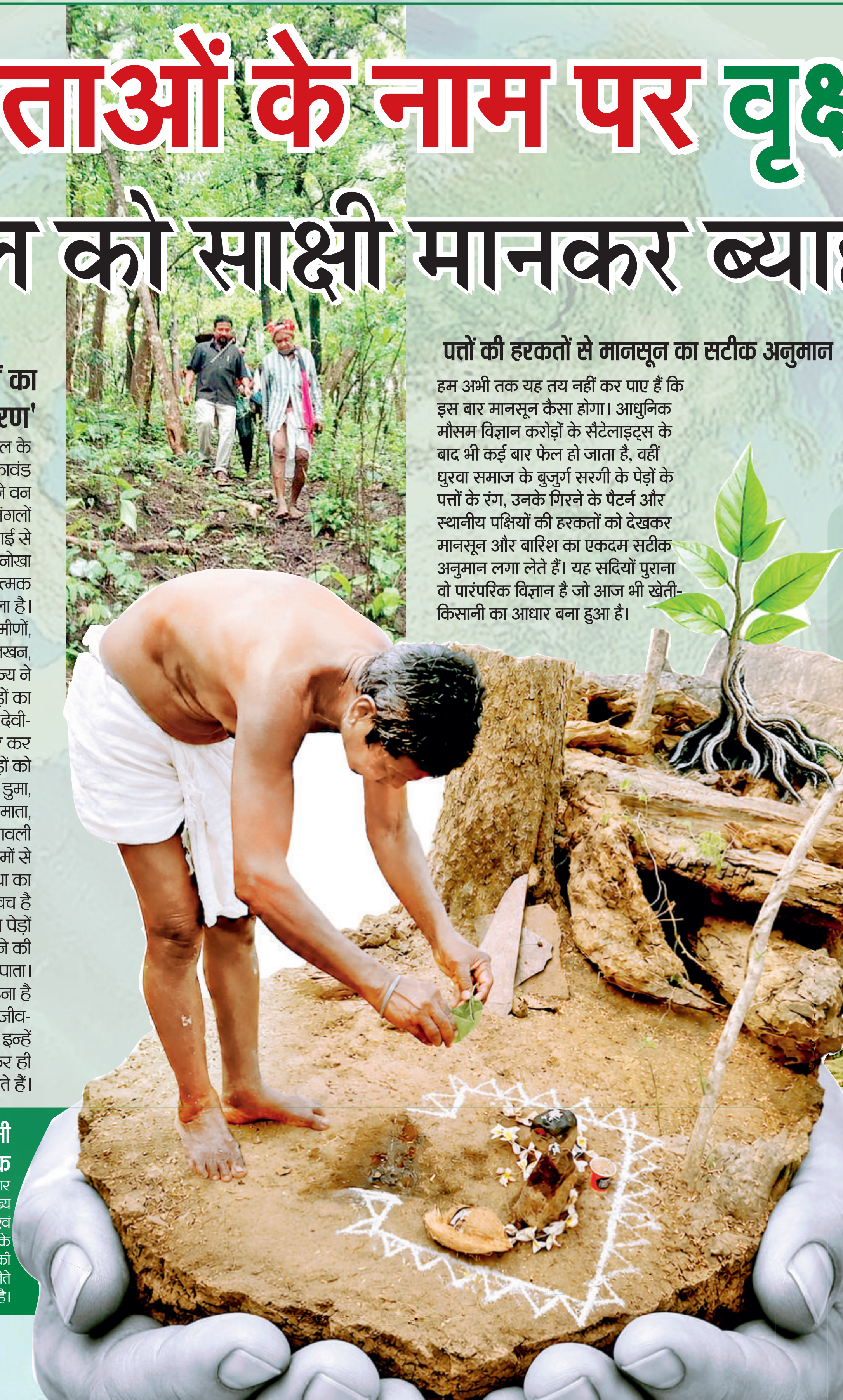

पातालकोट का देववन विज्ञान...जहां पुरखों की आत्माएं करती हैं जंगलों की पहरेदारी

मनीष बागड़ी ▶▶| छिंदवाड़ा

मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पातालकोट क्षेत्र में निवासरत भारिया जनजाति सदियों से प्रकृति संरक्षण की ऐसी परंपरा का पालन कर रही है, जो आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण मानी जा सकती है। घने जंगलों, दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पातालकोट में आज भी अनेक वन क्षेत्र स्थानीय समुदाय द्वारा देववन अथवा देवस्थान के रूप में संरक्षित किए जाते हैं। भारिया जनजाति की मान्यता है कि गांव की सीमा पर स्थित कुछ प्राचीन वृक्ष और वन उनके पूर्वजों तथा ग्राम देवताओं का निवास स्थल हैं। इन स्थानों पर प्रायः साज, महुआ, बरगद, पीपल और अन्य विशालकाय वृक्ष पाए जाते हैं, जिन्हें विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है। समुदाय के लोग इन वृक्षों को अपने पुरखों का ▶▶|शेष पेज 6 पर

औषधि संपदा के लिए विश्व प्रसिद्ध है पातालकोट

जबकि प्रकृति और पातालकोट का क्षेत्र अपनी औषधीय संपदा के लिए देशभर में जाना जाता है। यहाँ की पहाड़ियों और जंगलों में गिलोय, अश्वगंधा, कालमेघ, सफेद मुसली, शतावरी, वच तथा अनेक दुर्लभजड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं। भारिया समुदाय पारंपरिक वनौषधीय ज्ञान का संरक्षक माना जाता है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान मौखिक रूप से हस्तांतरित होता आया है।

ऐसी सीख

पातालकोट की भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान मानव और प्रकृति के सह-अस्तित्व का एक सशक्त वैज्ञानिक ढांचा है। पर्यावरण दिवस पर पातालकोट का यह अंचल कंक्रीट के जंगलों में रहने वाले आधुनिक इंसानों को यह बड़ी सीख देता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल पौधे लगाने या भाषण देने की रस्म नहीं है। यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, सम्मान और एक ऐसा भावनात्मक जुड़ाव है जिसे साल के 365 दिन जीना पड़ता है।

'विश्व पर्यावरण दिवस' आज

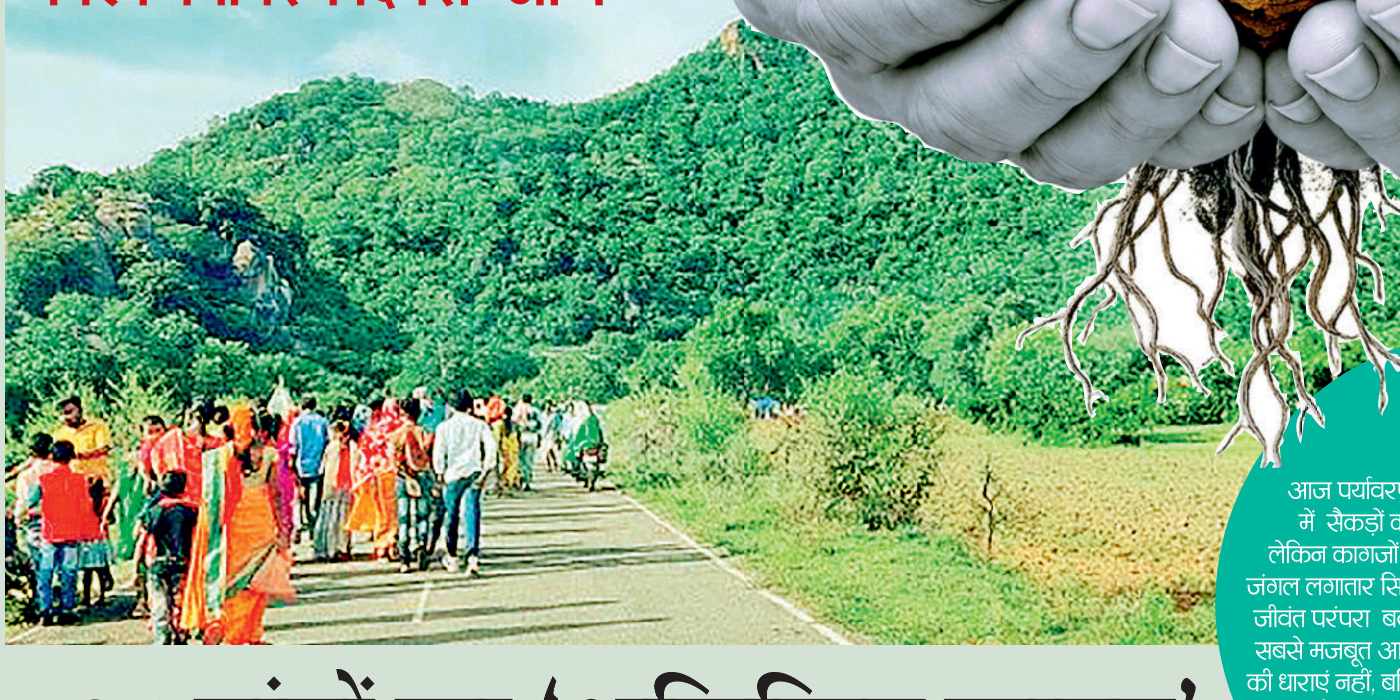

यह सीख सकते हैं

आज पर्यावरण को बचाने के लिए देश-दुनिया में सैकड़ों कानून और ट्रिब्यूनल बने हुए हैं, लेकिन कागजों पर बने इन नियमों के बावजूद जंगल लगातार सिकुड़ रहे हैं। कांडाडोंगर की यह जीवंत परंपरा बताती है कि पर्यावरण संरक्षण का सबसे मजबूत आधार अदालत का डंडा या कानून की धाराएं नहीं, बल्कि समाज की आंतरिक चेतना, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति भावनात्मक जुड़ाव है। पर्यावरण दिवस पर यह पहाड़ी संदेश दे रही है कि पौधा लगाना सिर्फ एक दिन का रस्म नहीं, उसे भगवान मानकर पालना असली सस्टेनेबिलिटी है।

84 गांवों का 'अलिखित कानून'

जिसने सदियों से बचाए रखा जंगल और पहाड़

गरियाबंद के अमलीपदर से गोरेलाल सिन्हा की रिपोर्ट

रायपुर से करीब 220 किलोमीटर दूर अमलीपदर क्षेत्र के ग्राम गुढियारी में स्थित कांडाडोंगर पहाड़ी, गरियाबंद जिले के ओडिशा सीमा से लगी है। घने जंगलों से घिरी यह पहाड़ी आसपास के 84 गांवों के लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। कांडाडोंगर अंचल के पहाड़ी को देवस्थल और जंगलों को अपने पुरखों की जीवित वसीयत मानकर पूज रहे हैं। यहां के लोगों के लिए प्रकृति ही देव है। प्रकृति ही आस्था का केंद्र। प्रकृति और देवता के बीच कोई लकीर नहीं है। जंगल केवल लकड़ी का स्रोत नहीं बल्कि देवताओं का वास है, पहाड़ केवल पत्थरों का समूह नहीं बल्कि आस्था शिखर है। जलस्रोत पानी नहीं बल्कि जीवन की धारा हैं। लोग जंगलों को बचाना अपना संवैधानिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

सदियों पुरानी वो 'देवसभा', जिसने थाम लिया मानव-वन्यजीव संघर्ष

स्थानीय लोक श्रुतियों के अनुसार, प्राचीन समय में इस अंचल में भीषण सूखा, महामारी और हिंसक जंगली जानवरों का आतंक बढ़ गया था। तब संकट से मुक्ति के लिए आसपास के 84 गांवों के देवी-देवताओं को कांडाडोंगर की इसी पहाड़ी पर आमंत्रित किया गया था। तब एक ऐतिहासिक 'देवसभा' हुई और सबने मिलकर क्षेत्र की रक्षा का संकल्प लिया। उसी घटना की स्मृति में आज भी प्रतिवर्ष 'देव दशहरा महोत्सव' आयोजित होता है, जिसमें 84 गांवों के देवी-देवता अपने पारंपरिक निशानों के साथ शामिल होते हैं। इसी सह-अस्तित्व की संस्कृति का असर है कि आज भी इस घने जंगल में वन्यजीवों की भारी मौजूदगी के बावजूद इंसानों और जानवरों के बीच कभी कोई खूनी संघर्ष नहीं होता।

खम्भेश्वरी माताः पेड़ की टहनी नहीं, साक्षात प्रकृति का स्वरूप

कांडाडोंगर की सबसे अनूठी परंपरा खम्भेश्वरी माता की पूजा है। यहां किसी पत्थर या धातु की मूर्ति की पूजा नहीं होती। भुंजिया जनजाति के पारंपरिक पुजारी जंगल से लाए गए एक विशेष वृक्ष के 'लकड़ी के खंभे' को पहाड़ी पर स्थापित करते हैं। इसी काष्ठ-स्तंभ को खम्भेश्वरी माता का स्वरूप मानकर शीश नवाया जाता है। श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि इस खंभे में वास करने वाली शक्तियां ही समय पर पानी बरसाती हैं, जंगलों को हरा-भरा रखती हैं और क्षेत्र को हर प्राकृतिक आपदा से बचाती हैं।

कांडाडोंगर हमारे पूर्वजों की विरासत है

कांडाडोंगर हमारे पूर्वजों की विरासत और अटूट आस्था का केंद्र है। यह पावन देवस्थल सदियों से लोगों को केवल सुख-शांति का आशीर्वाद ही नहीं दे रहा, बल्कि आधुनिक इंसानों को यह कड़ा संदेश भी दे रहा है कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हमारा और हमारी आने वाली नस्लों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

— डमरूधर पुजारी
(पूर्व विधायक एवं पूर्व मुख्य पुजारी, कांडाडोंगर पहाड़ी)

न अदालत का पहरा, न कोई जुर्माना, सदियों से सुरक्षित है जंगल

अजय नारायण पाण्डेय ▶▶| अंबिकापुर

आदिवासी समुदाय के जनजीवन में प्रकृति पूरी तरह से रची बसी है। खेती-बाड़ी की शुरूआत हो अथवा शादी-विवाह जैसे शुभ कार्य आदिवासी समाज के लोग अपने सारे कार्य सरना स्थल में सामूहिक पूजा करने के बाद ही करते हैं। आदिवासी समाज की सरहुल पूजा हो या फिर कठोरी पूजा अथवा महुआ पूजा आज भी लोग इस परंपरा का न केवल पालन कर रहे हैं बल्कि हर आयु वर्ग के लोग सक्रियतापूर्वक भागीदारी भी कर रहे हैं। आदिवासी समाज ने सरई पेड़ों के समूह को सरना स्थल के रूप में ▶▶|शेष पेज 6 पर

यह सीख सकते हैं

सरगुजा के आदिवासियों में अपना गोत्र पेड़ों, पक्षियों और वन्यजीवों के नाम पर रखने की परंपरा है, और वे जीवनभर उस प्रजाति को नुकसान न पहुंचाने का संकल्प लेते हैं। यह आज के दौर के लिए सबसे बड़ी सीख है। अगर शहरों में रहने वाला हर परिवार या व्यक्ति अपने जीवन में किसी एक पेड़, तालाब या पक्षी की प्रजाति को 'गोद' ले ले और उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाए, तो न छांव के लिए तरसना पड़ेगा न बूंद-बूंद के लिए तड़पना।

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

जब होगा इस धरती पर, पर्यावरण का सम्मान,
तभी होगी सुरक्षित सबकी जान !
आओ ये हम-आप संकल्प उठाएं, आज से पर्यावरण को नष्ट होने से बचाएं।

हरित विकास से ही सुरक्षित होगा भविष्य

पर्यावरण संरक्षण आज केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का स्मरण कराता है। पर्यावरण और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि विकास की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी की जाती है, तो इसका सीधा प्रभाव मानव जीवन, कृषि, उद्योग और आने वाली पीढ़ियों पर पड़ता है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कृषि क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जल संरक्षण, जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग से न केवल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है, बल्कि भूमि की गुणवत्ता भी सुरक्षित रखी जा सकती है। वर्तमान समय में कई किसान आधुनिक तकनीकों के साथ-साथ प्राकृतिक एवं जैविक खेती को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वहीं उद्योग जगत भी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम उठा रहा है। आज अनेक औद्योगिक इकाइयां ऊर्जा संरक्षण, जल पुनर्चक्रण, प्रदूषण नियंत्रण और हरित तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दे रही हैं। सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन और वृक्षारोपण जैसे प्रयास उद्योगों को पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदार बना रहे हैं। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि सतत विकास के लक्ष्य भी मजबूत हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। जल बचाना, बिजली की खपत कम करना, प्लास्टिक का उपयोग घटाना, अधिक से अधिक पौधे लगाना और स्वच्छता बनाए रखना जैसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। यदि कृषि, उद्योग और समाज मिलकर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध वातावरण प्रदान किया जा सकता है। आज आवश्यकता केवल पर्यावरण दिवस मनाने की नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की है। हरित सोच, हरित तकनीक और हरित विकास ही एक स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की आधार शिला बन सकते हैं।

Contact for Ad - Mob.: 9340808313

विश्व पर्यावरण दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं...
GREEN FIELD AGRICO
GREEN FIELD EMSON AUTO Agriculture Equipments
ग्रीन फील्ड
नांगर फॉल/रोटावेटर ब्लेड
70·11·13" EMSON AUTO GREEN FIELD
पडलर
रोटावेटर
तोता प्लाउ बार टाईप (7 टाईन)
रीजर (3 फेरो)
डिस्क हैरो
एम.बी. प्लाउ (दू फेरो)
निर्माता: एमसन ऑटो
9 ब्लॉक भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), फोन : 0771-2224452, 4030531
098261-64452, 099930-30531

aries agro limited
बेहतर फसल,
बेहतर कल
विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
एरीज ड्रोन के साथ पानी बचाएं :
1 एकड़ में 10 गुना कम पानी
एरीज ड्रोन – कम पानी, अधिक प्रभाव!
10 गुना कम पानी पानी बचाएँ, भविष्य बचाएँ।
अधिकतम प्रभाव सटीक छिड़काव से स्वस्थ और अधिक उपज।
स्थायी भविष्य स्मार्ट खेती के साथ हरित कल की ओर कदम।
Chelamin
AGROMIN
FertiMAX HD NPK 00:00:50
MacroFert HD NPK 20:20:20
FertiMAX HD NPK 00:52:34
FertiMAX HD NPK 11:52:00 + ZINC
FertiMAX HD NPK 13:00:45
aries agro limited
Office: Ring Road No. 1, Indraprasth Phase-II
2nd Floor, Raipura, Raipur (C.G.)-492013 GST-22AAACA5035G1ZB
Mob. 9137852800, 9137852801

SMS ESTD.1976
Authorised Channel Partner adani Solar
adani Solar
प्रकृति को सिर्फ धन्यवाद नहीं
सोलर भी चाहिए
सूरज की शक्ति से, हरित भविष्य की ओर
— विश्व पर्यावरण दिवस —
की शुभकामनाएं
TOP PERFORMER 2025 kiwa PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
TOP PERFORMER 2024 kiwa PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
TOP PERFORMER 2023 PVEL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
TOP PERFORMER 2022 PVEL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
TOP PERFORMER 2021 PVEL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
2020 TOP PERFORMER PVEL DNV·GL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
2019 TOP PERFORMER PVEL DNV·GL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
TOP PERFORMER 2018 DNV·GL PV MODULE RELIABILITY SCORECARD
LANDMARK ADDRESS FOR SOLAR BUSINESS
CHHATTISGARH BIGGEST SOLAR WAREHOUSE
स्वच्छ ऊर्जा स्वच्छ पर्यावरण
बिजली बिल की बचत
कार्बन उत्सर्जन घटाएं
सुरक्षित भविष्य हमारी जिम्मेदारी
HAVELLS Inverter & DC Cable
Eastman Inverter
PVblink Inverter
EARTHING COMPOUND
SHREE SHANKAR MACHINERY STORES
Sanjay Gandhi Chowk, Station Road Raipur (C.G.)
Call: 9203834005, 7049921254, 9301051401, Email: shankarmachinery@rediffmail.com

AANDRAYA ENTERPRISES
विश्व पर्यावरण दिवस
ए.एन.आटोमोबाईल
की हार्दिक शुभकामनाएं
संचालक
अनुराग सेन
BULL
- 1 साल का कॉम्प्रेसिव बीमा मुफ्त*
- पहली किस्त 60 दिन के बाद और पहली किस्त हम भरेंगे
- एक्सचेंज सुविधा उपलब्ध
- फाइनेंस सुविधा उपलब्ध
कीमत बढ़ने से पहले बुक कराए हार्वेस्टर
हार्वेस्टर की बुकिंग पर 51000/- का स्पेशल डिस्काउंट
MALKIT - 997
Deluxe Model
इंडिया का पहला इंटेलिजेंट हार्वेस्टर
SWARAJ 8200
स्पेशल डिस्काउंट
11000/- से 21000/-
साथ ही लोडर की खरीदी पर निश्चित उपहार
BULL
नियम एवं शर्तें लागू *
Authorized Distributor:
AANDRAYA ENTERPRISES
Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
Beside Indian Bank, Dhamtari Road, Abhanpur, Dist-Riapur-493661, Mob. 9713955115, 7089000180
A.N. AUTOMOBILE
Infront of Govt. School, Main Road, Devpuri, Raipur
9174511635, 7697955115, 7089000188

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹114621/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹139990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹152813/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

गगनचुंबी 28 फीट गोलाई वाला 1400 साल पुराना साल का पेड़ हमारी सांस्कृतिक सामाजिक विरासत

छत्तीसगढ़ में आस्था और भरोसे ने बरकरार रखी है हरियाली

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

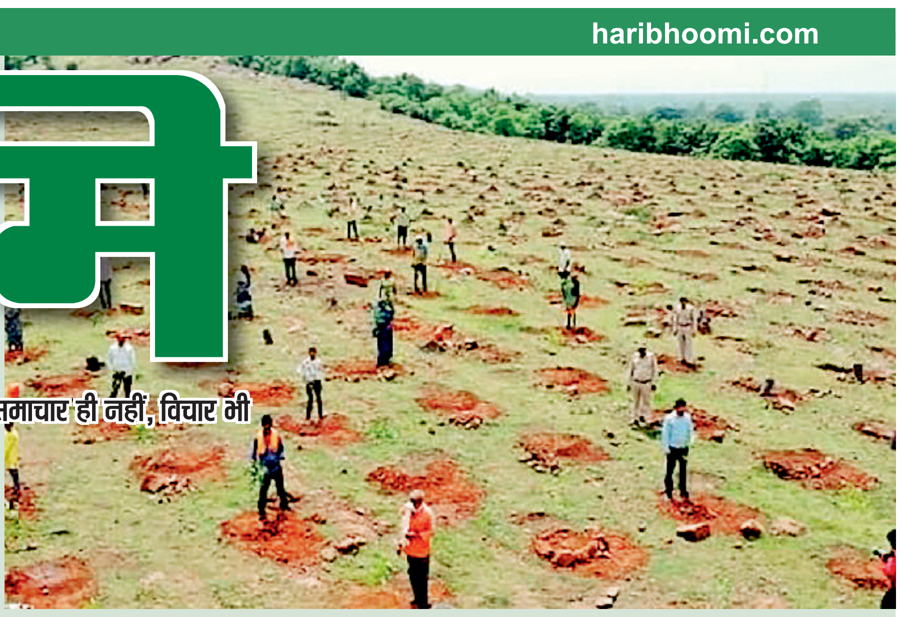

पेड़ ईश्वर, पीढ़ियां करती आ रहीं पूजा, इसलिए ऐसे भी पेड़ मौजूद जिनकी उम्र 100 से 1400 साल

गिरीश केशरवानी ▶▶| रायपुर

जनजातियों को आस्था विरासत में मिली है। पीढ़ियों से चली रहीं प्रकृति पूजा ने जंगलों की हरियाली बचा रखी है। सही मायने में पर्यावरण के पोषक यही आदिवासी हैं। इनकी ही बदौलत छत्तीसगढ़ में आज ऐसे विशाल पेड़ मौजूद हैं, जिनकी उम्र 100 साल से लेकर 1400 साल तक की है। आदिवासी और जंगल में रहने वाले अन्य पारंपरिक समुदायों के बीच वन्यजीवों और जंगलों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से वन विभाग ने उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में एक सर्वे कराया है। सर्वे का मकसद इलाके में मौजूद पवित्र उपवनों को दर्ज करना और यह पता लगाना है कि कौन सा समुदाय किस पौधे और जंगली जानवरों की पूजा करता है। यह प्रकृति के साथ उनके गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है। यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के अनुसार हमारे देश में प्राचीन काल से ही प्रकृति की पूजा की जाती रही है। जन जातीय समाज ने इबादत को पीढ़ियों से संभाल रखा है।

पेड़ों की जीआईएस मैपिंग

बलौदाबाजार वनमंडल के डीएफओ धमशील गणवीर के अनुसार बलौदाबाजार में मनीराम की बगिया सहित कई ऐसे वृक्ष हैं, जिनकी उम्र सौ वर्ष से ज्यादा है। ऐसे वृक्षों का संरक्षण, संवर्धन करने जीआईएस मैपिंग कर धरोहर के रूप में सहेजने की योजना है। साथ ही लोगों को उन पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी।

वृक्ष, जीव-जंतुओं की पूजा करते हैं

यूएसटीआर के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के मुताबिक जो सर्वे कराए गए, उसमें कई दिलचस्प प्रथाओं का पता चला है। भुंजिया जनजाति की उप-जनजाति नागेश सांपों की पूजा करती है, नेताम समुदाय कछुओं की पूजा करता है, लोहार विश्वकर्मा समुदाय इंडियन रोलर पक्षी की पूजा करता है, गाड़ा-जगत मोर की पूजा करता है, कमार-पहाड़िया स्लॉथ भालुओं की पूजा करता है, भुंजिया-सोरी बाघों की पूजा करता है, गोंड-ओटी गोह (मॉनिटर छिपकली) की पूजा करता है और मेहर-कश्यप जंगली भैंसों और सूअरों की पूजा करता है। बरगद, कदंब, साजा, पीपल, आंवला, कुंभी, कसाई, बेल, महुआ, वन तुलसी, पलाश और कुरवा जैसे वृक्ष प्रजातियों की भी पूजा की जाती है।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
हल्दू (Haldoo)
Adina cordifolia (Roxb.)
छत्तीसगढ़ का विशालतम हल्दू वृक्ष
गोलाई 6.28 मीटर
ऊंचाई 34.5 मीटर
उदंती अभयारण्य

राज्य के चर्चित धरोहर वृक्ष

- कोरबा, सतरंगा स्थित साल वृक्ष – 1400 वर्ष, यह राज्य का सबसे पुराना साल वृक्ष माना जाता है, जिसकी गोलाई लगभग 28 फी है।
- कोरबा, सर्वमंगला मंदिर परिसर स्थित वट वृक्ष – 500 वर्ष, यह वट वृक्ष काफी विशाल है।
- धमतरी, दुगली स्थित सरई (साल) वृक्ष – 400 वर्ष से अधिक, इसे स्थानीय लोग ''सरई बाबा'' के नाम से पूजते हैं और इसे आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है।
- बस्तर जिला स्थित विशाल वट वृक्ष – 250 वर्ष, 12 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला यह राज्य का सबसे विशाल पेड़ माना जाता है।
- कोंडागांव स्थित बरगद का पेड़ – 200 वर्ष, इस एक ही विशालकाय वट वृक्ष पर 9 अलग–अलग प्रजातियों के पौधे, पेड़ लगे हैं।
- दंडकारण्य, बस्तर – तेंदू और अन्य वृक्ष – 600 वर्ष से अधिक, इन पेड़ों को भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और भरत से जुड़ा ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल माना जाता है।
- उदंती–सीतानदी टाइगर स्थित – हल्दू का पेड़ – 250 वर्ष, ऊंचाई 34.5 मीटर, गोलाई सवा छह मीटर।

पहाड़ का सीना चीरकर रोपी हरियाली, पौधों को सदमे से बचाने 'उनकी मिट्टी' में ही रोपण

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

राजनांदगांव का डूडेंरा पहाड़ जहां आज से दो साल पहले तक सिर्फ कठोर चट्टान, धूप की तपिश, गर्म हवाओं का कहर और चारों ओर विरानगी थी, वहां आज जिंदगी मुस्कुरा रही है। तपती गर्मी में भी ऐसी सुकून भरी छांव मिल रही है कि जो यहां आए ठहर जाए। यह बदलाव एक दिन में नहीं हुआ। इसके पीछे बीते दो वर्षों की कठिन मेहनत, जुनून और दृढ़ संकल्प है जिसने यह उम्मीद जगाई है कि हम धरती का खोया हुआ सौंदर्य लौटा सकते हैं। डूंडेरा के चटियल इलाका हराभरा बन चुका है। दरअसल, यह पूरी कवायद अंबाला हरियाणा के मूल निवासी आयुष जैन की है। वह 2017 के छग बैच के आईएफएस हैं। जब उन्हें राजनांदगांव के वनक्षेत्र का डीएफओ नियुक्त किया गया तब उनके कार्यक्षेत्र के हिस्से जो जमीन आई उनमें एक बड़ा हिस्सा पहाड़ी था। जहां मिट्टी का नामो-निशां नहीं था। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी। अब डूडेंरा पहाड़ के करीब 7 हेक्टेयर क्षेत्र में 8 हजार से भी अधिक पेड़-पौधे लहरा रहे हैं।

> राजनंदगांव वन क्षेत्र के डीएफओ आईएफएस आयुष जैन की पहल

> चट्टानों को काटकर मिट्टी भरी, इसमें बड़े पौधे लगाए ताकि जमा सके अपनी जड़ें

ऐसे हुआ परिवर्तन

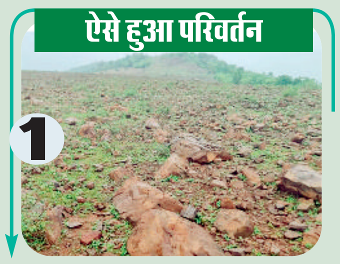
1

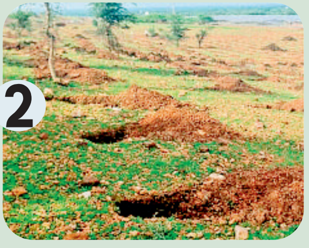
2

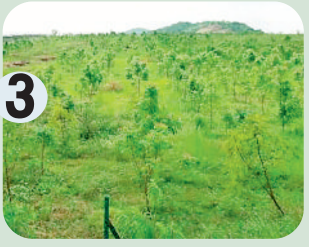
3

बदले गए मापदंड 50% बढ़ाई चौड़ाई-गहराई

प्लांटेशन के लिए सामान्य रूप से 45 इंच चौड़ा और गहरा गड्ढा खोदा जाता है। चूंकि पौधारोपण डूडेंरा के पहाड़ों में किया जाना था, जहां केवल चट्टान ही थे, इसलिए इसकी गहराई-चौड़ाई लगभग 50 प्रतिशत बढ़ा दी गई। यहां 45 इंच की जगह 60 इंच चौड़े गड्ढे खोदे गए। पौधारोपण के लिए विशेष मिट्टी तैयार की गई, जिसमें खाद तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का विशेष ध्यान रखा गया। इसके अलावा जिस मिट्टी में पौधों का रोपण हुआ था उस मिट्टी को भी यथावत रखा गया ताकि पौधों को पूर्ण परिवर्तन के कारण सदमा ना लगे और वे विकसित हो सकें। यहां नीम, खैर, सागौन, बरगद, आंवला और शिशु जैसे पेड़ लगाए गए हैं।

चमगादड़ों की मौत प्रकृति का संकेत

आयुष जैन बताते हैं कि वन क्षेत्र में आना संयोगवश हुआ, लेकिन इसके बाद से उनका जीवन बदल गया। वे जिस स्थान से आते हैं, वहां जंगल और वन क्षेत्रों की कमी है। जब जिम्मेदारी मिली तो तय किया कि पृथ्वी ने जो उन्हें दिया है, उसे वे लौटाएंगे। वे कहते हैं कि पिछले दिनों भीषण गर्मी से हुई चमगादड़ों की मौत प्रकृति का संकेत है। धरती एक है। मानव, जीव-जंतु सभी यहीं रहना है। बेहतर होगा कि इंसान इसे समझे।

ममता की छांव में पनप रही हरियाली... रायपुर में 59 हजार पौधों की बच्चों के साथ परवरिश कर रहीं 12 हजार माताएं

पर्यावरण के लिए इसे भी एक साधना ही कहेंगे कि रायपुर की 12 हजार माताएं उन पौधों को अपने बच्चों की तरह बड़ा कर रही हैं, जो उनको प्रसव के दौरान मिले थे। बच्चे और पौधे साथ बड़े हो रहे हैं। ममता की छांव में पनप रहे इन पौधों की संख्या 59 हजार पहुंच चुकी है।

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन के 'ग्रीन पालना' प्रोजेक्ट के तहत कांक्रीट में तब्दील हो रहे शहर और गांवों पर ग्रीन कवर चढ़ाया जा रहा है, जिसमें माताओं की बड़ी भूमिका है। इस प्रोजेक्ट के तहत प्रसव के लिए आने वाली माताओं को पांच पौधे उपहार में दिए जा रहे हैं। पिछले साल जून से शुरू हुए इस अनूठे अभियान को अब सालभर हो चुका है। इस दौरान जन्म लेने वाले बच्चों के साथ माओं को उपहार में मिले पौधे भी बड़े होने लगे हैं। अपने इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन मैदानी टीम से बकायदा नवप्रसुताओं के घर जाकर पेड़ का आकार ले रहे पौधों की मानिटरिंग कर रहे हैं।

मातृत्व और प्रकृति का बड़ा जुड़ाव

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश चौधरी का तर्क है यह प्रोजेक्ट सीधे मां की ममता से जुड़ा हुआ है। मां अपने बच्चे का लालन-पालन इस तरह करती है कि वह हमेशा स्वस्थ रहे। वह अपनी संतान को भविष्य में स्वस्थ पर्यावरण देना चाहती है, इसलिए वह बच्चों के साथ गोद में मिले पौधों को भी कभी मुरझाने नहीं देगी। उन्हें अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए कलेक्टर डा. गौरव सिंह के निर्देश पर विभागीय टीम प्रत्येक सप्ताह इन महिलाओं के घर जाकर निगरानी भी कर रही है।

होता है सुखद अहसास

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में करीब 9 माह पहले मां बनी कपसदा की हेमलता साहू के पति खोमलाल ने बताया कि बेटी संध्या के घर की बाड़ी में लगे पौधे को देखकर सुखद अहसास होता है। परिवार के सभी सदस्यों को इस बात की जिम्मेदारी दी गई है कि सुबह शाम पौधे का विशेष ख्याल रखे।

पत्नी की जिम्मेदारी

तिरैया निवासी साकेत यादव ने बताया कि उनकी बेटी पीहू को पालने की जिम्मेदारी जिस तरह पत्नी कुमकुम की है, उसी तरह बाड़ी में लगाये गए पौधे की देखरेख की जिम्मेदारी भी उसी को दी गई है। जीवन मे बेटी के रूप में बड़ा उपहार उन्हें मिला है। उसके जन्म के दौरान पहला उपहार पांच पौधे के रूप में मिला था इसलिए उसे संजोकर रख रहे हैं।

घर के भीतर बेटी, बाहर पेड़

ग्राम कपसदा में रहने वाले नरेंद्र साहू ने बताया कि बेटी लक्षिता का दिसम्बर में धरसींवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जनम के दौरान दिये गए पौधों को देखकर कुछ अजीब सा लगा। पत्नी ने पेड़ घर के बाहर लगा दिया था। समय बीतने के बाद घर के बाहर लगे आम के पौधे और भीतर खिलखिलाती बेटी को देखकर सुखद अहसास की अनुभूति हो रही है।

पेड़ नहीं पुरखों का वरदान है साल, संकट में यही 'कल्पवृक्ष' पालता है वनांचल का पेट

सरई वनों का द्वीप है मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कल्पवृक्ष में बसती है लोगों की आत्मा। क्या सीख सकते हैं हम। साल में एक दिन 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाकर, कुछ पौधे रोपकर और भाषण देकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। इसके उलट वनवासी-आदिवासियों के लिए हर दिन पर्यावरण दिवस है। उनके तीज-त्योहार, पूजा-पाठ और बच्चों का पेट इसी पेड़ की छांव में पलता है। आदिवासियों से हमें सीखना होगा कि पर्यावरण की रक्षा कोई एक दिन का इवेंट नहीं, बल्कि जीवन जीने का रोज़मर्रा का सलीका है।

जब हवाओं में सरई (साल) के फूलों की भीनी-भीनी खुशबू घुलने लगे और वनांचल की हरी-भरी गोद नई कोमल पत्तियों से सज जाए, तो समझ लीजिए कि कुदरत खुद को नए रूप में ढाल रही है।

आदिवासी समाज और सरई का अटूट रिश्ता

जिले के वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समाज और सरई के पेड़ के बीच का रिश्ता सदियों पुराना और बेहद पवित्र है। ट्राइबल कम्युनिटी के लिए सरई का पेड़ कोई आम वनस्पति नहीं, बल्कि उनके सुख-दुख का साथी है। आदिवासी समाज हर शुभ कार्य और त्योहारों पर सरई (साल) के पेड़ की पूरे विधि-विधान से पूजा करता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर छत्तीसगढ़ का नवगठित जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर प्रकृति के इसी अद्भुत उत्सव का गवाह बन रहा है। कहने को तो सरई छत्तीसगढ़ का राजकीय वृक्ष है, लेकिन इस जिले के लिए यह सिर्फ एक पेड़ नहीं, बल्कि आदिवासियों का कल्पवृक्ष है। जिस पर उनका जीवन, उनकी संस्कृति और उनकी अर्थव्यवस्था की हर एक सांस टिकी है।

यही वजह है कि घने जंगलों से घिरे इस क्षेत्र को सरई वनों का द्वीप भी कहा जाता है।

सहेजने के साथ बचाने की भी चुनौतीः डीएफओ

मनेंद्रगढ़ वन मंडल के डीएफओ चंद्र कुमार अग्रवाल का कहना है कि, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला प्राकृतिक रूप से साल (सरई) के वनों से समृद्ध है। यह पेड़ हमारे ईकोसिस्टम और स्थानीय आदिवासी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। वन विभाग पर्यावरण दिवस के अवसर पर संकल्पित है कि इन बहुमूल्य वनों का न केवल वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण किया जाएगा, बल्कि सरई वनों के द्वीप कहे जाने वाले इस क्षेत्र में अवैध कटाई को पूरी तरह रोका जाएगा। हमारा मुख्य उद्देश्य आदिवासियों को सरई के लघु वनोपज (जैसे बीज और राल) का सही मूल्य दिलाकर उन्हें आर्थिक रूप से और सशक्त बनाना है।

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
इस तस्वीर में एलआईसी एजेंट को पहचानिए
आप नहीं पहचान पाएंगे
क्योंकि वह आपके परिवार में से ही कोई एक है...
हमारे एजेंट से आज ही संपर्क करे, जो आपका पारिवारिक मित्र है, और विचार विमर्श करें कि जीवन बीमा आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति और नियोजित रिटायरमेंट को पूरा करने में कैसे मददगार हो सकता है।
LIC/P1/2025-26/34/Hin
क्यूआर कोड स्कैन करें और डाउनलोड करें My LIC App
विज़िट करें: licindia.in
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090
कहिए 'Hi'
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

चिंतन

'तिजौरी' का ताला है साइबर सुरक्षा

डिजिटल युग में हमारी जिंदगी जितनी आसान हुई है, उतनी ही जोखिमों से भी घिर गई है। बैंकिंग से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा से लेकर सरकारी कामकाज तक लगभग हर व्यवस्था इंटरनेट और डिजिटल नेटवर्क पर निर्भर है। ऐसे समय में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत गोपनीयता का भी अहम हिस्सा बन गई है। अक्सर लोग साइबर सुरक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। विशेषकर पासवर्ड को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जबकि आज के डिजिटल नेटवर्क में पासवर्ड को डिजिटल दुनिया की 'तिजौरी' का ताला कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपनी 'तिजौरी' की चाबी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं सौंपता, उसी प्रकार पासवर्ड को भी पूरी तरह गोपनीय रखना आवश्यक है, लेकिन व्यवहार में अक्सर इसके उलट देखने को मिलता है। लोग आसान पासवर्ड रखते हैं, एक ही पासवर्ड कई खातों में इस्तेमाल करते हैं या फिर उसे दूसरों के साथ साझा कर देते हैं। कई बार सिस्टम तक को खुला छोड़ देते हैं। यही लापरवाही साइबर अपराधियों के लिए अवसर बन जाती है। हाल ही में सीबीएसई की ओर से री-इवैल्यूएश के लिए खोले गए पोर्टल को महज 2 मिनट के भीतर 15 लाख से ज्यादा बार हैक करने की कोशिश की गई। यह दर्शाता है कि साइबर अपराधी कितने शातिर हो गए हैं। केंद्र सरकार ने तमाम राज्यों को अगाह किया है कि कोई बड़ा साइबर अटैक हो सकता है। यह हमला तभी रुकेगा, जब हमारी साइबर सुरक्षा मजबूत होगी। सुरक्षा के विभिन्न चरणों में पासवर्ड भी इसे सुरक्षा प्रदान करते हैं। अब कोई कर्मचारी अपने पासवर्ड को किसी के साथ शेयर करता है तो वह उसकी घोर लापवाही है। कर्मचारी कई बार अपने सिस्टम को खुला छोड़ देते हैं, इससे सिस्टम अपराधियों के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। इससे दुनिया के तमाम साइबर अपराधी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते हैं और उनकी साइबर सुरक्षा में सेंध लगा देते हैं। भारत में साइबर हमलों की बढ़ती घटनाएं इस खतरे का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। हर वर्ष लाखों साइबर सुरक्षा घटनाएं दर्ज की जा रही हैं और प्रतिदिन हजारों वेब-आधारित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। साइबर अपराधी डेटा चोरी, फिशिंग, रैंसमवेयर और पहचान की जालसाजी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनसे बचाव के लिए केवल तकनीकी उपाय ही नहीं बल्कि जागरूकता भी आवश्यक है। दिल्ली स्थित एम्स पर हुए रैंसमवेयर हमले ने देश को यह दिखा दिया था कि साइबर सुरक्षा में एक छोटी सी कमजोरी भी कितनी बड़ी समस्या बन सकती है। इस हमले के कारण अस्पताल की सेवाएं कई सप्ताह तक प्रभावित रहीं और लाखों मरीजों का डेटा खतरे में पड़ गया। चिंता की बात यह भी है कि देश के कई राज्य साइबर अपराधों के हॉटस्पॉट बनकर उभर रहे हैं। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आंध्र प्रदेश में साइबर अपराधों के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या अब किसी एक क्षेत्र या संस्थान तक सीमित नहीं रह गई है। यह राष्ट्रीय स्तर की चुनौती बन चुकी है, जिसके समाधान के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। ऐसे में सरकार को भी अपने साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना चाहिए, ताकि कोई भी साइबर अपराधी वहां तक न पहुंच सके। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है।

विकास की दौड़ में दम तोड़ती धरती

पर्यावरण दिवस

राज कुमार सिन्हा

पर्यावरण को समझने के लिए अपने आस-पास के जैविक और अजैविक घटकों जैसे हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के आपसी संबंधों को जानना बहुत जरूरी है। जैविक घटक में सभी सजीव चीजें शामिल हैं, जैसे पेड़-पौधे, सूक्ष्मजीव, जानवर और मनुष्य। अजैविक घटक में सभी निर्जीव लेकिन जीवन के लिए आवश्यक तत्व आते हैं, जैसे हवा, पानी, मिट्टी, धूप, और तापमान।पर्यावरण को समझने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को जानना आवश्यक है। यह एक ऐसा प्राकृतिक वातावरण है जहां सभी जीव एक-दूसरे पर और अपने आस-पास के निर्जीव वातावरण पर निर्भर रहते हैं जैसे पौधे धूप और मिट्टी से बढ़ते हैं और जीव-जंतु उन पौधों पर निर्भर रहते हैं। एक प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र मानव हस्तक्षेप के बिना बनता है।जैसे वन और घास के मैदान, रेगिस्तान और पहाड़, झीलें, नदियां और महासागर आदि। ये पर्यावास अपने आप विकसित होते हैं, और विशिष्ट परिस्थितियों के अनुकूल ढलने वाले विविध जीवों को सहारा देते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन-रक्षक तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो हमें ऑक्सीजन और स्वच्छ हवा, जल संसाधन,खाद्य आपूर्ति और प्रजातियों के लिए आवास विकसित करता है। जिससे एक स्वस्थ वातावरण और जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है, जो पारिस्थितिक संतुलन के लिए आवश्यक है। प्रारंभिक मानव ने स्वयं को प्रकृति के अनुरूप बना लिया था। उनका जीवन सरल था एवं आस-पास की प्रकृति से उनकी आवश्यकताएं पूरी हो जाती थीं। समय के साथ कई प्रकार की आवश्यकताएं बढ़ीं। मानव ने पर्यावरण के उपयोग और उसमें परिवर्तन करने के कई तरीके सीख लिए। उसने फसल उगाना, पशु पालना एवं स्थायी जीवन जीना सीख लिया। पहिए का आविष्कार हुआ, आवश्यकता से अधिक अन्न उपजाया गया, वस्तु-विनिमय पद्धति का विकास हुआ, व्यापार आरंभ हुआ एवं वाणिज्य का विकास हुआ। औद्योगिक क्रांति से बड़े पैमाने पर उत्पादन प्रारंभ हो गया। परिवहन तेज गति से प्रारंभ हुआ। सूचना क्रांति से पूरे विश्व में संचार सहज और द्रुत हो गया है। प्रकृति एवं मानवीय पर्यावरण के बीच सही संतुलन होना आवश्यक है। मानव को पर्यावरण के साथ समरसता से रहने एवं उसका उपयोग सीखना चाहिए। इन तत्वों के सामंजस्यपूर्ण ढंग से कार्य किए बिना, पृथ्वी पर जीवन खतरे में पड़ जाएगा, जो हमारे पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पर्यावरण केवल वैज्ञानिक या तकनीकी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा हुआ है। जबकि केंद्रीकृत और कॉर्पोरेट-प्रधान विकास मॉडल पारिस्थितिक असंतुलन और सामाजिक असमानता को बढ़ाता है। यूँ तो विकास प्रकृति का स्वाभाविक नियम है, लेकिन यहां हम विकास के पीछे छिपी पूंजीवादी ताकतों के एजेंडे की बात कर रहे हैं। पूंजीवादी प्रणाली में उत्पादन और वितरण सामाजिक समानता, न्याय और पर्यावरण की सुरक्षा की बजाय निजी मुनाफे से संचालित होती है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विनाश पर अधारित विकास के कारण उन समुदायों को विस्थापित होना पड़ता है जो इन संसाधनों पर निर्भर हैं। अधिकांश जैव विविधता का प्रबंधन स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों द्वारा किया जाता है, यही कारण है कि यह सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रकृति की रक्षा और पुनर्स्थापना को उचित स्थान मिले।आज भारत में विकास, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाओं के चौराहे पर खड़ा है, इसलिए प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व ही टिकाऊ भविष्य का एकमात्र रास्ता है। आज आदिवासियों की बदहाली के मूल में तथाकथित विकास की अवधारणा है। विकास की अंधी दौड़ में उन्हें जबरन घसीटकर इस बदहाली तक पहुंचा दिया गया है। अब और विकास हुआ तो शायद वे खत्म ही हो जायेंगे। पूंजी और मुनाफे से दूर उनका जीवन दर्शन जल, जंगल, जमीन के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है। उनके अस्तित्व का संकट, दुनिया का संकट है और उनको बचाने का मतलब है, दुनिया को भी बचाए रखना है।जीवन का मूल आधार, हवा, पानी और मिट्टी गहरे संकट में है, और यह स्थिति आगे और बदतर होगी। करोड़ों लोगों को बढ़ती असुरक्षा, फसल नुकसान, भीषण गर्मी, जल संकट, प्रदूषण, कुपोषण, बेरोजगारी तथा अलगाव और जीवन के अर्थ खोने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

कृषि 'ग्रीनहाउस गैसों' का एक प्रमुख स्त्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य-सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। कृषि में कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। 'प्राकृतिक' और 'जैविक खेती' ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। 'प्राकृतिक खेती' से कार्बन उत्सर्जन में 35% से 50% तक की कमी आ सकती है। दूसरी ओर ईंधन का जलना (जैसे कोयला, तेल, और गैस), वनों की कटाई, और औद्योगिक प्रक्रियाएं, ये सभी ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन के प्रमुख स्त्रोत हैं। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख कारण है, जिसके कारण तापमान में वृद्धि, समुद्र के स्तर में वृद्धि, और चरम मौसमी घटनाओं जैसे प्रभाव होते हैं। तीव्र होती समुद्री ऊष्मा तरंगें मानवजनित जलवायु परिवर्तन की व्यापक और विनाशकारी संकेत हैं। जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए आर्द्रभूमि (वेटलैंड) हमारा सबसे प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र है। ये कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर तापमान कम करने और प्रदूषण घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परन्तु वर्ष 1970 से लेकर अब तक दुनिया की 35 प्रतिशत आर्द्रभूमि विलुप्त हो चुकी है। 'वेटलैंड इंटरनेशनल' के अनुसार भारत की करीब 30 प्रतिशत आर्द्रभूमि पिछले तीन दशकों में विलुप्त हो चुकी है।इसी तरह महासागर एक प्रमुख कार्बन सिंक होने के अलावा, महासागर जलवायु नियमन और पोषक चक्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह पृथ्वी के वायुमंडलीय ऑक्सीजन का 50% से 85% तक उत्पादन करता है। वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, जिससे तटीय समुदायों और बाढ़ की चपेट में आने वाले शहरों के जीवन और आजीविका को खतरा है।दूसरी ओर सेंटर फॉर सांइस एण्ड एनवायरनमेंट (सीएसई) दिल्ली के अध्ययन अनुसार 2015-16 से 2024-25 के दौरान भारत में 1.76 लााख हेक्टेयर वनभूमि गैर-वन कार्यों के लिए दी गई है। इसमें से 97,050 हेक्टेयर जमीन पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में डायवर्ट हुई है जो 2015 से 2020 की तुलना में 23 फीसदी अधिक है। 24,347 हेक्टेयर वन भूमि मध्यप्रदेश में डायवर्ट किया गया है जो पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में गैर-

वन गतिविधियों के लिए डायवर्ट की गई कुल हिस्सा का करीब 25 प्रतिशत है। सीएसई दिल्ली की रिपोर्ट अनुसार 79 लाख लोगों की मृत्यु विश्व में वायु प्रदूषण के कारण हुई है और 20.1 लाख वायु प्रदूषण के कारण मृत्यु भारत में दर्ज की गई है। हाल के दशक (2014 से 2023) में भारत में परिवेशीय पीएम 2.5 के कारण होने वाली मृत्यु में 61.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत का औसत तापमान पिछले एक दशक (2015–2024) में लगभग 0.9सेंटीग्रेड बढ़ गया है, जो 20वीं सदी की शुरुआत (1901–1930) की तुलना में अधिक है। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी और पूर्वोत्तर भारत में वर्ष के सबसे गर्म दिन का तापमान 1950 के दशक से अब तक 1.5 से 2C तक बढ़ चुका है। आधुनिक विकास के नाम पर जिन 'भस्मासुरों' को बनाया, बढ़ाया जा रहा है, प्लास्टिक उनमें से एक है। कुल-जमा सौ-सवा सौ साल पहले ईजाद किया गया यह कारनामा आज प्रकृति-पर्यावरण और इंसानों के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है। मनुष्य अपनी सुविधाओं और भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए जंगल काटता है, खनिजों का अत्यधिक दोहन करता है, नदियों को प्रदूषित करता है। विश्व की आर्थिक तरक्की ने पिछले 50 से 70 वर्षों में उत्पादन, व्यापार, और तकनीकी विकास को तेज़ किया है। लेकिन इस तरक्की की पर्यावरणीय कीमत भारी है।

भारत में प्राकृतिक संसाधनों की बर्बादी केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरी आजीविका और सामाजिक न्याय की समस्या है। गरीब और निर्भर समुदायों के लिए भूमि, जल और वन केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की बुनियाद हैं। जब ये संसाधन अनियंत्रित रूप से नष्ट या निजी हितों के लिए उपयोग किए जाते हैं, तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा नुकसान उन्हीं लोगों को होता है जिनकी आवाज सबसे कमजोर होती है। इसलिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण वास्तव में गरीबी उन्मूलन और सामाजिक न्याय की भी शर्त है।

-बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ

दिवस विशेष

अरविंद जयतिलक

आइए, सभी पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लें

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु विश्व भर में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। विडंबना यह है कि इस दिवस पर हम एक ओर पर्यावरण सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर करते हैं, संगोष्ठियां करते हैं, नए कानून गढ़ते हैं, वहीं अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रति वर्ष 7 करोड़ हेक्टेयर वनों का विनाश करते हैं। ऐसे में पर्यावरण दिवस मनाना अपने आप में बेमानी हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सैकड़ों सालों में मनुष्य जाति ने विकास के नाम पर करोड़ों हेक्टेयर वनों का विनाश किया है। उसके इस कृत्य से प्रकृति की तकरीबन एक तिहाई से अधिक प्रजातियां नष्ट हुई हैं। जंगली जीवों की संख्या में 50 फीसद की कमी आई है। उदाहरण के लिए भारत में पिछले एक दशक में पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की संख्या में 97 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। इससे मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण कार्य काफी हद तक प्रभावित हुआ है।

गिद्धों की तरह अन्य प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त हो रही हैं। वनों के विनाश से वातारण भी जहरीला होता जा रहा है। यानी प्रतिवर्ष 2 अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमण्डल में घुल-मिल रहा है। इससे जीवन का सुरक्षा कवच मानी जाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंच रहा है। नेचर जिओसाइंस की मानें तो ओजोन परत को होने वाले नुकसान से कुछ खास किस्म के अत्यंत अल्प जीवी तत्वों (वीएसएलएस) की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जो मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरनाक है। गौरतलब है कि दुनिया के 20 सबसे ज्यादा क्लोरोफ्लोरो कार्बन उत्सर्जित करने वाले देशों के बीच ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए 16 सितंबर, 1987 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक संधि हुई जिसे मांट्रियाल प्रोटाकॉल नाम दिया गया। इसका मकसद ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार गैसों एवं तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाना था। इस दिशा में अभी तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं हुई है। अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है। यदि पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो जाए तो आर्कटिक एवं अण्टाकर्टिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे जिससे समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो सकती है। वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गई। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके लिए मुख्य रूप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा हिमालय के 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियर का एक अन्य उदाहरण है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। पृथ्वी पर करीब 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण संभवतः ग्रीन हाउस प्रभाव ही था। निश्चित रुप से मनुष्य के विकास के लिए प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन आवश्यक है। पर उसकी सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। स्टाकहोम सम्मेलन 1972 में मानवीय पर्यावरण पर घोषणा हुई।

सैद्धांतिक रूप से पृथ्वी के प्राकृतिक द्रव्यों जिनमें वायु, पानी, भूमि तथा पेड़-पौधे शामिल हैं, को वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए सावधानीपूर्ण तथा उपयुक्त योजना तथा प्रबंध द्वारा सुरक्षित रखने पर बल दिया गया। 1992 के रिओ शिखर सम्मेलन में कहा गया कि स्थायी विकास के सभी सरोकारों का केंद्र-बिंदु मानव जाति ही है और उसे प्रकृति के साथ पूर्ण समरसता रखते हुए स्वस्थ एवं उत्पादनशील जीवन जीना चाहिए, लेकिन ये सभी सिद्धांत कागजों तक ही सीमित है। उसका अनुपालन नहीं हो रहा है। लेकिन गौर करें तो आज भी मनुष्य अपने दुराग्रहों के साथ ही खड़ा है। प्रकृति से उसका खिलवाड़ का तरीका पहले से भी जघन्य हो गया है। नतीजा सामने है। प्रकृति भी प्रतिक्रियावादी बनती जा रही है। पर विडंबना है कि मानव जाति समझने को तैयार नहीं। किंतु उसे समझना ही होगा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर वह स्वयं को सुरक्षित नहीं रख सकता।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही है जीवन का सूत्र

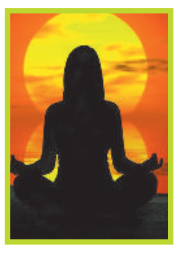

संकलित

दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

आखिर कर्म ही महान

संकलित

प्रेरणा

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछाः कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुनः बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है।

अंतर्मन

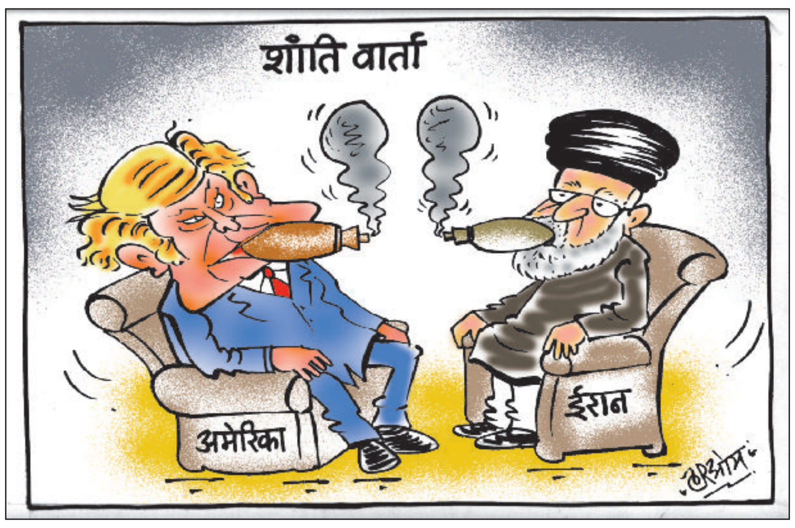

आज की पाती

जरूरत से ज्यादा विनम्र होना भी ठीक नहीं

जरूरत से ज़्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी मूर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लगभग उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यत:, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पूर्णत: संवैधानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से नि:संकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ सेंक/आंच महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस–नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं।

– विवेक सक्सेना, भिलाई

ट्रेंड

कल्याणकारी राजनीति

पिछले एक दशक में, भारत में मोदी जी के नेतृत्व में कल्याणकारी राजनीति का रूपांतरण हुआ है और यह सेवा, सुशासन और सशक्तिकरण के एक नए मॉडल में तब्दील हो गई है।

- **सम्राट चौधरी,** सीएम, बिहार

कबीले के साथ विश्वासघात

जो अपने ही कबीले के साथ विश्वासघात करते हैं...वे अंत में दुखी आत्माओं के रूप में भटकते रहते हैं! कुछ लोग बड़े-बड़े दावे करने के लिए मोहरे बन रहे हैं; अगर मोहरा बनना ही है, तो कम से कम कुछ बेहतर बनो—सिर्फ एक सिपाही बनकर रहना ठीक नहीं है।

- **अखिलेश यादव,** सांसद, सपा

भाजपा की अक्षमता

मोदी सरकार न केवल स्वास्थ्य सेवा और पोषण को लेकर भारत की महिलाओं और बच्चों को धोखा देती है, बल्कि यह जानबूझकर महत्वपूर्ण डेटा भी छिपाती है जो इसकी विफलताओं को उजागर करता है। एनएफएचएस-6 डेटा से भाजपा की पूर्ण अक्षमता उजागर हो गई है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

अपार जनविश्वास

मोदी सरकार को विरासत में एक मजबूत अर्थव्यवस्था, सुदृढ़ संस्थाएं और अपार जनविश्वास मिला था। लेकिन महज एक दशक में इसने इन तीनों को कमजोर कर दिया है। मोदी जी का समय समाप्त हो गया है।

-वाईएस शर्मिला, कांग्रेसाध्यक्ष, आंध्र प्रदेश

करंट अफेयर

थ्येनआनमन स्क्वायर पर नहीं जाने की चेतावनी

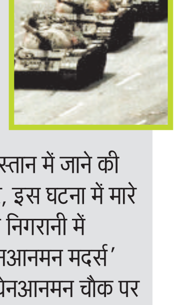

चीन का प्रशासन 1989 में थ्येनआनमन स्क्वायर पर विद्यार्थियों के नेतृत्व में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के खिलाफ की गयी सैन्य कार्रवाई की यादों को मिटाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस वर्ष प्रशासन ने इस घटना के पीड़ितों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी यह घटना बृहस्पतिवार को आज के ही दिन 37 साल पहले घटी थी। यह जनमानस से इस घटना को पूरी तरह मिटाने के लिए वर्षों से जारी अभियान का एक और कड़ा कदम है। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस ने इस कार्रवाई में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को बताया कि उन्हें बरसी पर बीजिंग के एक कब्रिस्तान में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, इस घटना में मारे गये लोगों के परिजन पिछले 30 सालों के दौरान पुलिस की निगरानी में कब्रिस्तान में जाकर श्रद्धांजलि देते रहे हैं। ये परिजन, 'थ्येनआनमन मदर्स' नाम के एक समूह से जुड़े हैं। चीनी सेना ने वर्ष 1989 में थ्येनआनमन चौक पर प्रदर्शनकारियों तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करने वाली भीड़ को कुचलते हुए हजारों लोगों को मार गिराया था।

ऑफ बीट

दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' की तरह नहीं हो सकता

आधुनिक मस्तिष्क स्कैनिंग तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग के बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि किसी व्यक्ति के दर्द का आकलन 'लाई डिटेक्टर टेस्ट' (झूठ पकड़ने वाली मशीन से जांच) की तरह नहीं किया जा सकता, क्योंकि दर्द एक व्यक्तिगत अनुभव है जिसे केवल तकनीकी संकेतों के आधार पर प्रमाणित या खारिज नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराना या दीर्घकालिक दर्द अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका असर व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है। वैज्ञानिक ने दावा किया कि मस्तिष्क स्कैन में कोच के दर्द के संकेत दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद मामला उस राशि से दस गुना अधिक पर सुलझा, जितनी राशि नियोक्ता पहले देने को तैयार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह निष्कर्ष वैज्ञानिक रूप से उतना स्पष्ट नहीं है जितना प्रतीत होता है। उनका तर्क है कि यदि कोई विशेषज्ञ यह दावा कर सकता है कि स्कैन में दर्द दिखाई दे रहा है, तो वही तकनीक किसी दूसरे मामले में यह भी निष्कर्ष निकाल सकती है कि व्यक्ति दर्द का नाटक कर रहा है। यही स्थिति इस तकनीक को विवादास्पद बनाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुराना दर्द उन चिकित्सीय स्थितियों में से एक है जिन पर अक्सर संदेह किया जाता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर
शुक्रवार 5 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी
वर्ष : 26, अंक : 75
12+8 =20 मूल्य : 5.00***

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 42.0
न्यून. 30.5

विश्व पर्यावरण दिवस

दक्षिण-पश्चिम मानसून के असर से केरल में सात दिनों तक बारिश का अनुमान

केरलम में मानसून की दस्तक, छत्तीसगढ़ में दो दिन तेज हवाओं के साथ होगी बारिश

दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को केरलम में प्रवेश कर गया है।भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देशभर के लिए विस्तृत मौसम चेतावनी जारी करते हुए बताया कि अगले सात दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है। छत्तीसगढ़ में अगले दो दिनों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का पूर्वानुमान है।

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

- उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बृहस्पतिवार को केरल में दस्तक दे दी। आमतौर पर मानसून एक जून के आसपास केरल पहुंचता है, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर) की शुरुआत का संकेत माना जाता है। आईएमडी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून, 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष हिस्सों, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ भागों, पूरे लक्षद्वीप द्वीपसमूह, केरल और माहे, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष भागों, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तक आगे बढ़ गया है। इससे पहले मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा। पिछले सप्ताह विभाग ने मौसमी वर्षा के अपने पूर्वानुमान में संशोधन करते हुए कहा था कि इस वर्ष बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है।

केरल-कर्नाटक में भारी बारिश की संभावना

दक्षिण-पश्चिम मानसून 4 जून 2026 को केरल में प्रवेश कर गया है। अगले 7 दिनों के दौरान केरल और कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) होने की प्रबल संभावना है। तमिलनाडु में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पश्चिम भारत में भी सक्रिय रहेगा मौसम

कोंकण और गोवा, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र तथा सौराष्ट्र-कच्छ में अगले कुछ दिनों तक गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। कोंकण और गोवा में 4 से 10 जून तक भारी बारिश का अनुमान है। मध्य महाराष्ट्र में 5 जून और 7 से 10 जून के दौरान भारी वर्षा हो सकती है।

छत्तीसगढ़-मप्र में ऐसा अलर्ट

पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 4-5 जून, विदर्भ में 4 जून तथा छत्तीसगढ़ में 4-6 जून के दौरान गरज-चमक, बिजली और 50-60 किमी प्रति घंटे की तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इन क्षेत्रों में थंडरस्क्वॉल की भी संभावना है, जिसमें हवा की रफ्तार 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मध्य प्रदेश में 4 जून को अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की चेतावनी भी जारी की गई है।

बिहार और यूपी में हीटवेव

मौसम विभाग के अनुसार बिहार में 6 से 8 जून के दौरान अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 7 से 10 जून तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 8 से 10 जून तक हीटवेव की स्थिति बन सकती है। ओडिशा में 4 से 8 जून तक गर्म और उमस भरा मौसम बना रहेगा। इसके अलावा तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 4-5 जून के दौरान उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है।

www.vectus.in
VECTUS
टंकी मतलब वैक्टस!
व्हाट्सएप : 8800097939
टोल फ्री नं: 1800 202 6666
व्हाट्सएप पर जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
Superbrands 2025-26
NSF
15 YEARS GUARANTEE
MICROBAN PROTECTED
VECTUS COOL
VECTUS TEN-X
deepak

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव परिणाम से भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह

कांग्रेस ने जीत को जनता के विश्वास का प्रतीक बताया

5 नगर पंचायतों में 3 भाजपा और 2 पर कांग्रेस का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनावों के परिणाम घोषित हो गए, जिसने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक तस्वीर साफ कर दी है। राज्य की पांच प्रमुख नगर पंचायतों में से भारतीय जनता पार्टी ने तीन सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को दो सीटों से संतोष करना पड़ा है। 1,310 रिक्त पदों के लिए 1 जून को हुए मतदान के बाद गुरुवार सुबह से शुरू हुई मतगणना के दौरान कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आयोग द्वारा चुनाव परिणाम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचरण संहिता खत्म करने का आदेश जारी किया गया। चुनाव परिणामों के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और पार्टी नेताओं ने इसे सरकार की नीतियों तथा संगठन की मजबूती का परिणाम बताया है। दूसरी ओर कांग्रेस ने दो नगर पंचायतों में मिली जीत को जनता के विश्वास का प्रतीक बताते हुए आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का दावा किया है। स्थानीय निकाय चुनावों के इन नतीजों को क्षेत्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन परिणामों का प्रभाव आगामी चुनावी रणनीतियों और स्थानीय विकास

▸▸| शेष पेज 6 पर

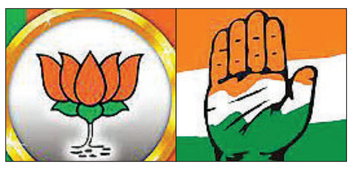

वार्डों में कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस ने नगर निगमों के उपचुनावों में महत्वपूर्ण वापसी की है। बस्तर जिले के जगदलपुर नगर निगम के 'इन्दिरा वार्ड' से कांग्रेस के रामकृष्ण तिवारी विजयी रहे। वहीं, बिलासपुर नगर निगम के 'संजय गांधी नगर' वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी शेख आजम ने भाजपा उम्मीदवार को शिकस्त देकर जीते। पांच निकायों में पार्षद के 71 पद में से 39 पद में भाजपा और 30 पद में कांग्रेस तथा 2 पद मे निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए हैं।

कहां, किसे मिली जीत

- कबीरधाम जिले में सहसपुर लोहारा नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए भाजपा की सरिता संतोष मिश्रा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रोशन वैष्णव को 754 वोटों के बड़े अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया
- जांजगीर-चांपा जिले की नगर पंचायत बामनीडीह इस नवगठित निकाय में भाजपा का दबदबा रहा। भाजपा के रमेश डड़सेना अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने कांग्रेस के रामलाल सहारे को हराया। यहां पर 15 में से 11 वार्डों में भी भाजपा ने जीत दर्ज की
- सूरजपुर जिले के शिवनंदनपुर भाजपा समर्थित रितेश जायसवाल अध्यक्ष का चुनाव जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के संजय सोनी को हराया।

हालांकि यहां वार्डों में कांग्रेस ने 8 सीटें जीतकर कड़ी टक्कर दी है।

- राजनांदगांव जिले की घुमका नगर पंचायत में कांग्रेस की फूलमती वर्मा भाजपा की किरण वर्मा को महज 85 वोटों से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा किया। वहीं 15 में से 11 वार्डों पर

▸▸| शेष पेज 6 पर

फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

मुंबई। फिल्म प्रोड्यूसर और सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) के अध्यक्ष रहे पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कई दिनों से बीमार थे। उन्होंने बुधवार देर रात 3 बजे आखिरी सांसें लीं। पहलाज निहलानी का अंतिम संस्कार आज 3 बजे मुंबई के सांताक्रूज श्मशान में हुआ। निहलानी का स्वास्थ्य खराब चल रहा था। कोविड में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें कुछ दवाइयों से कॉम्प्लिकेशन्स हो गए थे, जिससे उनकी किडनी पर असर पड़ा था। उनका इसी से संबंधित इलाज चल रहा था। फिल्म एसोसिएशन आईएमपीए के प्रेसिडेंट अभय सिन्हा ने पहलाज निहलानी के निधन पर कहा- वे हॉस्पिटल में थे। रात 3 बजे उनका देहांत हुआ है।

शार्ट सर्किट बना मौत की वजह, चार दिन की हिरासत में होटल मालिक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

अदालत ने होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टेज़ बी एंड बी में लगी आग में 21 लोगों की मौत हो गई। इस भयावह हादसे की शुरुआती जांच के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। इधर, दिल्ली की एक अदालत ने मालवीय नगर इलाके के एक होटल में लगी आग के सिलसिले में होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई। अदालत ने मामले में बजाज की गिरफ्तारी को 'वैध और न्यायसंगत' बताया। न्यायिक मजिस्ट्रेट भानु प्रताप सिंह ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें आरोपी से चार दिन तक हिरासत में पूछताछ का अनुरोध किया गया था। बजाज की गिरफ्तारी की वैधता को चुनौती देने वाली दलीलों भी खारिज कर दी गई। बजाज पर गैर इरादतन हत्या समेत कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया।

मृतकों के परिवार को 10-10 लाख का मुआवजा

दिल्ली सरकार ने मालवीय नगर अग्निकांड में जान गंवाने वाले मृतक के परिजनों को 10. 10 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मृतकों के परिजन अन्य राज्यों या विदेशों में रहते हैं, उनके पार्थिव शरीरों को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तुरंत की जाएं।

होटल सील, कर्मचारियों से पूछताछ

पुलिस ने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में आग से तबाह हुए एक होटल की बृहस्पतिवार को छानबीन की ताकि इस हादसे के घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। पुलिस ने स्थानीय लोगों और होटल कर्मचारियों से पूछताछ भी की। होटल के आसपास के इलाके को सील कर दिया गया। दिल्ली पुलिस, अपराध शाखा और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीमें बुधवार सुबह लगी आग से संबंधित सबूत इकट्ठा करने में जुटी हैं। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता भवन निर्माण नियमों के कथित उल्लंघन, अग्नि सुरक्षा में चूक, अवैध निर्माण और उन परिस्थितियों सहित सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिनके कारण इतनी अधिक मौतें हुईं।

'मुझे माफ कर देना मम्मी-पापा, मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया'

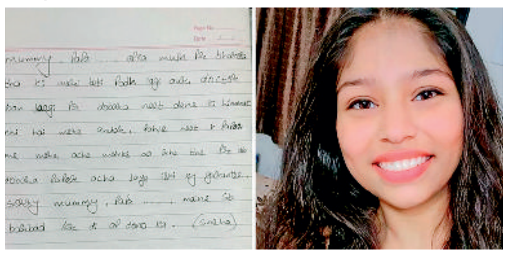

नीट की तैयारी कर रही एमपी की छात्रा का सुसाइड नोट

भोपाल। महाराष्ट्र के नागपुर में आत्महत्या करने वाली मध्य प्रदेश निवासी 18 वर्षीय नीट अभ्यर्थी आकांक्षा चतुर्वेदी के परिवार को उसका एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें माता-पिता से माफी मांगते हुए कहा है कि उसमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा में दोबारा बैठने का साहस नहीं है। सुसाइड नोट में छात्रा आकांक्षा चतुर्वेदी ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वह दोबारा होने वाली परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर लेगी। मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में रहने वाली आकांक्षा नागपुर में रहकर मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परीक्षा रद्द होने की घोषणा के एक सप्ताह बाद, आकांक्षा का शव 20 मई को नागपुर स्थित उसके घर के कमरे में फंदे से लटकता पाया गया। घटना के कुछ दिन बाद परिवार को अब उसका सुसाइड नोट मिला है।

यह लिखा है पत्र में

आकांक्षा की मौत के दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत जाने के बाद, जब आकांक्षा के दुखी रिश्तेदार उसके कमरे में उसका सामान समेट रहे थे, तो उन्हें एक हाथ से लिखा हुआ नोट मिला। आकांक्षा ने नोट में लिखा, 'मम्मी और पापा, आपको भरोसा था कि आपकी बेटी खूब पढ़ाई करेगी और डॉक्टर बनेगी, लेकिन अब मुझमें दोबारा नीट परीक्षा देने की हिम्मत नहीं बची है। मुझे माफ कर देना, मम्मी और पापा। मैंने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।'

MARUTI SUZUKI ARENA
इस पर्यावरण दिवस पर
एक हरित भविष्य की ओर बढ़ें
EFFECTIVE PRICE OF ₹4.39* LAKH
EFFECTIVE PRICE OF ₹5.71* LAKH
EFFECTIVE PRICE OF ₹5.42* LAKH
GREATER SAFETY
UNMATCHED FUEL EFFICIENCY
BETTER PERFORMANCE
ENHANCED COMFORT
S-CNG
DRIVE SMART. CHOOSE GREEN.
ARENA SAFETY SHIELD
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
Contact us at 1800-102-1800
T&C available at your nearest Maruti Suzuki Arena dealership. Features, accessories, and specifications may vary by variant and are subject to change without prior notice. Offers and prices may differ by variant, model, location, and city, and are subject to change or withdrawal without notice. *The effective price for Alto K10 (Standard) of ₹4.39 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹25 000, exchange/scrappage bonus of ₹15 000, and rural/ISL offer of ₹2 100 from the ex-showroom price of ₹4.82 Lakh. *The effective price for Celerio (LXI) of ₹5.71 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹10 000, exchange/scrappage bonus of ₹15 000, and rural/ISL offer of ₹2 100 from the ex-showroom price of ₹5.98 Lakh. *The effective price for WagonR (LXI) of ₹5.42 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹30 000, exchange/scrappage bonus of ₹15 000, and rural/ISL offer of ₹2 100 from the ex-showroom price of ₹5.89 Lakh. The actual Effective Price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Finance is at the sole discretion of the financier.

विश्व पर्यावरण दिवस

> सैकड़ों वन चौकियां, हजारों का अमला फिर भी तस्कर पेड़ काट ले जाते हैं। भाठीगढ़ में माता पैरी और बम्हनीन दाई की आस्था का ऐसा पहरा है कि आदिवासी वहां से हरा पत्ता तोड़ना भी महापाप मानते हैं। असली पर्यावरण संरक्षण कानून की धाराओं से नहीं, अंतरात्मा के अनुशासन से आता है।

बूढ़ी दाई और बम्हनीन माता के खौफ से महफूज है जंगल, पैरी नदी के जन्म की सदियों पुरानी दास्तान

आदिवासी समाज का जंगलों और वन्यजीवो के साथ अटूट रिश्ता

मैनपुर से शेख हसन खान

आदिवासी समाज का जंगलों और वन्यजीवो के साथ अटूट रिश्ता होता है। वे प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि अपने जीवन का आधार मानते हैं आज आदिवासी समाज के कारण क्षेत्र मे जल जंगल जमीन की सुरक्षा हो रही है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से तीन किमी दूर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थल पैरी उद्गम पहाड़ी के जंगल में पैरी नदी का जन्म हुआ है और इस पहाड़ी जंगल मे कोई भी पेड़ों की कटाई नहीं करता क्योंकि इस पहाड़ी में माता पैरी के साथ ही माता बम्हनीन दाई और पहाड़ी वाली मां के साथ अनेक देवी देवताओं के देवस्थल हैं जो आदिवासी समाज का और पूरे क्षेत्रवासियों के लिए गहरे आस्था का केन्द्र है। एक तरह से आदिवासी समाज के कारण ही आज इस पैरी उद्गम पहाड़ी जंगल पूरी तरह सुरक्षित है और यहां तेंदुआ, सांभर, चितल, भालू, मोर आसानी से विचरण करते दिखाई देते हैं।

पैरी नदी का उद्गम है भाठीगढ़

ग्राम भाठीगढ़ व क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि भाठीगढ़ पहाड़ी से का जन्म हुआ है और यह नदी छत्तीसगढ प्रदेश के लिए जीवनदायनी नदी के रूप में जाना जाता है। लगभग 52 ग्रामों के प्रमुख धार्मिक गढ़ के रूप में भाठीगढ़ पैरी उद्गम स्थल को मान्यता प्राप्त है। जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल के साथ पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिध्दि प्राप्त है। मनौती पूरी होने की मान्यता के चलते भाठीगढ में श्रद्धालुओं की भारी भींड लगी रहती है। भाठीगढ़ के पहाड़ काफी घने जंगल चारों तरफ नदी नाले झरना वन्य प्राणियों भरपूर व काफी खूबसूरत है, जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। जमीन सतह से लगभग एक हजार फीट की उंचाई पहाड़ी के उपर बड़े बड़े चट्टानों के बीच से पैरी नदी का उदगम स्थल पर मंदिर का निर्माण किया गया है और इस उदगम स्थल मे जल कुंड बना हुआ है, जहां से लगातार बारहों माह पानी की धार बहती रहती है। यह पैरी उदगम से बहने वाली पानी की धार त्रिवेणी संगम राजिम मे मिलती है।

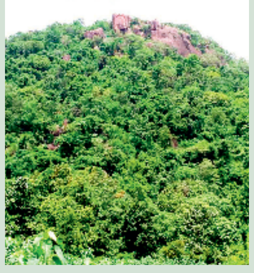

गोत्र के रूप में करते हैं पूजा

भाठीगढ़ क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक हरिशचंद नेगी, खेदु नेगी, डाकेश्वर नेगी, प्रेमसाय जगत, छबि दीवान, रामदास वैष्णव, रामकृष्ण ध्रुव माखनदास वैष्णव, तुलसीराम, लिलेश कुमार साहू व क्षेत्र के लोगों ने बताया पैरी उद्गम पहाड़ी ऊपर घने जंगल से लगातार पानी निकल रहा है जो हजारों वर्ष पुराना है और भाठीगढ़ की पहाड़ी क्षेत्र आदिवासी समाज के प्रमुख देवी देवताओ का स्थल है, जहां हमेशा पूजा अर्चना किया जाता है इस क्षेत्र का काफी धार्मिक महत्व है। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज पेड़, नदी और वन्य जीवों को गोत्र के प्रतीक के रूप में मानता है। किसी खास वन्यजीव या पेड़ को नुकसान न पहुंचाना उनकी परंपरा का हिस्सा होता है।

अब तक करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं, अब युवाओं का सहयोग

किराना दुकान की कमाई पौधे लगाने में, बच्चों की तरह प्यार भी, मटकों से बचा रहे हरियाली

एक तरफ विकास के नाम पर हरियाली पर लगातार कुल्हाड़ी चल रही है, वहीं बिलासपुर में एक व्यक्ति हैं, जो प्रकृति को बचाने और आस-पास के क्षेत्र को हरा-भरा बनाने का काम कर रहे हैं। सेंदरी के रहने वाले दूजराम भेंड़पाल उन तमाम लोगों के लिए मिसाल कायम कर रहे हैं, जो प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में कुछ करना चाहते हैं। सेंदरी में रहने वाले दूजराम प्रकृति संरक्षण के लिए लगातार पौधरोपण का काम कर रहे हैं। अब तक वो करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं। इसके लिए दूजाराम ने एक बाइक भी मोडिफाई कराई है। यही नहीं इन पौधों की देखभाल भी वे अपने बच्चों की तरह करते हैं। इसी कारण लगाए गए पौधे बड़े हो रहे हैं। दूजराम सिर्फ पौधे नहीं लगाते, बल्कि उसके आसपास पूरा एक इकोसिस्टम तैयार कर कीटों से लेकर घास तक को बचाने की पहल करते हैं।

बिलासपुर से विकास चौबे

दूजराम अकेले मेहनत करते हुए अब तक करीब 10 हजार पौधे लगा चुके हैं। खास बात तो यह है कि दूजराम पौधे लगाने के बाद उन्हें भगवान भरोसे नहीं छोड़ते, बल्कि निरंतर अपने द्वारा लगाए गए पौधों को पानी देने से लेकर खाद देने तक का काम करते हैं। यह प्रक्रिया दूजराम तब तक करते हैं, जब तक वह पौधा बड़ा न हो जाए। वह 6 सालों से निरंतर पेड़-पौधे लगाने का काम कर रहे हैं। कभी अकेले शुरू की गई उनकी इस मुहिम से आज कई युवा जुड़ कर पर्यावरण संरक्षण में अपना सहयोग दे रहे हैं। पौधों को लगाने में आने वाला खर्चा भी दूजराम स्वयं ही उठाते हैं। हालांकि अच्छा काम करने वालों को सहयोग करने वालों की भी कमी नहीं है। यही वजह है कि कभी भी दूजराम को अपने काम के लिए चंदा नहीं जुटाना पड़ता। बल्कि उन्हें सहयोग करने वाले कई लोग आगे आते हैं। वन विभाग की नर्सरी का एक स्टाफ उन्हें पौधे प्रदान करते हैं। इसी तरह से ट्री गार्ड आदि की व्यवस्था हो जाती है। सड़े-गले पत्तों व खाद्य पदार्थों से युक्त लेकिन पौधों के लिए पौष्टिकता का काम करने वाला पानी वे खुद तैयार करते हैं।

मुक्तिधाम की सफाई से शुरू हुआ अभियान

दूजराम बताते हैं कि 2017 में उन्होंने टीवी में गुजरात के मुक्तिधाम के बारे में देखा। तब उनके मन में इस बात की चाह जागी कि हमारे गांव सेंदरी का मुक्तिधाम भी इसी तरह सुन्दर होना चाहिए। इसके बाद वह मुक्तिधाम की सफाई के काम में जुट गए। धीरे धीरे उनके कार्य को देखते हुए पौधा लगाने वाले एक ग्रुप ने उनसे संपर्क किया। एक ग्रुप ने उन्हें पौधा रोपण करने की मुहिम से जुड़ने का न्योता दिया और फिर दूजराम पौधे लगाने के काम में जुट गए। इसकी शुरुआत उन्होंने बिलासा ताल के समीप नदी के किनारे पर पौधे लगाने से की। धीरे-धीरे उन्होंने अपने काम के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करना शुरू किया। सोशल मीडिया पर लोगो के द्वारा मिले प्रोत्साहन से उनका संकल्प और मजबूत होता चला गया। आज वह अकेले पौधरोपण और उनकी देखभाल का काम करते हैं, जिसमें गांव के ही कुछ युवा उनके साथ जुड़े हुए हैं।

पौधारोपण के लिए बनवाया मॉडिफाइड बाइक

बिलासपुर से निकलकर जैसे ही आप रतनपुर-कटघोरा-कोरबा रोड की ओर आगे बढ़ेंगे, महज 5 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है गांव सेंदरी। इस गांव में एक छोटी सी किराना दुकान है। दुकान की आय ज्यादा नहीं है, लेकिन इतनी है कि इसके मालिक दूजराम अपना घर चलाने के साथ-साथ हरियाली बिछाने के उनके काम में मदद कर देती है। यही नहीं, दुकान उन्हें इतना समय भी दे देती है कि वे अपने घर, परिवार और गांव से आगे बढ़कर प्रकृति के लिए कुछ कर गुजरने में सफल हो जाते हैं। इस पौधा रोपण की मुहिम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए दूजराम ने एक बाइक मोडिफाई कराई है।

भगत सिंह को मानते हैं अपना रोल मॉडल

पेड़ लगाने का नशा सा है दूजराम को। वे शहीद भगत सिंह को अपना रोल मॉडल मानते हैं। वे सड़क किनारे, नदी किनारे, मुक्तिधाम, स्कूल कैंपस आदि में पौधे लगाकर वहां हरियाली बिछाने का काम करते हैं। दूजराम बताते हैं कि शुरुआत में वे एक संगठन से जुड़े थे, जिसके सदस्य मिलकर पौधे लगाते थे। उसमें अधिकांश शहर के लोग थे। बाद में संगठन टूट गया पर खुद नहीं टूटे और पौधे लगाने का काम जारी रखा। अब बस एक वाट्सएप ग्रुप है, जिसमें उन्हें पौधे लगाने, पौधों की उपलब्धता, संबंधित सामान जुटाने में मदद भी मिल जाती है।

मटकों से बचा रहे हरियाली, गाड़ियों में हरियाली का संदेश

पौधा लगाकर हरियाली बिछाने के अलावा प्रकृति का कैसा ध्यान रखते हैं, ये दूजराम की एक और पहल से जाना जा सकता है। उनको जहां भी मटके मिलते हैं, जैसे मंदिरों में पूजन के बाद खाली पड़े हुए, वैवाहिक समारोहों में आदि को वे जुटाते हैं। इसके बाद उन्हें जगह-जगह खाली जगहों पर व पौधों के किनारे रख देते हैं। उनमें वे सप्ताह में एक दिन पानी भर देते हैं। इससे मटकों के नीचे जमीन पर नमी बनी रहती है। यह नमी न सिर्फ पौधों के लिए बल्कि घास तक के लिए मददगार साबित होती है। कुल मिलाकर ये इकोसिस्टम का काम करता है। दूजराम के मुताबिक हमारे आसपास कई जगहों पर कुछ ऐसे पौधे उगा जाते हैं, जो वहां सर्वाइव नहीं कर सकते या फिर ऐसी जगह, जसि हटाना जरूरी है।

एक संकल्प ने बचा ली 65 एकड़ जमीन, नहीं होने दिया अतिक्रमण

30 साल पहले लगाए बांस आज बन गए गांव की पहचान

पर्यावरण संरक्षण को लेकर जहां आज पूरी दुनिया चिंतित है, वहीं कबीरधाम जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत मड़मड़ा ग्राम ने तीन दशक पहले ऐसा कदम उठाया, जो आज पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता का अनूठा उदाहरण बन चुका है।

कवर्धा से महेश मिश्रा

ग्राम पंचायत मड़मड़ा की 65 एकड़ भूमि पर फैला बांस वन न केवल गांव की हरियाली को संरक्षित कर रहा है, बल्कि पंचायत के लिए आय का प्रमुख स्रोत भी बन गया है। लगभग 30 वर्ष पूर्व ग्रामीणों ने गांव की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सामूहिक सहमति से बांस का रोपण किया था। आज यही पहल गांव की पहचान बन चुकी है। पंचायत द्वारा बांस वन की सुरक्षा के लिए चौकीदार नियुक्त किया गया है। बांस की नीलामी से पंचायत को प्रतिवर्ष लगभग 5 लाख रुपए की आय होती है, जिसका उपयोग गांव के विकास कार्यों में किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह व्यवस्था पिछले कई दशकों से संचालित हो रही है और गांव के लोग स्वयं इसकी देखरेख करते हैं।

गांव के सुख-दुख में भी काम आता है बांस

मड़मड़ा में किसी परिवार में विवाह, पूजा-पाठ या सामाजिक कार्यक्रम होने पर मंडप निर्माण के लिए 16 नग बांस निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। वहीं निधन पर संस्कारों के लिए भी बांस मुफ्त दिया जाता है। शेष बांस की खुली नीलामी कर पंचायत आय अर्जित करती है।

ग्रामीणों की दूरदर्शिता का परिणाम

करीब 30 वर्ष पहले गांव की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से बचाने और उसे उपयोगी बनाने के उद्देश्य से ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से बांस रोपण का निर्णय लिया था। उस समय शुरू की गई पहल आज विशाल बांस वन का रूप ले चुकी है। ग्रामीणों की सहभागिता और पंचायत की सतत देखरेख से यह क्षेत्र हरियाली से आच्छादित हो गया है। पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और स्थानीय संसाधनों से विकास का यह मॉडल आज अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

आत्मनिर्भर पंचायत का मॉडल

ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दीपिका पप्पू सिंह ठाकुर ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से शुरू किया गया यह प्रयास आज पंचायत की आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बन चुका है। बांस वन से प्राप्त आय का उपयोग गांव के विकास कार्यों में किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी का यह मॉडल देखने के लिए अन्य क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंचते हैं।

चार साल तक करीब 1500 पेड़ लगाकर की उनकी सेवा, एक हादसे के बाद सूख गए कई

दादा की सीख, गुरुजी का संकल्प और सड़क किनारे खड़ी हरियाली की विरासत

पर्यावरण प्रेम की मिसाल महापल्ली के टंकधर गुरुजी द्वारा लगाए गए आम के पेड़ आज राहगीरों को सुकून की छांव और मीठे फल दे रहे हैं। दरअसल जब दिसंबर 2005 में टीडी सर (टंकधर प्रधान गुरुजी) रिटायर हुए तो इसी सुकून की छांव की तलाश में दर-दर भटकते रहे। तब उनको ऐसा लगा कि जीवन में कुछ तो करना चाहिए और 2007 से उन्होंने पेड़ लगाना शुरू किया। पूर्वांचल के सकरबोगा और बनोरा के रास्ते में दोनों ओर करीब 1500 पेड़ लगाए, लेकिन पेड़ों ने भी गुरुजी की परीक्षा ली और 2011 में उनका एक्सीडेंट हो गया। उनकी कमर में चोट लगी और गुरुजी लगभग असक्षम हो गए। उस दौर में पेड़ अपने आप को एकबारगी अनाथ महसूस करने लगे, प्यास से उनके कंठ सूखने लगे। धीरे-धीरे पेड़ अपना अस्तित्व खोने लगे, लेकिन जो पेड़ संभल गए थे वह बिना पानी के ही बड़े हो गए। चार साल का जो समय था वह काफी कष्ट भरा था, ऐसे में पेड़ों की सेवा नहीं हो सकी और एक हजार से अधिक पेड़ मर गए। करीब डेढ़ दो सौ पेड़ ही जिंदा रहे, जो आज भी सड़क के दोनों ओर सीना ताने खड़े हैं और लोगों को राहत पहुंचा रहे हैं।

रायगढ़ से स्वतंत्र महंत

बाल्टी कांवर से करते थे पेड़ों में सिंचाई

उस दौर में पानी की कुछ ज्यादा व्यवस्था नहीं थी। तब टीडी सर दो बाल्टी का कांवर बनाकर तालाब से पानी ढो-ढोकर पेड़ों की प्यास बुझाते थे। कभी बोरिंग से तो कभी तालाब से, इसी तरह का सिलसिला चलता रहा, लेकिन 2011 में एक दुर्घटना हो गई और गुरुजी को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। हादसे के बाद पेड़ों को समय पर पानी नहीं मिला तो कुछ जिंदा रहे बाकी दम तोड़ गए। टीडी सर कहते हैं कि आत्म परीक्षण आत्म मूल्यांकन के लिए जीवन मे हर आदमी को कम से कम पांच पेड़ लगाना ही चाहिए। टीडी सर अंग्रेजी के मास्टर हैं, लेकिन संस्कृत में भी उनकी रुचि है। वर्तमान में उनको 134-135 श्लोक कंठस्थ हैं। एक दिलचस्प बात और, गुरुजी घर में अखबार का सोडूकु बनाते हैं। इसके लिए उनके हाथ में हमेशा कागज पेन नजर आता है।

कृषि उपज मण्डी समिति सरायपाली, जिला-रायगढ़

दादा जी से मिली प्रेरणा

टंकधर प्रधान गुरुजी बताते हैं कि उनको पेड़ लगाने की प्रेरणा उसके दादा जी अनिरुद्ध प्रधान से मिली। टीडी सर बताते हैं कि उनके दादा जी भी पर्यावरण प्रेमी थे, और गांव में अनगिनत पेड़ लगाए। उनके दादा जी द्वारा गांव में लगाए गए हजारों पेड़ आज भी जिंदा हैं और उनके फल गांव के लोग खाते हैं। टीडी सर के दादा कहा करते थे कि पेड़ लगाने के बाद उसे अपना कभी मत समझना। कहने का तात्पर्य है कि पेड़ लगाने के बाद वह दूसरों के ही काम आता है। दादा जी की प्रेरणा से ही टंकधर गुरुजी ने भी गांव में पेड़ लगाए। टीडी सर कहते हैं उनके जीवन को सुधारने में दादा जी का बहुत बड़ा योगदान है।

पंडितजी ने कहा था 65 साल ही है आपकी उम्र

आज टंकधर प्रधान गुरुजी करीब 83 साल के हो गए हैं, लेकिन पेड़ों के प्रति उनका प्रेम कम नहीं हुआ है। उन्हीं पेड़ों को अपना जीवन का आधार मानते हैं। इसमें भी एक दिलचस्प वाक्या है। टीडी सर बताते हैं कि उनके स्टाफ में एक पंडित गुरुजी हुआ करते थे। वे सभी का हाथ देखकर भाग्य बताया करते थे। टंकधर गुरुजी ने भी अपना हाथ दिखाया तो पंडित ने बता दिया कि वे 65 साल से ज्यादा जिंदा नही रहेंगे। 62 साल के बाद जब रिटायर हुए तो टीडी सर ने सोचा कि अब तो तीन साल ही जीना है। ऐसे में उनको कुछ करना चाहिए और पेड़ लगाना शुरु किया। बताते हैं कि आज पेड़ लगाने की वजह से शायद 83 साल तक जिंदा हैं। पेड़ उनके जीवन का आधार बन गए हैं।

मारुति ने पेश की देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार, पेट्रोल-डीजल की टेंशन खत्म

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- सरकार एथेनॉल बेस्ड फ्यूल को बढ़ावा दे रही है

भारत में पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार एथेनॉल बेस्ड फ्यूल को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में एक बड़ा कदम उठाते हुए मारुति सुजुकी ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार वैगनआर को लांच कर दिया है।

यह कार खास तकनीक के साथ तैयार की गई है, जिससे यह सामान्य पेट्रोल के अलावा अधिक मात्रा में एथेनॉल मिक्स फ्यूल पर भी चल सकती है। नई फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ई85 फ्यूल पर भी चल सकती है। ई85 का मतलब है कि फ्यूल में 85 प्रतिशत एथेनॉल और 15 प्रतिशत पेट्रोल होता है। वर्तमान में ज्यादातर वाहन ई20 तक के फ्यूल पर चलने के लिए तैयार किए जा रहे हैं, लेकिन फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक इससे एक कदम आगे है। यह गाड़ी फ्यूल में मौजूद एथेनॉल और पेट्रोल के अनुपात के अनुसार खुद को एडजस्ट कर लेता है।

नई फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर ई85 फ्यूल पर भी चल सकती है

कीमत सामान्य वैगनार से थोड़ी अधिक हो सकती है

कीमत की बात करें तो फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के कारण इस मॉडल की कीमत सामान्य वैगनआर से थोड़ी अधिक हो सकती है। हालांकि अगर भविष्य में ई85 ईंधन पेट्रोल की तुलना में सस्ता मिलता है, तो ग्राहकों को रोजाना के ईंधन खर्च में अच्छी बचत मिल सकती है। लंबे समय में यह अतिरिक्त कीमत की भरपाई कर सकता है। आने वाले सालों में भारत में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। जैसे-जैसे एथेनॉल फ्यूल की उपलब्धता बढ़ेगी, वैसे-वैसे लोग इस तकनीक को अपनाने लगेंगे। कई अन्य कार कंपनियां भी ऐसी कारों और दोपहिया वाहनों पर काम कर रही हैं।

IDIA GOE
FLEX FUEL
WAGONR

ईसीयू एथेनॉल में कितना पेट्रोल है जांचता है

यह ईसीयू लगातार यह जांचता रहता है कि टैंक में कितना एथेनॉल और कितना पेट्रोल मौजूद है। इसी के मुताबिक, इंजन की कार्यप्रणाली को एडजस्ट किया जाता है। इससे कार हर प्रकार के मिश्रण वाले फ्यूल पर बेहतर प्रदर्शन कर पाती है और इंजन की कार्यक्षमता भी बनी रहती है।

डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं

नई वैगनआर को देखने पर आपको सामान्य मॉडल जैसी ही कार नजर आएगी। कंपनी ने इसके डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक के लिए कंपनी ने कार के कई जरूरी हिस्सों को अपग्रेड किया है।

वैगनआर को क्यों चुना गया?

मारुति सुजुकी ने अपनी पहली फ्लेक्स-फ्यूल कार के लिए वैगनआर को चुना है क्योंकि यह कंपनी की सबसे सफल और पॉपुलर कारों में से एक है। वैगनआर अपनी आरामदायक सीटिंग, बड़े केबिन, अच्छे माइलेज और कम मेंटेनेंस खर्च के लिए जानी जाती है। कंपनी को उम्मीद है कि ग्राहकों के बीच इसकी पॉपुलेरिटी नई तकनीक को अपनाने में मदद करेगी।

हीरो मोटोकॉर्प की फ्लेक्स फ्लूल पर चलने वाली पहली मोटरसाइकिलें पेश

हीरो मोटोकॉर्प ने एथनॉल मिश्रित ईंधन (फ्लेक्स-फ्यूल) पर चलने वाली भारत की पहली मोटरसाइकिलें - स्प्लेंडर प्लस और एचएफ डीलक्स - पेश कीं। यह मोटरसाइकिल पेट्रोल में 85 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण पर चल सकती हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि एचएफ डीलक्स मिश्रित ईंधन मोटरसाइकिल की कीमत 72,792 रुपए (एक्स-शोरूम दिल्ली) होगी, जबकि मिश्रित ईंधन स्प्लेंडर प्लस की कीमत 82,710 रुपए (एक्स-शोरूम दिल्ली) होगी। इन मोटरसाइकिल की बिक्री जुलाई, 2026 में दिल्ली और महाराष्ट्र के चुनिंदा क्षेत्रों में शुरू की जाएगी।

खबर संक्षेप

एमपीसी आज करेगी फैसले की घोषणा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करेंगे। यह उम्मीद जतायी जा रही है कि केंद्रीय बैंक मुख्य रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पैदा हो रही चुनौतियों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाया जा रहा है।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.83 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे कमजोर होकर 95.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। भारत के लिए एक बड़ा जोखिम है।

बैठक की अध्यक्षता भर्तृहरि महताब ने की

संसदीय समिति की बैठक में रुपए की कमजोरी निजी निवेश में सुस्ती पर जताई गई चिंता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

संसद की एक स्थायी समिति की बृहस्पतिवार को हुई बैठक में रुपये में लगातार आ रही गिरावट और देश में निजी निवेश की सुस्ती को लेकर चिंता जताई गई जबकि सरकार ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतियों के बावजूद मजबूती के साथ उभर रही है। वित्त संबंधी स्थायी संसदीय समिति की बैठक में आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर और मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने देश की आर्थिक स्थिति पर प्रस्तुति दी।

इस बैठक की अध्यक्षता भर्तृहरि महताब ने की। महताब ने बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि महंगाई, बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया में संघर्ष और अपने उद्योगों की सुरक्षा के लिए चीन के हाल के सख्त कदम जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, /"हालांकि अभी कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं, लेकिन इन गंभीर चुनौतियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में उभर रही है।

सरकार को दिए जाएंगे सुझाव

महताब ने कहा कि घरेलू बचत और निवेश में वृद्धि जैसे कुछ सकारात्मक संकेत मिले हैं, लेकिन सरकार के पूंजीगत व्यय की गति के अनुरूप निजी निवेश का नहीं बढ़ना चिंता का विषय है। महताब ने कहा कि समिति इस महीने के तीसरे सप्ताह में फिर बैठक करेगी और एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसमें अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों के उल्लेख के साथ उनसे निपटने के लिए जरूरी कदमों के बारे में सरकार को सुझाव भी दिए जाएंगे।

- रुपए में आ रही लगातार गिरावट पर चिंता व्यक्त
- निजी निवेश की सुस्त चाल पर चिंता जताई गई
- कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों पर चर्चा की गई

पूंजी का प्रवाह विकसित देशों की ओर हो रहा

महताब ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते निवेश आकर्षण और विकसित देशों में ब्याज दरों में वृद्धि के कारण पूंजी का प्रवाह उन देशों की ओर हो रहा है, जबकि पहले उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अधिक निवेश मिलता था। बैठक में कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई एवं मनीष तिवारी, भाजपा के पीपी चौधरी एवं दिनेश शर्मा और लोजपा (आर) के अरुण भारती सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

आरबीआई रुपए को गिरने से बचाने उठा रहा कदम

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आ रही गिरावट पर उन्होंने कहा कि यह भी चिंता का विषय है और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रहा है। निजी निवेश में सुस्ती पर उन्होंने कहा कि इसके लिए कुछ नीतिगत बदलावों की जरूरत है। साथ ही, चीन से बाहर आ रही कंपनियों को भारत में निवेश के लिए किस तरह का समर्थन दिया जा रहा है, इस पर भी ध्यान देना होगा।

भारत-अमेरिका में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर सवाल

महताब ने कहा कि समिति के सदस्यों ने भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए। महताब ने कहा, /"एक बड़ी चुनौती यह भी है कि जहां भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आ रहा है, वहीं कुछ निवेश यहां से बाहर भी जा रहा है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने इसे एक चक्रीय प्रक्रिया बताया है।/"

सेंट्रल बैंक का फंसे कर्ज से 3500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- वित्त वर्ष 2026-27 में फंसे कर्ज की वसूली की जाएगी
- बैंक के बही-खाते मजबूत करने में मदद मिलेगी

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2026-27 में फंसे कर्ज की वसूली से 3,500 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का लक्ष्य रखा है। इससे उसके बही-खाते को मजबूत करने में मदद मिलेगी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कुमार ने कहा, हमारे पास तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाली गई राशि करीब 32,000 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक ने ऐसे ऋण खातों से 2,270 करोड़ रुपये की वसूली की। हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भी बट्टे खातों से 2,300 से 2,500 करोड़ रुपये की वसूली होगी और यह हमारे लाभ को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समूचे वित्त वर्ष में कुल वसूली 3,500 करोड़ से 4,000 करोड़ रुपये के बीच रहने की उम्मीद है। बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 3,307 करोड़ रुपये की वसूली की थी।

कृषि खातों के लिए ओटीएस योजना

बैंक का मुख्यालय मुंबई में है। इसने खासकर कृषि खातों के लिए विशेष एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजनाएं शुरू की हैं और वसूली अभियानों को भी तेज किया है। कुमार ने बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कोष प्रबंधन और क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे शुल्क आधारित आय बढ़ाई जा सके। इसके लिए बैंक को निदेशक मंडल की मंजूरी मिल चुकी है।

दिल्ली और महाराष्ट्र में एथेनॉल ईंधन स्टेशन जल्द शुरू होंगे : पुरी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- दिल्ली एनसीआर, पुणे, मुंबई व नागपुर में होंगे स्थापित

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार कच्चे तेल के आयात को कम करने के उद्देश्य से दिल्ली-एनसीआर, पुणे, मुंबई और नागपुर में 50 से 100 एथनॉल ईंधन स्टेशन स्थापित कर रही है। पुरी ने उम्मीद जताई कि यह नेटवर्क बढ़कर 2026 के अंत तक 500 स्टेशनों तक पहुंच जाएगा। मारुति सुजुकी द्वारा भारत की पहली एथनॉल मिश्रित पेट्रोल से चलने वाली कार (फ्लेक्स-फ्यूल) पेश किए जाने के मौके पर पुरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि 2027 के अंत तक भारत में 5,000 एथनॉल ईंधन स्टेशन होंगे। पुरी ने कहा, हम दिल्ली-एनसीआर, पुणे, मुंबई और नागपुर में लगभग 50 से 100 एथनॉल वितरण स्टेशन के साथ शुरुआत कर रहे हैं। यह संख्या 2026 के अंत तक बढ़कर 500 तक पहुंच सकती है। मंत्री ने कहा कि यदि यूरो 6 मानक वाहन को ई100 ईंधन (शत प्रतिशत एथनॉल वाले वाहन) के अनुकूल बनाया जा सके, तो इससे लगभग 120 अरब अमेरिकी डॉलर के कच्चे तेल आयात को कम करने में मदद मिलेगी। तेल विपणन कंपनियों के घाटे पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वे अभी भी प्रतिदिन लगभग 500 से 550 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं।

एनएचपीसी की बिक्री पेशकश को मिला पूर्ण अभिदान

एन एच पी सी
NHPC

नई दिल्ली। एनएचपीसी की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को अंतिम दिन पूर्ण अभिदान मिल गया। इसके साथ सरकार ने हिस्सेदारी बिक्री के जरिए लगभग 4,300 करोड़ रुपये जुटा लिए। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, बिक्री पेशकश के तहत 60.27 करोड़ शेयरों के मुकाबले कुल 151.33 करोड़ शेयरों के लिए बोली प्राप्त हुई। सरकार ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह एनएचपीसी में छह प्रतिशत तक की हिस्सेदारी ओएफएस के माध्यम से बेचेगी। इसके लिए न्यूनतम मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821
NO.021-10/PUBLICATION/2530 **Korba West, dtd. 02.06.2026**
e-Bidding TENDER NOTICE No. 1416/2026.

Online tenders are invited from Experienced & Prospective firms for the following Work/Supply :

S. No	Rfx No.	Particulars	Cost of tender doc	E.M.D. (Rs.)	Last date of submission & opening
1.	**Rfx No. 8100051902**	Supply installation & commissioning of Radio Remote Control, Limit Switches, EH-Thrusters and 25 Ton EOT at HTPS, Korba West.	**590/-**	**9,495/-**	**23.06.2026**
2.	**Rfx No. 8100051928**	Procurement of Raincoat for employees of HTPS, Korba West.	**590/-**	**8,966/-**	**24.06.2026**
3.	**Rfx No. 8100051946**	Replacement of BFP Discharge valve, recirculation valve discharge NRV and condenser bellow for unit 1 to 4, HTPS, KW	**590/-**	**12,025/-**	**24.06.2026**
4.	**Rfx No. 8100051907**	Deployment of Vehicle Cat-SUV for E.E. (BMD-II)-PP&M, (AH&F-II) & (AH&F), 1x500 MW, HTPS, Korba West.	**590/-**	**6,115/-**	**24.06.2026**
5.	**Rfx No. 810002624**	Procurement of Spares of PLC Systems RIOs panels of 3rd Stream of CHP: Ext and CHP: INT, 1x500 MW, HTPS, KW.	**590/-**	**6,547/-**	**27.06.2026**

NOTE:- 1. Payment of Tender cost & EMD shall be done online through e-bidding portal. The tender documents can be seen from our website **https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal.2.** Quantity as per tender schedule.3.Any Extension/ Corrigendum / Amendments if required, shall be displayed on our websites only.

SUPERINTENDING ENGINEER (C)
O/o THE ADDL. CHIEF ENGINEER (S&P)HTPS, CSPGCL, KORBA WEST

SAVE ENERGY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय
(नवोदय विद्यालय समिति की एक इकाई)
शिक्षा मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार

PM SHRI

पत्र स :- 1.21/जनवि/बिलास/2026-27/141 दिनांक- 04/06/2026

पुन: निविदा सूचना

पीएम श्री स्कूल जनवि मल्हार, बिलासपुर (छ.ग.) में सत्र 2026-27 के लिए पुन: निविदा प्रक्रिया (सब्जी और फल, अंडा एवं चिकन, ऑफिस स्टेशनरी, बाल कटिंग, बेकरी सामाग्री, कपड़ा प्रेस, कम्प्यूटर एवं सीसीटीवी एएमसी, पंखा रिपेयरिंग, खाली टिन एवं बारदाने, अनुपयोगी बर्तन विक्रय, पुरानी खेल सामाग्री विक्रय, अनुपयोगी, कम्प्यूटर एवं इलेक्ट्रिक विक्रय, पुरानी शयन सामाग्री एवं फर्नीचर विक्रय, सेफटिंग टैंक सफाई) हेतु आवेदन दिनांक निम्नवत निर्धारित है-

निविदा आवेदन फॉर्म लेने की अंतिम तिथि :-	05 से 15 जून 2026 तक
निविदा आवेदन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि :-	16 जून 2026 तक
निविदा खुलने की तिथि :-	17 जून 2026 प्रात: 11 बजे

अधिक जानकारी के लिए विद्यालय की वेबसाइट अथवा विद्यालय कार्यालय से संपर्क करें।

प्राचार्य
पीएम श्री स्कूल जनवि
मल्हार, बिलासपुर (छ.ग.)

निवेशकों का सतर्क रुख सेंसेक्स हुआ स्थिर बंद

एजेंसी ⏭ मुंबई

- बाजार में बना रहा उतार-चढ़ाव
- सेंसेक्स 14 और निफ्टी 11 अंक बढ़कर बंद

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। सेंसेक्स में 14 अंक और निफ्टी में 11 अंक की मामूली बढ़त रही। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति के नीतिगत दर पर आने वाले फैसले से पहले भी बाजार में सतर्कता का माहौल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 13.84 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74,360.01 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 10.95 अंक यानी 0.05 प्रतिशत चढ़कर 23,416.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाइटन, आईटीसी, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

ब्रेंट क्रूड में मामूली गिरावट रही

लाइवलोंग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, /"कमजोर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार की शुरुआत दबाव में हुई। हालांकि, निचले स्तरों पर खरीदारी आने से सूचकांक नुकसान की भरपाई करने में सफल रहे।/" इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.68 प्रतिशत गिरकर 96.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एशियाई बाजार रहे नुकसान में

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक नुकसान में रहे। अधिकांश यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

---

homefirst
We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना

आप, निम्नलिखित ऋणधारक, ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को गिरवी रखकर ऋण लिया है और आप ही ने ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक/जमानतदार के रूप में कार्य किया है। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत **03-06-2026** को आपके ऋण खाते को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, ने सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के साथ धारा 13(13) के तहत आपके द्वारा दिए गए पते पर मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस **03-06-2026** को जारी किए गए हैं और इनमें कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। अत:, वर्तमान प्रकाशन एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (2) के प्रावधान के अनुसार और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

क्र. सं.	खाताधारक का नाम और पता, ऋणधारक(ओं) और जमानतदार(ओं)	लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण	मांग नोटिस की तिथि तक कुल बकाया राशि, ब्याज और अन्य व्यय सहित (रुपये में)
1.	बजरंग बघेल, चित कुमारी बघेल	मकान-248/3 (भाग), प.ह.नं. नंबर 41, मौजा सैदा, ख.नं. 248/3 (भाग), प.ह.नं. 1, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	9,94,243
2.	दुर्गेश साहू, जानकी साहू	मकान-मौजा, मुढ़ीपार, मौजा - मुढ़ीपार, ख.नं. 360/1, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.-बिल्हा, तह.-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006, चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ दुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता।	8,60,725
3.	हरि प्रसाद तम्बोली, संध्या तम्बोली	प्लॉट-प.ह.नं.- 24/41, मौजा सैदा, ख.नं.250/13 भाग, प.ह.नं. 41 रा.नि.मं. सकरी मौजा सैदा, तहसील सकरी व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम-गीता कश्यप की भूमि, उत्तर-रास्ता, दक्षिण-विमला बाई की भूमि।	6,88,752
4.	लाला दास, तरूण दास मानिकपुरी, सरिता मानिकपुरी	प्लॉट-मौजा पत्थरखान, ख.नं.-126/114, प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, तहसील बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495224, चौहद्दी: पूर्व-गोविंद एवं कोमल का प्लॉट पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-चंद्रप्रकाश पांडे का प्लॉट, दक्षिण-दक्षिण-चंद्रप्रकाश पांडे का प्लॉट।	9,52,755
5.	सरिता यादव, राकेश यादव, सुकृता यादव	प्लॉट-ख.नं. 68 [भाग], प.ह.नं. 29, मौजा मुंगेली, तहसील एवं जिला मुंगेली, छत्तीसगढ़, 495334, चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - विक्रेता की भूमि, उत्तर - प्रस्तावित सड़क, दक्षिण - विक्रेता की भूमि।	11,13,212
6.	उषा कोरदा, राम बिश्वाल	प्लॉट-ख.नं.1061/41, मौजा सिरगिट्टी, प.ह.नं. 41, रा.नि.मं. बिलासपुर, तहसील एवं जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001, चौहद्दी: पूर्व - सड़क, पश्चिम - विक्रेता का प्लॉट, उत्तर - चंद्र शेखर का प्लॉट, दक्षिण - 25 फुट चौड़ी सड़क।	11,66,254

आपको इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को ब्याज और लागत सहित उपर्युक्त राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत उधारकर्ताओं, बंधककर्ताओं और गारंटरों की सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी, जिसमें उनकी सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करना भी शामिल है। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को प्राप्त शक्तियों में शामिल हैं: (1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों पर कब्जा करने की शक्ति, जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को मुक्त करने के लिए पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है; (2) सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना, जिसमें पट्टे, आवंटन या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण का अधिकार शामिल है, और सुरक्षित संपत्तियों को वसूल करना; और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड द्वारा सुरक्षित संपत्तियों का कोई भी हस्तांतरण, हस्तांतरित सुरक्षित संपत्तियों के सभी अधिकारों और संबंधों में उसी प्रकार निहित होगा जैसे कि हस्तांतरण आपके द्वारा किया गया हो।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, ऊपर उल्लिखित और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के पास गिरवी रखी गई किसी भी सुरक्षित संपत्ति को बिक्री, पट्टे या अन्य किसी भी तरीके से (आपके व्यवसाय के सामान्य संचालन के अलावा) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान : बिलासपुर
दिनांक : 05-06-2026

हस्ताक्षरकर्ता : अधिकृत अधिकारी,
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय, NAAC A++)
कोनी, बिलासपुर-495 009 (C.G.) भारत, दूर..+91-7752-260342 फैक्स +91-7752-260154

क्रमांक 363/प्रवेश/अकादमी/26 बिलासपुर, दिनांक-03.06.2026

कार्यरत पेशेवरों के लिए प्रवेश सूचना (2026-27)

एआईसीटीई वर्किंग प्रोफेशनल स्कीम के अंतर्गत जीजीवी, बिलासपुर स्थित इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी अध्ययन विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए निम्नलिखित स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में कार्यरत पेशेवरों के प्रवेश हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं-

पाठ्यक्रम का नाम	शाखा	विभाग
M. Tech.	Structural Engineering	Civil Engineering
Executive M. Tech.	AI & DS	Information Technology
B. Tech.	Civil Engineering	Civil Engineering
B. Tech.	Mechanical Engineering	Mechanical Engineering
B. Tech.	Computer Science & Engineering	Computer Science & Engineering

पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवार विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://ggu.ac.in पर उपलब्ध विवरण के अनुसार प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20/06/2026 है। आवेदन पत्र भरने से पहले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है।

कुलसचिव

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में आज मरीन ड्राइव के पास भाजपा सरकार एवं नगर निगम की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से नगर निगम द्वारा लगाए गए अतिरिक्त आर्थिक बोझ का विरोध दर्ज कराया गया।

नगर विकास योजना में अब 42 फीसदी जमीन वापस मिलेगी फ्री होल्ड पर, हो सकेगा मिश्रित उपयोग

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

नवा रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई नगर विकास योजना के नियम में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। इस योजना के तहत ली जाने वाली जमीन का 42 प्रतिशत हिस्सा भूमि स्वामी को फ्री होल्ड होकर मिलेगा। यही नहीं, यह जमीन मिश्रित उपयोग के लिए दी जाएगी। प्राधिकरण नवा रायपुर से लगे सेरीखेड़ी में 436 हेक्टेयर क्षेत्र यानी करीब 11 सौ एकड़ में नगर विकास योजना लेकर आया है। यहां की सारी जमीन कृषि की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने टाउन डेवलपमेंट स्कीम (नगर विकास योजनाओं) के तहत आने वाली जमीनों के हस्तांतरण और मालिकाना हक से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। आवास एवं पर्यावरण विभाग ने 'छत्तीसगढ़ विशेष क्षेत्र (अचल संपत्ति का व्ययन) नियम, 2008' में संशोधन किया गया है। इस संशोधन के बाद, अब टाउन डेवलपमेंट स्कीम के क्षेत्रों में स्थित भूमि को पट्टाधृति (लीज-होल्ड), अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) या पूर्ण स्वामित्व (फ्री-होल्ड) के आधार पर अंतरित (ट्रांसफर) किया जा सकेगा। जमीन के मिश्रित उपयोग का मतलब ये कि वहां आवासीय, व्यावसायिक या उद्योग परिसर बनाए जा सकेंगे। आवास एवं पर्यावरण विभाग के अनुसार, पट्टे पर दी गई भूमि को पूर्ण स्वामित्व में बदलने के लिए प्राधिकरण द्वारा कुछ शर्तें तय की गई हैं। इसके तहत प्रीमियम का भुगतान की प्रक्रिया ये होगी कि पट्टेदार को प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रचलित भूमि प्रीमियम के 1 प्रतिशत के बराबर राशि जमा करनी होगी। पट्टेदार को न्यूनतम 15 वर्षों के वार्षिक पट्टा भाटक (लीज रेंट) के बराबर एकमुश्त राशि जमा करनी होगी। परिवर्तन के उपरांत, पट्टेदार को अपने स्वयं के व्यय पर पंजीकरण अधिनियम, 1908 के अधीन 'परिवर्तन विलेख' (कन्वर्जन डीड) का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि भूमि का पूर्ण स्वामित्व के आधार पर अग्रिम अंतरण किया जाता है, तो तय प्रीमियम में आरक्षित प्रीमियम के अतिरिक्त न्यूनतम 15 वर्षों के वार्षिक पट्टा भाटक के बराबर की राशि शामिल होगी। यह संशोधन छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 के प्रावधानों के अंतर्गत किया गया है।

आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां, 16 जून तक छग पहुंच सकता है मानसून

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

तीन दिनों के अतिरिक्त इंतजार के बाद अंततः मानसून ने केरल में दस्तक दे दी है। मौमस विभाग के अनुसार, वर्तमान में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि यह निर्धारित समय अर्थात 16 जून को छग में दस्तक दे सकता है। गुरुवार को मौसम विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून बंगाल की खाड़ी, अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और माहे, कर्नाटक के कुछ भाग, तमिल नाडु, कोमेरिन क्षेत्र के शेष हिस्से में 4 जून को पहुंच गया है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण तेलंगाना और उससे लगे तटीय आंध्रप्रदेश के ऊपर 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से 5 जून को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने तथा वज्रपात होने की संभावना है। मानसून के छत्तीसगढ़ प्रवेश से पहले रायपुर प्रदेश में सर्वाधिक गर्म बना हुआ है। गुरुवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री रहा। राजनांदगावं भी इसी तापमान के साथ प्रदेश में रायपुर संग सबसे गर्म शहर रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया। प्रदेश में छोटे डोंगर, मैनपाट और अंबिकापुर में एक-एक सेमी बारिश दर्ज की गई। रायपुर में शुक्रवार को तेज आंधी चलने के साथ हल्की बारिश की चेतावनी भी मौसम विभाग ने दी है। आकाश आज आंशिक मेघमय रहेगा।

हड़ताल से 14 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई प्रभावित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने राजापुर की घटना को लेकर 29 मई से हड़ताल शुरू की। 1 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की। हड़ताल शुरू होने के समय ही प्रदेश के तहसील कार्यालयों में लगभग 14,223 राजस्व प्रकरणों में सुनवाई तय थी, जो प्रभावित हुई। वहीं इस दौरान हड़ताल के कारण हजारों नए प्रकरण भी दर्ज हुए। हड़ताल में करीब 500 तहसीलदार और नायब तहसीलदार काम से दूर रहे, जिससे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाणपत्र और राजस्व न्यायालयों की सुनवाई प्रभावित हुई। तहसील कार्यालयों में सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। 2–5 जून के लिए निर्धारित कई मामलों की अगली तारीख एक सप्ताह आगे बढ़ा दी गई। राजस्व अदालतों की सुनवाई, प्रमाणपत्र जारी करने और भूमि संबंधी कार्य प्रभावित रहे, लेकिन लंबित मामलों की संख्या सार्वजनिक नहीं की गई। बताया गया है कि गुरुवार से काम पर लौटने के बाद कामकाज शुरू हो गया है। बताया गया है कि प्रदेश में भूमि संबंधी प्रकरणों के साथ ही राजस्व के मामले बड़ी संख्या में लंबित है। इनमें दुर्ग जिले में सबसे अधिक 9296, रायपुर जिले में 5182, बिलासपुर में 4920, रायगढ़ में 4884, राजनांदगांव में 3960 राजस्व प्रकरण लंबित है। वैसे देखा जाए तो इन प्रकरणों में पूरे राज्य में नामांतरण के 24 हजार 143, बंटवारा के 7534 और सीमांकन के 5372 प्रकरण लंबित हैं।

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स. क्षेत्र कोटा/25/26-27/1529 **ई-प्रोक्यूरमेंट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना** रायपुर, दिनांक 03/06/2026

Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि -22.06.2026 , फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि -01.07.2026

क्र.	कार्य का नाम / स्थल	निविदा राशि (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	जिला बिलासपुर, कृषि उपज मंडी समिति/वि.ख. कोटा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुसमुली, अमने, लिटिया, धुमा, बिल्लीबंद, परसापानी, रमदेई, केन्दा (आश्रित मोहल्ला बंधवापारा) में सामुदायिक भवन निर्माण एवं ग्राम पोड़ी में कव्हर्ड शेड निर्माण। (तृतीय आमंत्रण)	138.53	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015, एवं विद्युत कार्य हेतु दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/-
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

सही/-
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति कोटा
जिला बिलासपुर

सं. 48027

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran
Paryavas Bhawan, North Block, Sector-19, Nava Raipur Atal Nagar,
Raipur-492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender

NIT No.: 4237 **Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 03/06/2026**

Online Proposals are invited for "Expression of Interest for Empanelment of Consultants for Preparation of Town Development Scheme(s) of Nava Raipur Atal Nagar". Details of the projects are as below.

S. No.	System Tender No.	Project	EMD (INR Lakhs)
1	192389	Empanelment of Consultants for Preparation of Town Development Scheme(s) of Nava Raipur Atal Nagar	1.00

Applicants shall download tender from e-Procurement website. The tender processing fee is INR. 5,900/- only (Including GST) per tender.
* Date and time of pre-bid meeting - at 12:00 PM on 16th June 2026
* Last Date for Online submission of Tender - up to 03:00 PM on or before 03rd July 2026
* Last Date for Hard copy Submission of Technical Bid-up to 03:00 PM on or before 06th July 2026
* Opening of Technical Bid after 03.30 PM on 06th July 2026

The details of tender and terms & conditions are available on the e-Procurement website https://eproc.cgstate.gov.in

Any amendment/modification in the tender documents will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

Note: If the date of Hard copy submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered.

(Approved by CEO)

General Manager (Planning)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

S.- 48016

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (ISO 9001: 2015 Certified)
1st Floor, Udyog Bhawan, Ring Road No.1, Telibandha, Raipur (C.G.) -492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N, GST Regn No. 22AABCM6288N5ZY
Phone: 0771-6621000, Fax: 0771-2583794
Website: www.csidc.in, Email address:csidc.cg@nic.in, csidc_raipur@yahoo.com

NOTICE INVITING TENDER (2nd Call)
(e-Procurement Portal)

NIT No. 09/CSIDC/E.E./Div-IV/2026-27/System No. 192363 **Raipur, Dated 03/06/2026**

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Ltd., Raipur (CSIDC), a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State invites online tender in "Form-B" (Item Rate Basis) for the following works:-

S. No.	Name of Work	Registered Contractor in CGPWD or in appropriate class in other dep't.	Time allowed including rainy season	P.A.C (INR Lac)	EMD (INR Rs.)	Cost of Tender Doc. (INR) including GST 18%
1	Sprinkling of Water through tractor Water Tanker for Air Quality improvement at Industrial Area Borai Distt. Durg (C.G.) complete for 1 year from the date of work order.	D & Above	12 Months i/c Rainy Season	50.65 Lacs	38,000/-	3540/-

The tender document containing detailed terms & conditions, scope of work and other details can be downloaded from the web portal (website) https://eproc.cgstate.gov.in from 03/06/2026 and Time 17:01 and shall be submitted online only. Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

NOTE:- The interested tenderers for online submission of tender may contact CG eProc Helpdesk. Operated by Mjunction Services Limited., they may reach Helpdesk using 18002582502 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk.eproc@cgswan.gov.in.

Executive Engineer
Division-IV

S.- 48023 **कार्यालय एवं दुकान हेतु स्थान उपलब्ध, वेबसाईट देखें www.csidc.in**

छत्तीसगढ़ संवाद (जनसंपर्क संचालनालय की सहयोगी संस्था)
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)
वेबसाइट - http://samvad.cg.nic.in/ फोन नं. 0771-2512580, 81

क्रमांक- 792/छ.ग.सं./क्षे.प्र/2026 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 04/06/2026

यूनीपोल के माध्यम से प्रचार-प्रसार हेतु योग्य फर्मों के इम्पैनलमेंट के लिए रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण सूचना

छत्तीसगढ़ संवाद (जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था) द्वारा रायपुर तथा नवा रायपुर अटल नगर निवेश क्षेत्र, छत्तीसगढ़ के सभी जिला मुख्यालयों एवं प्रमुख शहरों एवं सभी विकासखण्ड, पंचायतों एवं प्रमुख जगहों में यूनीपोल के माध्यम से राज्य शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मिले व योजनाओं/उपलब्धियों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पूर्व में इम्पैनल्ड फर्मों के अतिरिक्त निविदा के अनुमोदित दर पर इस कार्य में रूचि रखने वाले अन्य फर्मों के इम्पैनलमेंट हेतु रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

रुचि के अभिव्यक्ति के नियम शर्तों का अवलोकन छत्तीसगढ़ संवाद की वेबसाईट http://samvad.cg.nic.in पर किया जा सकता है। प्रारूप एवं नियम शर्तों में संशोधन होने पर संशोधन की सूचना उक्त वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी, पृथक से समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशन नहीं की जाएगी। रुचि की अभिव्यक्ति हेतु प्रपत्र ऑफलाईन बंद लिफाफा में जमा करने की अंतिम तिथियां निम्नानुसार है :-

प्रपत्र का शुल्क	रूपये 2,360/- (जीएसटी सहित) वापसी योग्य नहीं)
अमानत राशि	रूपये 5,00,000/- (बिना ब्याज के वापसी योग्य)
रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 06/07/2026 समय 2:00 बजे अपरान्ह तक
रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 06/07/2026 समय 3:00 बजे अपरान्ह तक
रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव प्रपत्र खोलने की तिथि	दिनांक 06/07/2026 समय 4:00 बजे सायं से

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
छत्तीसगढ़ संवाद
नवा रायपुर अटल नगर

संवाद-48019

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मुंगेली, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्र/291/न.पा./रा.वि./ 2026-27 मुंगेली, दिनांक 04/06/2026

// द्वितीय खुली बोली नीलामी सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद मुंगेली के स्वामित्व की शिवाजी वार्ड क्रमांक 08, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम के समीप नवनिर्मित दुकानों में से प्रथम नीलामी के पश्चात शेष रह गई 11 नग दुकानों (प्रत्येक दुकान की साइज 10×10 वर्गफुट) को **'छत्तीसगढ़ नगर पालिका अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 1996'** के प्रावधानों के अंतर्गत मासिक किराये पर आबंटन हेतु "खुली बोली (नीलामी)" की जानी है। इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएं निर्धारित अमानत राशि का FDR एवं आवेदन पत्र जमा कर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

स.क्र.	दुकान क्रमांक	वर्ग, जिसके लिये आरक्षित	ऑफसेट प्राइज (शासकीय दर)	अमानत राशि (FDR)	मासिक किराया
1	01	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
2	02	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
3	03	अनुसूचित जाति	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
4	04	महिला	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
5	05	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
6	07	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
7	08	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
8	09	अनारक्षित	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
9	10	अन्य पिछड़ा वर्ग	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
10	11	अनुसूचित जाति	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.
11	12	अन्य पिछड़ा वर्ग	11,44,000/-रु.	1,14,400/-रु.	1,907/-रु.

नीलामी की शर्ते एवं महत्वपूर्ण तिथियां-:

1. आवेदन एवं अमानत राशि जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक 23/06/2026 सायं 05:00 बजे, निर्धारित तिथि एवं समय पश्चात आवेदन स्वीकार नही किया जाएगा। 2. नीलामी का स्थल, तिथि एवं समय: नगर पालिका परिषद् मुंगेली के सभाकक्ष में दिनांक 24/06/2026 को प्रात: 11:00 बजे से। 3. अमानत राशि : प्रत्येक दुकान हेतु पृथक-पृथक अमानत राशि (FDR के रूप में) जमा करना अनिवार्य है। FDR मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुंगेली के नाम पर देय (Payable) होना चाहिए। 4. बोलीदाता को आवेदन के साथ निवास प्रमाण पत्र, आरक्षित वर्ग के दुकान हेतु सक्षम प्राधिकारी (तहसीलदार) द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, शिक्षित बेरोजगारी वर्ग हेतु रोजगार कार्यालय से जीवित पंजीयन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, अदेय प्रमाण पत्र एवं स्व-हस्ताक्षरित नियम एवं शर्ते संलग्न करना अनिवार्य होगा। 5. दुकानें जिस वर्ग के लिए आरक्षित हैं, उसी वर्ग के व्यक्ति ही बोली में पात्र होंगे, अनारक्षित वर्ग की दुकानों हेतु कोई भी भारतीय नागरिक भाग ले सकता है। 6. सक्षम अधिकारी को बिना कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को निरस्त या स्थगित करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा। 7. विस्तृत नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में नगर पालिका कार्यालय के राजस्व शाखा में देखी जा सकती हैं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मुंगेली, जिला - मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 340/निर्माण/2026 दिनांक 02.06.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	श्री मेडिको से दादर नाला पुलिया (हनुमान मंदिर) तक बिटुमेन सड़क निर्माण कार्य। (सी.एस.आर. मद) (द्वितीय निविदा)	84.56	10.06.2026 (T.No. 192254)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system) for the following work:-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract
10/SE E/M/(II Call) System Tender No. 192401 Registered contractor class in "D" & above For Form B (Item Rate Basis)	SHIFTING & HEIGHT RAISING OF LT/11KV/33KV OVERHEAD LINE INCLUDING TRANSFORMER & DP FOR SUKHARI-JHINKA-ROAD WIDENING WORK OF DIWANBHEDI ROAD FROM KM 1/2 To Км 5/2 (4.20 км), DISTRICT RAJNANDGAON (C.G.)	Rs 23.89 Lacs
18/SE E/M/2025 (II Call) System Tender No. 192390 Registered contractor class in "D" & above For Form B (ITEM Rate Basis)	Shifting of 4 Pole Structure, Transformer, 11 KV Line & LT Line due to road widening work Route from New Mela Garound Rajim (Choubebandha) to Laxman Jhula District Gariyaband under P.W.D. (E/M) Sub-Division Gariyaband	Rs 30.58 Lacs
19/SE E/M/2025 (II Call) System Tender No. 192394 Registered contractor class in "D" & above For Form B (ITEM Rate Basis	Shifting of 33 KV line, 4 Pole Structure, Transformer, 11 KV Line & LT Line due to road widening work Route from Rajim-Choubebandha-Nawagaon District Gariyaband under P.W.D. (E/M) Sub-Division Gariyaband	Rs 17.15 Lacs
107/SE E/M/2025 (IIICall) System Tender No. 192385 Registered contractor class in "C" & above For Form A (Percantage rate)	SUPPLYING INSTALLATION TESTING AND COMMISSIONING OF NEW DUCTABLE TYPE A.C. AT POLICE HEADQUARTER BUILDING, SECTOR 19, NAWA RAIPUR, ATAL NAGAR, C.G. (DEPOSIT WORK)	Rs 133.19 Lacs

Date of bid submission 18-06-2026

The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in. Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

G- 262701207/9

कार्यालय अस्पताल अधीक्षक
डी. के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्युट एवं रिसर्च सेन्टर
डी. के.एस. भवन रायपुर (छ.ग.)
Email-dkspgi@gmail.com Ph-07714061619

// नोटशीट //

// सूचना //

दाऊ कल्याण सिंह स्नातकोत्तर संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, रायपुर (छ.ग.) में सहायक प्राध्यापक सीनियर रेसीडेंट एवं जूनियर रेसीडेंट के रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति हेतु वॉक-इन-इन्टरव्यूह अधीक्षक कार्यालय में दिनांक 15/06/2026 दिन सोमवार को 12:30 बजे आयोजित किया जा रहा है। रिक्त पदों की जानकारी निम्नानुसार है-

क्र.	पदनाम	योग्यता	विभाग	कुल रिक्त पद
1.	सहायक प्राध्यापक	NMC के मापदण्डों के अनुसार	एंडोक्राइनोलॉजी.. न्यूरोलॉजी विभाग, गैस्ट्रोसर्जरी विभाग, एनेस्थिसिया विभाग	04
2.	सीनियर रेसीडेंट	NMC के मापदण्डों के अनुसार	गैस्ट्रो सर्जरी विभाग, यूरोलॉजी विभाग, एनेस्थिसिया विभाग	03
3.	जुनियर रेसीडेंट	NMC के मापदण्डों के अनुसार	गैस्ट्रो सर्जरी विभाग, यूरोलॉजी विभाग, न्यूरो सर्जरी विभाग, इमरजेंसी विभाग, पिडियाट्रिक सर्जरी विभाग, नेफ्रोलॉजी विभाग	17
			कुल	24

नोट :- 1. संविदा भर्ती में शासन द्वारा जारी आरक्षण नियमों का पालन किया जावेगा। 2.विस्तृत जानकारी डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेन्टर, रायपुर के वेब साइड www.dkspgi.in पर उपलब्ध हैं।

अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज
डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्युट
एवं रिसर्च सेंटर, रायपुर (छ.ग.)

जी. 262701188/2

कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Email. ID-ddvsambi.cg@nic.in Phone No. 07774-240877

क्र. 462/ डी.एम.एफ. /स्थापना/संविदा नियुक्ति/2026-27 **संविदा (अस्थाई) भर्ती हेतु विज्ञापन** सरगुजा, दिनांक 02.06.2026

जिला सरगुजा (छ.ग.) अंतर्गत विभागीय पशु चिकित्सा संस्थाओं में पशु चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में स्थानीय व्यवस्था के तहत जिला प्रशासन के डी0एम0एफ0 मद से सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारीयों के पदों पर संविदा नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यार्थियों से निर्धारित प्रारुप में आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। जिसके लिए इक्छुक पात्र उम्मीदवार कार्यालय उप-संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, जिला सरगुजा (छ0ग0) में दिनांक 8/06/2026 से दिनांक 23/06/2026 तक प्रात: 11:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक संबंधित पद के विरुद्ध भर्ती हेतु आवश्यक दस्तावेजों के साथ एक प्रति स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र निर्धारित समय में सीधे अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से प्रस्तुत करे | विज्ञापन आवेदन पत्र प्रारूप के साथ जिले की NIC की वेबसाईट surguja.gov.in पर अपलोड किया गया है एवम् कार्यालय उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाये अंबिकापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.), समस्त विकासखंड स्तरीय पशु चिकित्सालयों एवम कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, समस्त जनपद पंचायत जिला - सरगुजा के सूचना पटल पर विज्ञापन एवम आवेदन पत्र का प्रारूप चस्पा की गयी है। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात आवेदन स्वीकार नही किये जायेंगे | संविदा पदों की भर्ती हेतु आवेदनो की जांच पश्चात प्राविण्य सूची अनुसार अभ्यर्थियों को साक्षात्कार/मूल दस्तावेज सत्यापन हेतु आमंत्रित किये जायेंगे।

संविदा भर्ती हेतु पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	पदनाम	स्वीकृत पदों कि संख्या	अ.ज.जा.				अ.जा.				अ.पि.व.				अनारक्षित				कुल योग
			मुक्त	महिला	भू.सै.	विकलांग	मुक्त	महिला	भू.सै.	विकलांग	मुक्त	महिला	भू.सै.	विकलांग	मुक्त	महिला	भू.सै.	विकलांग	
1	स.प.चि.क्षे.अ.	15	06	02	-	-	1	-	-	-	2	-	-	-	3	1	-	-	15

नोट:- 1. विभागीय नियमानुसार प्रचलित आरक्षण नियम लागू होगा। 2. प्रावधानानुसार महिला प्रवर्गवार एवं समस्तरीय आरक्षण लागू होगा। 3. सामान्य प्रशासन विभाग छ.ग. शासन के आदेश क्र. एफ 13-19/2012/आ.प्र. / 1-3 नया रायपुर दिनाँक 20.02.2014 के अनुसार विशेष पिछड़ी जनजातिओं (PVTGs) हेतु आरक्षण नियम लागू होगें।

उपसंचालक
पशु चिकित्सा सेवायें, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

जी-262701185/2

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
विभागाध्यक्ष भवन, ब्लाक-3, तृतीय/चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर
Phone: 0771-2221376, www.cgdteraipur.cgstate.gov.in, Email-cgdtecounselling@gmail.com

सत्र 2026-27 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की सूचना ::

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन कॉउंसिलिंग द्वारा होगा। इस हेतु अभ्यर्थी का वेब साइट https://dte.cg.gov.in/#/एवं https://cgdte.admissions.nic.in/ पर उपलब्ध कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग, की अधिसूचना क्रमांक/एफ-9-5/2023/तक.शि./42 अटल नगर, दिनांक 11 मई 2023 में प्रकाशित निम्न प्रवेश नियम के अनुसार अर्हता होना अनिवार्य है। **1. छत्तीसगढ़ की पॉलीटेक्निक संस्थाओं के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश नियम-2023** ऑनलाइन कॉउंसिलिंग की प्रवेश प्रक्रिया का अवलोकन भी उपरोक्त वेब साइट के माध्यम से किया जा सकता है, तत्संबंधी तिथियों निम्नानुसार है।

	प्रथम चरण हेतु तिथियाँ					द्वितीय चरण हेतु तिथियाँ					संस्था स्तर हेतु तिथियाँ		
पाठ्यक्रम	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	दावा आपत्ति	आबंटन रिजल्ट (Allotment Result)	प्रवेश (Admission)	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	दावा आपत्ति	आबंटन रिजल्ट (Allotment Result)	प्रवेश (Admission)	पंजीयन (Registration)	मेरिट जारी	प्रवेश (Admission)
1.Diploma Engg.& Arch, 2.CDDM/ID, 3.MOM/HMCT, 4.Diploma Lateral	11th June 2026 10:00AM से 15th June 2026 11:59PM तक	16th June 2026 05:00 PM बजे	17th June 2026 11:59 PM तक	19th June 2026 05:00 PM बजे	20th June 2026 10:00 AM से 24th June 2026 05:30 PM तक	26th June 2026 10:00 AM से 30th June 2026 11:59 PM तक	01 st July 2026 05:00 PM तक	02nd July 2026 11:59 PM तक	03rd July 2026 05:00 PM बजे	04th July 2026 10:00 AM से 09th July 2026 05:30 PM तक	11th July 2026 10:00AM से 16th July 2026 11:59PM तक	17th July 2026 05:00 PM बजे	1- मेरिट सूची के अनुसार संस्था स्तर पर आबंटन हेतु अवसर लेने के लिए अभ्यर्थी को संबंधित संस्था में 18th July 2026 प्रात: 10:00AM उपस्थित होना अनिवार्य होगा। 2-संस्था द्वारा आबंटित सीटों पर प्रवेश लेने की कार्यवाही 18th July 2026 01:00PM से 21st July 2026 01:00PM तक की जाएगी। 3-यदि संस्था में सीटें रिक्त रहती हैं तो 21st July 2026 अपराह्न 01:30PM बजे से 22nd July 2026 अपराह्न 05:30PM बजे तक निम्नलिखित सभी अभ्यर्थीयों को मेरिट सूची के अनुसार अवसर प्रदान किया जाएगा - जो दिनांक 18th July 2026 को (क) उपस्थित नहीं हो पाए (अनुपस्थित)। (ख) उपस्थित हुए लेकिन उन्हें आबंटन नहीं मिला। (ग) सीट आवंटित/प्रवेशित है परंतु वे अपने उच्च वरीयता (Higher Preference) विषय/विकल्प का चयन करना चाहते हैं।

सामान्य निर्देश:- 1. प्रथम चरण की कॉउंसिलिंग के उपरांत पर्याप्त सीटें रिक्त रहने की स्थिति में ही द्वितीय एवं तृतीय चरणों की कॉउंसिलिंग करायी जायेगी तथा प्रत्येक चरण को अपने आप में एक पूर्ण काउंसलिंग प्रक्रिया माना जाएगा। 2. काउंसिलिंग में किया गया सीट का आबंटन प्राविधिक होगा। काउंसिलिंग में संस्था एवं पाठ्यक्रम के आबंटन के पश्चात अभ्यर्थी को प्रवेष हेतु संबंधित संस्था में जाकर अपने मूल दस्तावेजों का परीक्षण एवं सत्यापन कराना होगा। मूल दस्तावेजों के सत्यापन के पश्चात ही प्रवेश दिया जावेगा। सत्यापन उपरांत स्थानांतरण प्रमाण पत्र / चरित्र प्रमाण पत्र एवं माइग्रेसन प्रमाण पत्र को छोड़ कर संस्थाए अभ्यर्थी का मूल दस्तावेजों वापस करेंगे। 3. एक पाठ्यक्रम हेतु एक अभ्यर्थी से संबंधित मात्र एक ही ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किया जाएगा। यदि किसी भी कारणवश कोई अभ्यर्थी अपना आवेदन नहीं भर पा रहा है। तो वह अभ्यर्थी सुविधा केन्द्रों में अपने समस्त मूल दस्तावेज एवं फोटो युक्त पहचान पत्र ले जाकर अपनी समस्या का निदान कर सकता है। 4. कॉउंसिलिंग के प्रत्येक चरण हेतु अभ्यर्थी को पृथक से आवेदन करना होगा, 5. द्वितीय चरण के काउंसलिंग में भाग लेने (रजिस्ट्रेशन करने) पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रथम चरण प्रवेश में लिया हुआ है, तो उनका प्रथम चरण का प्रवेश स्वत: निरस्त हो जायेगा 6. संस्था स्तर की काउंसिलिंग में, अभ्यर्थी को किसी एक संस्था हेतु ही अपने विकल्प चयन करने की छूट होगी। अभ्यर्थी जिस संस्था का चयन कर रहा है, उस संस्था में उपलब्ध अधिक से अधिक विषय चयन कर सकता है। अभ्यर्थी जिन विषयों के लिए विकल्प भरेंगे, उन्ही विकल्प हेतु आवंटन किये जानें के लिए विचार किया जा सकेगा। 7. संस्था स्तर की काउंसिलिंग हेतु आवेदन करने पर, यदि अभ्यर्थी द्वारा किसी संस्था में प्रवेश लिया हुआ है, तो वह तब तक निरस्त नहीं होगा, जब तक की अभ्यर्थी संस्था स्तर की काउंसिलिंग में प्रवेश नहीं लेगा। 8. रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिन भी अभ्यर्थी सुविधा केन्द्र एवं प्रवेश हेतु संस्थाएं खुली रहेंगी। 9. ऑनलाइन कॉउंसिलिंग से संबंधित जानकारी/ दावा आपत्ति हेतु नियंत्रण कक्ष, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, कक्ष क्रमांक-03, ब्लॉक-3, चतुर्थ तल, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर, अटल नगर में उपस्थित होकर अथवा दुभाष क्रमांक 0771-2221376 पर कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है या cgdtecounselling@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

अतिरिक्त संचालक, तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़

जी. 262701195/2

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की किस्त

हरिभूमि न्यूज़: रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महतारी वंदन योजना की 28वीं किस्त जारी करते हुए प्रदेश की 68 लाख 54 हजार महिलाओं के बैंक खातों में 642 करोड़ 27 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी भी समाज और राज्य की प्रगति तब तक पूर्ण नहीं हो सकती, जब तक महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से सम्मानित न किया जाए। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, यह योजना प्रदेश की माताओं और बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का आधार बन रही है।

अब तक 18165 करोड़ से अधिक जारी

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 1 मार्च 2024 से प्रारंभ हुई महतारी वंदन योजना के अंतर्गत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। जून 2026 में जारी 28वीं किस्त के साथ ही योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश की महिलाओं को कुल 18 हजार 165 करोड़ 19 लाख रुपये से अधिक की सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है। यह राशि महिलाओं के जीवन में आर्थिक स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी सोच के अनुरूप सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर और नारायणपुर में संचालित नियद नेल्लानार अभियान के माध्यम से 7 हजार 770 नई महिलाओं को महतारी वंदन योजना से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, महतारी वंदन योजना आज केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली योजना नहीं रह गई है, बल्कि यह महिलाओं के सम्मान, विश्वास और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बन चुकी है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में
1	191740 द्वितीय आमंत्रण 27.05.2026	जिला कांकेर के सोढे से गट्टापारा मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. का पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य।	244.94
2	191741 द्वितीय आमंत्रण 27.05.2026	जिला कांकेर के आमाकोट से डुटापिपली मार्ग लंबाई 2.65 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	291.38
3	191684 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला जशपुर के कुम्हारबहार से कोनपारा मार्ग पर कोकिया नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	296.04
4	191807 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला जशपुर के ढेटेटांगर चोंगरीबहार मार्ग पर ईब नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1104.12
5	191679 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला बस्तर के डिमरापाल स्थित मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में (G+3) लेक्चर हॉल एवं परीक्षा हॉल का निर्माण कार्य, जमा मद।	626.37
6	191854 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला कवर्धा वि.ख. कवर्धा के जेवड़नकला से कैलाश नगर मार्ग लंबाई 3.40 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.60 कि.मी.) का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	532.07
7	191858 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला धमतरी के उपसंभाग कुरूद अंतर्गत नारी बायपास मार्ग लंबाई 2.15 किमी. (2 लेन) निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	701.13
8	191838 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	विचारपुर से धोबघट्टी तक पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. एवं डी 1 नहर से धोबघट्टी होते हुए लालपुर कला तक मार्ग लंबाई 3.30 कि.मी. कुल लंबाई 5.30 कि.मी. का निर्माण कार्य।	713.08
9	191903 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला बेमेतरा के भेंडनी सिंघौरी सल्धा मार्ग लंबाई 6.920 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	824.54
10	191841 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	जिला दुर्ग के चन्दूलाल चन्द्राकर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय भवन से जुनवानी कोहका कुरूद मुख्य मार्ग तक लंबाई 2.50 कि.मी. का पुल पुलिया सहित चौडीकरण एवं उन्नयन का कार्य।	630.92
11	191857 द्वितीय आमंत्रण 29.05.2026	जिला कांकेर के कोटनखोड से नीचेकामता मार्ग लंबाई 1.80 कि.मी. का पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	201.71
12	191859 तृतीय आमंत्रण 29.05.2026	जिला बस्तर के चंदेला धर्माबेड़ा से अमलीधारा मार्ग के कि.मी. 1/3 भंवरडीह नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1274.95
13	191860 द्वितीय आमंत्रण 29.05.2026	जिला दुर्ग के भिलाई से तर्रा मुख्य जिला मार्ग लंबाई 15.00 कि.मी. का पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य।	777.20
14	191861 द्वितीय आमंत्रण 29.05.2026	जिला रायपुर के एक्सप्रेस वे के रेल्वे स्टेशन से शदाणी दरबार तक मार्ग लंबाई 12.10 कि.मी. डामर नवीनीकरण कार्य।	1442.75
15	191986 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	महापल्ली में बहुउद्देशी स्पोर्ट्स स्टेडियम भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	459.39
16	191990 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	चरखापारा ससकोबा बंधनपुर मार्ग लंबाई 28.80 कि.मी. का उन्नयन का कार्य।	3362.68
17	191987 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	पुसौर में बहुउद्देशी स्पोर्ट्स स्टेडियम भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य ।	459.39
18	191988 प्रथम आमंत्रण 29.05.2026	पुसौर में शासकीय महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. एवं विद्युतीकरण सहित।	283.50

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 01 से सं.क्र. 02 दिनांक 15.06.2026, सं.क्र. 12 दिनांक 12.06.2026, सं.क्र. 11, सं.क्र. 13, सं.क्र 14 दिनांक 17.06.2026 सं.क्र 04 दिनांक 24.06.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 22.06.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
कैन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी. 262701191/6

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

www.cghb.gov.in

आवासीय एवं व्यवसायिक भवन प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

सबके लिए आवास

www.cghb.gov.in → ONLINE BOOKING → BOOK PROPERTY ONLINE

बुकिंग की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026

कबीर हाईट्स, कबीर नगर फेस-3, जिला-रायपुर, सामान्य आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
1.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी.एच.के.)	477.42	386.82	17.96	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9424209026, 9827945949, 9406486774, 9827985143, 8358027617

नरदहा, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
2	एच. आई. जी. - I (स्वतंत्र भवन) (3 बी. एच. के.)	2517.84	1654.35	1129.80	74.12	7.41
3	एच. आई. जी. - II (स्वतंत्र भवन) (3 बी. एच. के.)	2041.71	1014.99	996.91	60.20	6.02

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

सेक्टर-01, शंकर नगर, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत ऑफिस हॉल एवं कार्यालय उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
4	ऑफिस हॉल नं. 116 प्रथम तल	363.15	60.00	6.00
5	स्टुडियो अपार्टमेंट (1 बी.एच.के.)नं. 204,217 द्वितीय तल	382.52	43.15	4.32
6.	ऑफिस हॉल नं. 212 द्वितीय तल	576.74	64.78	6.48
7.	कैफेटेरिया नं. 420 चतुर्थ तल	424.70	38.82	3.88
8.	कैफेटेरिया नं. 320 तृतीय तल	424.70	44.48	4.45

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

पिरदा, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
9	एम. आई. जी. फ्लैट एस+3 (2 बी. एच. के.)	792.47	786.02	25.42	2.54

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

खम्हारडीह, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
10.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	542.41	450.20	21.53	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

शंकर नगर सरहद फेस-II, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
11.	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	1139.05	942.25	831.21	75.90	7.59
12.	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	737.49	556.83	491.84	44.25	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

कचना फेस-I, रायपुर, में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
13.	एच. आई. जी. फ्लैट (3 बी.एच.के.)	1273.87	983.46	58.96	5.90
14.	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी.एच.के.)	1091.92	666.25	52.35	5.24
15.	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी.एच.के.)	-	349.48	11.43	0.25

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

नरदहा, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र / प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
16	एम. आई. जी. (स्वतंत्र 3 बी. एच. के.)	1119.04	1337.46	661.30	50.10	5.01
17	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	-	349.26	305.90	10.70	0.25

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

मुनगी फेस-II, रायपुर में निर्मित अटल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
18	अटल आवास (1 बी. एच. के.)	558.87	280.00	222.08	3.27 से 3.29	0.25

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

सेक्टर-04, सड्डू, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
19	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	672.18	531.11	28.43	2.84
20	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	794.73	531.11	33.58	3.36

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

सेक्टर-08, सड्डू, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत ऑफिस हॉल एवं दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	हॉल एवं दुकान का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
21	ऑफिस हॉल	1123.88	1048.45	83.70	8.37
22	दुकान	-	282.45	16.69	1.67

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

नरदहा, रायपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
23	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 2 बी. एच. के.)	903.84	633.76	490.00	17.77	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

मुनगी, रायपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
24	एल. आई. जी. (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	899.75	428.57	359.60	9.98	0.50

सम्पर्क सूत्र - 0771-4903223, 9424209041, 7898710154, 9907840881, 9993339779, 8269069091

सेजबहार, फेस-II, रायपुर में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन/दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
25	एम. आई. जी. फ्लैट (2 बी.एच.के.)	745.56 से 1130.02	607.83 से 899.43	25.52 से 37.54	2.55 से 3.75
26	दुकान	95.12 से 157.31	89.52 से 141.17	15.61 से 25.71	1.56 से 2.57

सम्पर्क सूत्र - 8817637003, 8817282979, 8770956881, 9926752769, 9753266721, 9424209043

बोरियाकला में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
27.	दुकान	138.05 से 177.54	138.05 से 177.54	138.05 से 177.54	10.32 से 13.22	1.03 से 1.32

सम्पर्क सूत्र-8817637003, 8889229851, 9754765020, 7489338740, 8817282979, 9617534299, 9907449881, 9926752769, 9753266721

सेक्टर-29, नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
28	एच. आई. जी. फ्लैट, प्रथम तल (3 बी.एच.के.)	1154.33	786.02	52.72	5.27
29	एम. आई. जी. फ्लैट, मीड तल (2 बी.एच.के.)	810.23	517.77	35.40	3.54
30	एम. आई. जी.- I फ्लैट, मीड तल (1 बी.एच.के.)	534.77	346.02	19.73 से 19.88	1.97 से 1.99

सम्पर्क सूत्र - 9340036657, 7697777082, 9827158516, 9753672119, 9424230975, 9669928327, 7999815734

सेक्टर-29, नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत दुकान उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	दुकानों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
31	दुकान (तृतीय तल)	172.16 से 1166.06	154.94 से 1049.45	22.44 से 151.62	2.24 से 15.16

सम्पर्क सूत्र - 9340036657, 7697777082, 9827158516, 8319212181, 9424230975, 9479219397

कुरुद भिलाई में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
32	कोर हाऊस (1 बी. एच. के.)	348.62 से 387.36	132.35	114.49	4.31 से 5.11	0.43 से 0.51

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9827927780, 8770579721, 9827999119, 9424284256

तालपुरी, ब्लॉक सी में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
33	सैफ्रन 3 बी.एच.के., एच. आई. जी. प्रकोष्ठ भवन	1661.18	1351.13	57.20	5.72
34	लैवंडर 2 बी.एच.के., एच. आई. जी.-II प्रकोष्ठ भवन	1307.45	1012.08	52.82	5.28
35	मेरीगोल्ड 1 बी.एच.के., ई. डब्ल्यू. एस., प्रकोष्ठ भवन	366.38	322.58	9.91	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9827927780, 9827999119, 9424284256

तालपुरी ब्लॉक-बी, दुर्ग में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन/हॉल उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	सुपर बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
36	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-ए जी+3(2 बी.एच.के.)	1065.35	991.64	748.47	31.57 से 31.97	3.16 से 3.20
37	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-बी जी+3(2 बी.एच.के.)	1004.45	930.74	814.64	29.63 से 30.03	2.96 से 3.00
38	सिनि.एम.आई.जी. फ्लैट टाईप-सी जी+3(2 बी.एच.के.)	943.11	869.41	796.78	27.68 से 28.08	2.77 से 2.81
39	जूनि.एम.आई.जी. फ्लैट पी+6 (2 बी.एच.के.)	887.70	785.48	663.35	26.22 से 26.97	2.62 से 2.70
40	हॉल	-	434.27	387.36	29.43	2.94
41	हॉल	-	296.33	268.46	20.15	2.02
42	हॉल	-	359.81	318.07	24.42	2.44

सम्पर्क सूत्र - 8815450183, 9827927780, 8770579721, 8827267365, 9827999119, 9424284256

कन्हारपुरी, जिला-धमतरी में निर्मित अटल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
43	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी.एच.के.)	550.37	279.97	191.96	3.77 से 3.81	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8827667477, 9200192752, 7771805020, 9907749771, 7566633725, 7974333853

कौरिनभाठा में प्रस्तावित दीनदयाल आवास योजना (ग्रुप-09, 10) अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
44	एल. आई. जी. फ्लैट (जी+3) (2 बी. एच. के.)	598.90	472.58	11.20 से 11.80	0.50

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

मनकी (द्वितीय चरण), जिला-राजनांदगांव में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
45	एल. आई. जी. (स्वतंत्र) (1 बी. एच. के.)	899.75	430.00	311.51	8.82	0.50

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

कौरिनभाठा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना (ग्रुप-05, 07 एवं 08) अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
46	एल. आई. जी. फ्लैट (जी+3) (2 बी. एच. के.)	487.00	357.50	9.45 से 12.20	0.50

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

पेण्ड्री, जिला-राजनांदगांव में निर्मित अटल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
47	अटल आवास (1 बी. एच. के.)	552.63	279.76	272.87	3.46	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

चौथना, जिला-राजनांदगांव में निर्मित अटल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
48	अटल आवास (1 बी. एच. के.)	552.63	279.76	272.87	3.46	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

मोहारा, जिला-राजनांदगांव में निर्मित अटल आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखण्ड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
49	अटल आवास (1 बी. एच. के.)	552.63	279.76	272.87	2.92	0.25

सम्पर्क सूत्र - 8319896556, 9827175003, 7647835037, 8319335305

कराठी भानुप्रतापपुर में निर्माणाधीन अटल आवास योजना फेस-2 अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भवन का बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
50	ई. डब्ल्यू. एस. (स्वतंत्र 1 बी. एच. के.)	560.00	354.64	291.16	6.75	0.25

सम्पर्क सूत्र - 07786-16919471, 8109135551, 7697192220, 8319110750, 9399584208

देवरीखुर्द फेस-II, बिलासपुर में निर्माणाधीन सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट क्षेत्र. (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
51	ई. डब्ल्यू. एस. (1 बी. एच. के.)	538.00	341.09	255.42	11.48	0.25

सम्पर्क सूत्र - 7587231214, 8103002219, 9993361859, 7000508808, 8103618401, 8269571504

खमतराई, जिला-बिलासपुर में सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्लॉट उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भूखण्ड का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	भूखण्ड का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
52	एच. आई. जी. प्लॉट	2538.47	60.25	6.02

सम्पर्क सूत्र - 7587231214, 8103002219, 9993361859, 7000508808, 8103618401, 8269571504

180 खरमोरा, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
53	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	390.00	6.00 से 7.50	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

168 बरबसपुर, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
54	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	390.00	5.15 से 5.50	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

168 खरमोरा, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
55	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	390.00	7.49	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

192, खरमोरा, कोरबा में निर्मित दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
56	एल. आई. जी. फ्लैट (2 बी. एच. के.)	477.00	390.00	12.71	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

84, ई. डब्ल्यू.एस. खरमोरा, कोरबा में निर्मित सामान्य आवास योजना अंतर्गत प्रकोष्ठ भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
57	ई. डब्ल्यू. एस. फ्लैट (1 बी. एच. के.)	374.00	275.00	5.50 से 6.50	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

बांधामुड़ा, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
58	एच. आई. जी. (स्वतंत्र) (2 बी.एच.के.)	2324.16	1473.15	1073.41	36.31	3.63
59	एल. आई. जी. (स्वतंत्र) (1 बी.एच.के.)	968.40	576.31	440.94	14.81	0.50

सम्पर्क सूत्र - 9907285405, 9907953522, 9630271503

गोढ़ी तमनार, जिला-रायगढ़ में प्रस्तावित सामान्य आवास योजना के अंतर्गत स्वतंत्र भवन उपलब्ध

स. क्रं.	उपलब्ध भवनों का प्रकार	भूखंड का क्षेत्रफल (वर्गफीट में)	बिल्टप एरिया (वर्गफीट में)	कार्पेट एरिया (वर्गफीट में)	भवनों का ऑफसेट मूल्य(रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. लाख में)
60	एल. आई. जी. (स्वतंत्र) (1 बी.एच.के.)	900.00	489.25	393.82	13.10	0.50
61	ई. डब्ल्यू. एस. (स्वतंत्र) (1 बी.एच.के.)	538.00	367.45	315.05	7.66	0.25

सम्पर्क सूत्र - 9826155222, 8349236080, 6263833066, 91793032800

नियम एवं शर्तें : 1. धरोहर राशि ऑनलाईन पेमेंट गेटवे के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यू.पी.आई., आर.टी.जी.एस. एन.ई.एफ.टी. द्वारा जमा किया जा सकता है। 2. स. क. 1, 23 से 26, 33 से 42, 44, 50, 51, 58 से 61 तक के भवनों/दुकान/हॉल का आबंटन स्ववित्तीय ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 3. स. क. 2 से 22, 27 से 32, 43, 45 से 49, 52 से 57 के भवनों/भूखण्ड/ऑफिस हॉल का आबंटन "जहाँ है जैसा है" की स्थिति में ऑफर आधार पर ऑनलाईन के माध्यम से किया जाएगा। 4. ऑफसेट मूल्य से अधिक ऑफर प्रत्येक 15 दिवस में प्राप्त किया जाएगा जिन हितग्राहियों द्वारा भुगतान हेतु चालान के माध्यम से आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी. का विकल्प चयन किया जाएगा, उन्हे एक अतिरिक्त बैंकिंग कार्य दिवस भुगतान हेतु प्रदान किया जाएगा। तदुपरांत आगामी कार्य दिवस में ऑफर खोला जाएगा। अवकाश होने की स्थिति में ऑफर अगले कार्य दिवस में खोला जाएगा। 5. ऑनलाईन ऑफर आवेदन केवल मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है। 6. उपरोक्त भवनों के दर्शित मूल्य स्टैंडर्ड है, बैटर लोकेशन, कार्नर तथा अतिरिक्त भूखण्ड की स्थिति में मूल्य नियमानुसार अधिक होंगे, भवनों के वास्तविक मूल्य बुकिंग पोर्टल से देखे जा सकते है। 7. अन्य नियम एवं शर्तें आवेदन पत्र में उल्लेख अनुसार मान्य होगा। 8. अधिक जानकारी हेतु संबंधित संपदा अधिकारी/कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र कार्यालय में सम्पर्क करें या विजीट करें मण्डल की वेबसाईट : www.cghb.gov.in

टोल फ्री नंबर 1800 121 6313
अधिक जानकारी के लिए विजीट करें
www.cghb.gov.in

"हितग्राहियों की संतुष्टि...हमारा उद्देश्य"

सबके घर की आस, सबके लिए आवास, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल पर सबका विश्वास

अधिक जानकारी के लिये स्कैन करें

प्रथम पृष्ठ का शेष

देवताओं के नाम ....

हाथ जोड़कर प्रकृति से अनुमति ली जाती है। यदि कभी...बहुत जरूरी होने पर महुआ या सेमर जैसे पेड़ों को काटना भी पड़े, तो कुल्हाड़ी चलाने से पहले पेड़ की सात बार परिक्रमा की जाती है और अनजाने में हुए नुकसान के लिए प्रकृति से बाकायदा क्षमा मांगी जाती है। केवल पेड़ ही नहीं, यह समाज जल को ही जीवन का परम सत्य मानता है। यही वजह है कि आज भी इस समाज में कई परिवार अग्नि के बजाय बहते हुए जल, नदी या नालों को साक्षी मानकर विवाह की रस्में पूरी करते हैं।

पतालकोट का देववन....

प्रतीक मानते हैं तथा इनके संरक्षण को सामाजिक और धार्मिक दायित्व समझते हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में वृक्षों की कटाई, भूमि की खुदाई अथवा किसी प्रकार का हस्तक्षेप निषिद्ध माना जाता है।

देववनों की छांव में सुरक्षित है जैव विविधता का खजाना-

पातालकोट की भारिया जनजाति के लिए प्रकृति संरक्षण जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। उनकी संस्कृति, परंपराएं और सामाजिक मान्यताएं उन्हें पूरे वर्ष जंगलों, पेड़ों और जैव विविधता की रक्षा की प्रेरणा देती हैं। वे वृक्षों को केवल वन संपदा नहीं, बल्कि देवतुल्य मानते हैं और अपना जीवन उनसे जुड़ा हुआ देखते हैं। यही कारण है कि उनके लिए किसी एक दिन का पर्यावरण दिवस नहीं, बल्कि वर्ष का प्रत्येक दिन प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को समर्पित होता है।

देववन की परम्परा ने संरक्षित रखा है जंगल-

देववन की परंपरा ने पातालकोट के जंगलों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारिया जनजाति का यह पारंपरिक ज्ञान केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव के सह-अस्तित्व की एक सशक्त अवधारणा को भी दर्शाता है। आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन और वन क्षरण के दौर में यह परंपरा बताती है कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सांस्कृतिक मान्यताएँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण कितनी प्रभावी हो सकती हैं। पातालकोट के देववन आज भी इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि जब जंगलों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और पूर्वजों की धरोहर के रूप में देखा जाता है, तब उनका संरक्षण स्वतः सुनिश्चित हो जाता है। यही कारण है कि भारिया जनजाति की यह अनूठी परंपरा न केवल पातालकोट की पहचान है, बल्कि प्रकृति संरक्षण का एक प्रेरणादायी मॉडल भी है।

84 गांवों का ...

कर्तव्य नहीं, बल्कि अपना मूल धर्म मानते हैं।

न अदालत का ....

स्थापित किया है जहां सदियों से समाज के लोग अपनी पारंपरिक पूजा करते हैं। खास बात है कि अपने बूढ़ा देव एवं बूढ़ी दाई की पूजा के लिए सभी समुदाय के लोगों ने जंगल में अलग-अलग स्थानों पर अपने सरना स्थल बनाए हैं जहां परंपरानुसार देवों की पूजा होती है। मैदानी इलाकों में जहां सरई (साल) के जंगल नहीं है वहां समुदाय के लोग महुआ, साजा एवं सेमल के पेड़ों की छाया में सरना पूजा करते हैं। सरना पूजा को लेकर अलग-अलग मान्यताएं भी हैं। सरना पूजा में उरांव समाज की महिलाएं भी भागीदारी करती हैं। क्योंकि स्थल पर मातृ शक्ति की भी पूजा होती है जबकि गोंड़ समाज में सिर्फ पुरूष ही सरना स्थल पर बूढ़ा देव की पूजा करते हैं जबकि परिवार की मुखिया महिलाएं अपने घर में बूढ़ी दाई की परंपरागत पूजा करती हैं।

महुआ त्यौहार से शुभ कार्यों की शुरूआत-

शिक्षक देव सिंह करियाम बताते हैं कि महुआ के फूल आने पर गोंड़ समाज के लोग सरना स्थल पर महुआ त्यौहार मनाते हैं। यह गोंड़ समाज का प्रमुख त्यौहार है। इस त्यौहार में महुआ वृक्ष की पूजा करने की परंपरा है। समुदाय के लोग महुआ फूल को मातृ शक्ति का गर्भ मानते हैं। महुआ फूल परिपक्व होने के बाद स्वयं टपकता है इसे तोड़ा नहीं जाता। समुदाय के लोग महुए की डाल को भी नहीं तोड़ते । महुआ की लालरंग की छाल को मानव रक्त एवं दूध को मातृ शक्ति का प्रतीक माना जाता है। बैगा परंपरानुसार महादेव, तलवार, त्रिशूल एवं लोहे के गुरूद की पूजा करते हैं। चैत्र पूर्णिमा से महुआ त्यौहार प्रारंभ होता है तथा अक्षय तृतीया के दिन इस त्यौहार का समापन किया जाता है। इस त्यौहार को मनाने के साथ ही शादी-विवाह जैसे शुभ कार्यों को प्रारंभ किया जाता है। जहां महुआ के पेड़ नहीं हैं वहां आम वृक्ष की पूजा की जाती है। महुआ त्यौहार के दौरान सरना स्थल पर बलि देने की परंपरा है।

हर परिवार के अलग-अलग सरना स्थल-

आदिवासी परिवार सामूहिक सरना स्थल पर तो एक साथ पूजा करते ही हैं। समुदाय के लोगों ने अपने कुलदेव की पूजा के लिए अलग-अलग सरना स्थल बनाया है। इस तरह समुदाय के हर परिवार के अलग-अलग सरना स्थल हैं जहां परिवार के सदस्य परंपरानुसार पूजा करते हैं। समुदाय के कुल गोत्र का निर्धारण भी पेड़ों, वन्य जीवों एवं पक्षियों के नाम पर निर्धारित है। समुदाय के लोग अपने कुलगोत्र के अनुसार वृक्ष, वन्य जीव एवं पक्षी के संरक्षण की प्रतिज्ञा करते हैं तथा किसी भी हाल में इनको नुकसान नहीं पहुंचाते।

कठोरी पूजा से शुरू होती है खरीफ खेती-

आदिवासी समाज खरीफ खेती की तैयारियों के पूर्व सरना स्थल पर कठोरी पूजा करता है। इस पूजा के लिए आदिवासी समाज के हर परिवार थोड़ा सा धान बीज एवं चावल की रोटी लेकर पहुंचता है। देवों की पूजा उपरांत ग्रामीण सरना स्थल पर प्रतिकात्मक रूप से बारी-बारी से हल चलाते हैं। बैगा ग्रामीणों द्वारा लाए गए धान बीज को जोती गई धरती में बुनते हैं तथा गांव के पटेल घड़े की पानी से इसकी सिंचाई करते हैं। मान्यता है कि कठोरी पूजा के माध्यम से समुदाय के लोग धरती की पूजा कर अच्छी फसल होने की कामना करते हैं। गंगा दशहरा के दिन आदिवासी समाज के लोग जल स्रोत की सफाई करते हैं। इस दिन जल स्रोत। के किनारे भैंसासुर की पूजा करने के साथ ही उनका विवाह रचाया जाता है। गंगा दशहरा के दिन दसों दिशा के दिग्पालों की भी पूजा की जाती है।

मूल में प्रकृति पूजा-

आदिवासी समुदाय के लोग मूल रूप से प्रकृति के उपासक हैं तथा विभिन्न रूपों में प्रकृति की पूजा करते हैं। प्रकृति ही आदिवासी जनजीवन का आधार है। समुदाय के लोग अपने कुलगोत्र के अनुसार एक-एक प्रजाति के पेड़, वन्य जीवन एवं पक्षी का संरक्षण करते हैं।

डॉ अमृत मरावी,
संभागीय अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज

5 नगर पंचायतों में 3 ...

योजनाओं पर भी पड़ सकता है। चुनाव प्रचार के लिए भाजपा की ओर से डिप्टी सीएम अरुण साव और विजय शर्मा के अलावा संगठन के पदाधिकारी और विधायक जुटे थे। वहीं कांग्रेस की ओर से पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, डॉ. चरणदास महंत चुनाव प्रचार में जुटे थे। साथ ही विधायक और पूर्व विधायकों को अलग-अलग नगर पंचायतों में जिम्मेदारी दी गई थी।

पंचायतों में पंच सरपंच के चुनाव परिणाम जारी-

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में पंच के 1136 पदों में से 640 निर्विरोध निर्वाचित हुए। 107 पदों के लिए चुनाव हुए। सरपंच के 82 पद रिक्त थे। इनमें 15 निर्विरोध निर्वाचित हुए। 34 पदों के लिए चुनाव हुए। जनपद सदस्य 10 पद रिक्त थे, सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुए।

सरकार की जनहितकारी नीतियों पर जनता ने जताया विश्वास- साय -

तीन नगर पंचायत चुनाव में भाजपा ने जीत हासिल की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, सहसपुर लोहारा, बम्हनीडीह और शिवनंदनपुर नगर पंचायतों में भाजपा प्रत्याशियों की विजय प्रदेशवासियों के सुशासन, विकास और जनकल्याण के प्रति विश्वास का प्रतीक है। तीनों जगह भाजपा को मिले शानदार जनादेश के लिए उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा, यह परिणाम स्पष्ट संकेत है कि छत्तीसगढ़ की जनता विकास, सुशासन और जनकल्याण की राजनीति पर अपना विश्वास लगातार मजबूत कर रही है। भाजपा प्रत्याशियों की विजय जनता के विश्वास और हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा, यह जीत भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत, संगठन की शक्ति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही जनहितकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। जनता का यह विश्वास हमें और अधिक समर्पण, जवाबदेही और सेवा भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

शहरों और गांवों की जनता ने भाजपा को नकार दिया- कांग्रेस-

नगर निगमों तथा नगर पंचायतों एवं पंचायतों के उपचुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार रहा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, प्रदेश के शहरों और गांवों की जनता ने भाजपा को नकार दिया। पंचायतों के उपचुनाव के विभिन्न पदों पंचों, जनपदों में कांग्रेस के 543 समर्थित प्रतिनिधि चुनाव जीते है। जगदलपुर, बिलासपुर, कांकेर निगम के वार्डो में कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीते है। अंतागढ़ के वार्ड में कांग्रेस चुनाव जीती है। नगर पंचायतों 30 वार्डो में भी कांग्रेस के प्रत्याशी चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा, शिवनंदनपुर नगर पंचायत में अध्यक्ष का पद भले भाजपा जीती लेकिन 8 पार्षद कांग्रेस के जीत कर आये। कांग्रेस वहां भी चुनाव जीतकर आई। यह चुनाव परिणाम बताते है राज्य में अब भाजपा का अवसान शुरू हो गया है। जनता ने भाजपा के कुशासन को नकार दिया है।

कहां, किसे मिली...

भाजपा ने बाजी मारी-

पलारी में कांग्रेस के यानेश कुमार ने भाजपा के लखनलाल गुरुपंच को हराकर अध्यक्ष निर्वाचित हुए और पार्टी ने यहां 9 वार्डों में भी जीत का परचम लहराया

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी
दर-दाँत
गम पेंट
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप धुप जाए तो पुनः लगा दें।
HMS
शिव मस्सा नाशक

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-हाउस किपिंग स्टाफ, कुक, टीचर्स मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल करने के लिए इच्छुक लड़कियों, महिलाओं, लड़कों, पुरुषों की तुरन्त आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 70244 77656 **(41043)**

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी15, ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 7049098581 **(41044)**

आवश्यकता है-श्री पब्लिक इंग्लिश मिडियम स्कूल चिंगराजपारा में अंग्रेजी- 2पद, हिन्दी- 2पद, गणित- 2पद, कॉमर्स- 2पद सामान्य अध्ययन -5पद शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। अतिशीघ्र सम्पर्क करें- 9303296169 **(41045)**

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं माल निकालने, पैकिंग कार्य हेतु युवक युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री गुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9301357092 **(41054)**

आवश्यकता है-छोटे बच्चे की देखभाल के लिए नोनी/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9714927620, 89808 09043 **(41046)**

आवश्यकता है-स्कूल और कॉलेज में कोचिंग सेन्टर की मार्केटिंग के लिए एक लड़के या लड़की की आवश्यकता है। पार्ट टाइम जॉब। सम्पर्क करें- दीपाली 9244082336 **(41051)**

आवश्यकता है-Tally, GST, दैनिक लेखाजोखा हेतु अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है। B.Com, M.Com, MBA (Finance) अभ्यर्थियों को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार, सम्पर्क करें- अजय फैब्रिकेशन तेलीपारा मेन रोड, बिलासपुर 9826152996, 772289090 **(41052)**

Required-Qualified Experience B.ed male/ female. teachers. Sub Maths, SST, English & teachers for Nursery to KG-2 interview on 09 june, 8:30am to 12pm. Contact-Ananda marga High School, Behind Bilasa Tal, Koni Road Devnagar Bilaspur 8770257102 **(41042)**

आवश्यकता है-फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट कम्पनी में पार्टटाइम काम कर कमाएं मासिक आय 30000 से 50000, पुरुष/ महिला, फ्रेशर, अनुभवी सेवा निवृत व्यक्ति सम्पर्क करें- उत्कर्ष बैंक के ऊपर राजकिशोर नगर, बिलासपुर 7000103040 **(41047)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2पद, गार्ड- 2पद, स्टोर्स कीपर- 1पद, वेटर- 4पद, कैप्टन- 2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से शाम 5बजे तक, मौसाजी स्वीट्स गोल बाजार बिलासपुर **(3184)**

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेंट्स पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 98271 67987, 9300617113 **(41050)**

आवश्यकता है-बर्तन दुकान में कार्य करने हेतु 2 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में, सम्पर्क करें- घर संसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास ,पुराना बस स्टैण्ड तेलीपारा बिलासपुर 7999822285 **(41055)**

आवश्यकता है-रोजगार सूचना LIC में बीमा सखी एवं एजेंट भर्ती अभियान योग्यता 10वीं पास, 7000+ उच्च कमीशन पार्ट/फुल टाइम साक्षात्कार दिनांक 9जून LIC बिलासपुर सम्पर्क- अजय कुमार सिंह (विकास अधिकारी) 9893311075 **(41053)**

आवश्यकता है-घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें– सुबह 9 से शाम 7बजे तक, डॉ. अनिल अग्रवाल, प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, नेहरु नगर, बिलासपुर 7999877858 **(41039)**

आवश्यकता है-थोक दवा दुकान हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। (दवाइयाँ निकालने पैकिंग) दवा दुकान में कार्य का अनुभव आवश्यक सम्पर्क- मेलाराम हेमन्त कुमार शॉप नं-54, मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 **(41056)**

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु रोटी बनाने वाले, हेल्फर, टेबल सफाई, वेटर, साउथ इंडियन मिस्त्री, वेतन योग्यतानुसार रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर बिलासपुर 9907748408, 9300810110 **(41041)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर (जो कोरल / फोटोशॉप अनुभवी हो) एवं बुक बाइंडर/ हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल प्रिंटिंग प्रेस, यश पैलेस के पास करबला रोड बिलासपुर 9300620013 **(41049)**

आवश्यकता है-राजेन्द्र नगर, बिलासपुर के गर्ल्स हॉस्टल हेतु लेडी वार्डन (वेतन- 8000) एवं नाइट वार्डन (वेतन- 6000) की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9294545000 **(41048)**

आवश्यकता है- बिलासपुर में अकाउंटेंट, इलेक्ट्रीशियन, हाउस कीपिंग स्टाफ (पुरुष), घरेलू खाना बनाने वाली (समय 8am से 7pm) चाहिए। इलेक्ट्रीशियन 3फेज वायरिंग अनुभवी हो। आकर्षक वेतन। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 6264315731 **(41024)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़की/ लड़का, टेलीकॉलिंग हेतु लड़की एवं मार्केटिंग हेतु लड़की/ लड़का की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9827475898, 8234078440 **(41031)**

आवश्यकता है-अनुभवी OT टेक्नीशियन, अनुभवी X-ray टेक्नीशियन, अनुभवी (Male, Female) नर्सिंग स्टाफ, अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 **(894)**

आवश्यकता है-नेहरू नगर बिलासपुर शॉप में कार्य करने के लिए स्मार्ट फीमेल रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है। आकर्षक पर्सनैलिटी, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स होना अनिवार्य है। वेतन- 8000 से 15000 सम्पर्क करें- 8770832241 **(41037)**

आवश्यकता है-कार ड्राइवर 2पद, कम्प्यूटर अनुभवी फ्रंट आफिस एग्जीक्यूटिव 2पद (M/F) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- होटल डाउन टाउन राजकिशोर नगर बिलासपुर 95163 00022, 9144666000 **(41032)**

आवश्यकता है-6वीं से 8वीं (गणित, अंग्रेजी, विज्ञान), 9वीं से 12वीं (विज्ञान, अंग्रेजी भौतिक, संस्कृत) पढ़ाने हेतु शिक्षक, शिक्षिका, एक कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं क्लर्क चाहिए सम्पर्क करें- गुरुकुल विद्या मन्दिर, चिंगराजपारा 8962318092 **(41023)**

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर आपरेटर लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7974670905 **(41026)**

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट हेतु फ्राई पेन मिस्त्री, तंदूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन), वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियां चाहिए। (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 **(14744)**

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल दुकान हेतु अनुभवी सेल्समेन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की, अनुभवी लोकल में माल छोड़ने हेतु, पैकिंग हेतु लड़को की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स तेलीपारा बिलासपुर **(41020)**

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल में बाहर लाइन पर जाकर आर्डर बुकिंग, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु अनुभवी सेल्समैन स्वयं की बाइक अनिवार्य, वेतन 12000-15000+एक्सपेंस। मिलें- नितिन मेडिकल एजेन्सी-34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827497711 **(41016)**

आवश्यकता है-होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। लाइसेन्स, बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 **(41029)**

आवश्यकता है-थोक स्टेशनरी दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधे श्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर **(40884)**

आवश्यकता है-Home Care Services, Mangla Chowk, Bilaspur में Office Boy की अतिशीघ्र आवश्यकता। रहने, खाने की सुविधा उपलब्ध। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 **(1495)**

आवश्यकता है-फोटो स्टूडियो में कम्प्यूटर एवं फोटोकॉपी कार्य करने हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें-अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर 6260689286 **(41021)**

आवश्यकता है-सेनेटरी दुकान में कार्य करने हेतु महिला कर्मचारी 1पद एवं महिला अकाउंटेंट 1पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जय श्री कृष्ण ट्रेडिंग त्रिवेणी भवन मार्ग व्यापार विहार बिलासपुर 9425219302 **(886)**

आवश्यकता है-रिसेप्शनिस्ट एवं नर्सिंग स्टाफ (फीमेल) की आवश्यकता है (समय सुबह 10बजे से रात 9बजे) वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- स्किन क्योर क्लीनिक ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा लिंक रोड बिलासपुर 95060 60404, 7828093301 **(41022)**

आवश्यकता है-रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 **(855)**

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 **(41030)**

आवश्यकता है-रात (नाइट ड्यूटी) में काम करने के लिए वेटर की आवश्यकता है ग्रामीण को रहने की सुविधा। आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- किरण लॉज गांधी चौक बिलासपुर **(884)**

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में सामान छोड़ने, लाने हेतु लड़की/ लड़कों (योग्यता 10वीं, 12वी, स्वयं की बाइक अनिवार्य) एवं ड्राईवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 98933 67787 **(5371)**

आवश्यकता है-मार्केटिंग के लिए सेल्समैन एवं दुकान में कार्य के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- श्री गणपति ट्रेडर्स, मंगला चौक, बिलासपुर 92016 66660 **(41028)**

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 **(63586)**

बेचना

बेचना है-चकरभाठा से लेकर बिल्हा रोड के बीच में ग्राम पंचायत रहंगी (चकरभाठा) मेन रोड से लगा 13 डिसमिल डायवर्टेड जमीन मकान बनाने हेतु उपयुक्त बेचना है सम्पर्क करे- 8889919703, 91319 32797 **(41027)**

बेचना है-प्लाट बेचना है मेन एनटीपीसी सीपत रोड में मोपका मेन रोड में 60×200= 12000 वर्गफीट कमर्शियल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9202479945 7828539364 **(41025)**

बेचना / किराया - जूना बिलासपुर मेन रोड 215 वर्ग फुट डबल स्टोरी दुकान बेचना या किराए से देना है। सम्पर्क करें- प्रिन्स नावेल्टी गोल बाजार बिलासपुर हिरीश श्यामनानी 9827466134, राजेश श्यामनानी 93006 25174 **(916)**

बेचना है-नागोराव शेष स्कूल कॉम्प्लेक्स मेन रोड जूना बिलासपुर स्थित दुकान नम्बर- 2, साइज- 11×22 अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 93401 93393 **(41034)**

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 **(4154)**

किराया

किराया-बिलासपुर, व्यापार विहार में गुम्बर पैट्रोल पम्प के पीछे VR NEXUS बिल्डिंग में फर्स्ट फ्लोर 2560 वर्गफुट, सेकेण्ड फ्लोर 1910 वर्गफुट, किराये पर उपलब्ध। (पार्किंग सुविधा) सम्पर्क करें-95897 40766, 9425530355 **(40953)**

किराया-गंगा नगर फेस-1 में 36 सिटी मॉल के बाजू में 3बेडरूम, हाल, किचन, 2बाथरूम पोर्च, आंगन, बोर सहित मकान किराए से शासकीय कर्मचारी को देना है सम्पर्क करें- 73893 43633, 9340821606 **(41035)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरिपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक
आई.एस. ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

फाइनेन्स

फायनेंस-विजया फाइनेन्स द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि, महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार, पैन कार्ड, प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क- 9981421206, 9437550462 **(4345)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

पुरुषों में भारत-पाकिस्तान और महिलाओं में चीन से मुकाबला आज

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को यहां अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कमियों से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी जबकि महिला टीम चीन के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने अब तक अपने अभियान में 32 गोल किए और सिर्फ छह गोल खाए। पुरुष टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत कजाखस्तान के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसे मेजबान जापान के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में राहुल, गिल, यादव बना सकते हैं खास रिकॉर्ड्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ 6 जून से एकमात्र टेस्ट खेलना है। यह मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये दोनों टीमें 2018 में एक टेस्ट में आपस में भिड़ी थी, जिसे भारतीय टीम ने जीता था। ऐसे में अब भारत और अफगानिस्तान के बीच सिर्फ दूसरा ही टेस्ट होने जा रहा है। इस मैच में भारतीय खिलाड़ी कुछ रिकॉर्ड्स बना सकते हैं, उन पर एक नजर डालते हैं।

केएल राहुल बना सकते हैं 9,000 रन का रिकॉर्ड

केएल राहुल ने अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर में अब तक 120 मैच खेले हैं, जिसमें 45.21 की औसत के साथ 8,997 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 25 शतक और 42 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वोच्च स्कोर 337 रन रहा है। वह 3 रन और बनाते ही अपने 9,000 प्रथम श्रेणी रन पूरे कर लेंगे। अपने टेस्ट करियर में राहुल ने लगभग 36 की औसत से 4,053 रन बनाए हैं।

टेस्ट क्रिकेट में 3,000 रन पूरे कर सकते हैं गिल

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का टेस्ट करियर शानदार चल रहा है। उन्होंने अब तक 73 पारियों में 43.07 की औसत के साथ 2,843 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 10 शतक और 8 अर्धशतक लगाए हैं। वह 157 रन और बनाते ही अपने 3,000 रन का आंकड़ा पूरा कर सकते हैं। इस आंकड़े को छूने के लिए उन्हें बड़े शतक की दरकार होगी। वह अपने करियर में पहले भी लंबी पारियां खेल चुके हैं।

यशस्वी बना सकते हैं ये रिकॉर्ड्स

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (सभी प्रारूपों को मिलाकर) में एशिया में 1,954 रन बनाए हैं। वह एशिया में अपने 2,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर सकते हैं। अपने प्रथम श्रेणी करियर में जायसवाल ने 55.30 की औसत के साथ 4,867 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 17 शतक और 18 अर्धशतक लगाए हैं। वह अपने प्रथम श्रेणी करियर में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं।

कुलदीप की नजर 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पर

अगर कुलदीप यादव को एकमात्र टेस्ट में मौका मिलता है, तो उनके पास एशिया में 250 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करने का मौका होगा। इस चाइनामैन गेंदबाज ने एशिया में अब तक 126 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और इसकी 138 पारियों में 24.01 की औसत के साथ 246 विकेट लिए हैं। इस बीच उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा है। वह 5 पारियों में 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं।

भारत-अफगानिस्तान वनडे सीरीज 13 जून से

विराट कोहली नहीं खेलेंगे वनडे सीरीज, रुतुराज को मिला मौका भारत बनाम अफगानिस्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम को 13 जून से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम से वनडे सीरीज खेलनी है। तीन मैचों की इस सीरीज से विराट कोहली चोट के चलते बाहर हो चुके हैं। इस बीच खबर है कि कोहली की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं, रजत पाटीदार को इंडिया-ए की टीम में जगह मिल सकती है।

आईपीएल फाइनल के दौरान चोटिल हुए कोहली

कोहली को यह चोट आईपीएल 2026 के फाइनल के दौरान लगी थी। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली को कम से कम 2 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई है। वह 20 जून को होने वाले आखिरी वनडे तक फिट हो सकते हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें इस सीरीज से आराम दिया गया है। इसकी औपचारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है।

गायकवाड़ ने अब तक खेले हैं 9 वनडे मैच

गायकवाड़ ने 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से अपने वनडे करियर का आगाज किया था। उन्होंने अब तक 9 वनडे की 8 पारियों में 28.50 की औसत के साथ 228 रन बनाए हैं। वह 1 शतक से पहले 1 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। बता दें कि उन्होंने अपना शतक दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध (123*) और इकलौता अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (79 रन) बनाया था। गायकवाड़ भारत की ओर से 23 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके हैं।

सिंधू इंडोनेशिया ओपन से बाहर हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं। इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है।

मलेशिया की जोड़ी को भारतीयों ने हराया

इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की।

हॉकी महिला नेशंस कप लालथंटलुआंगी और डबास को टीम में जगह

नई दिल्ली। युवा डिफेंडर लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ पूल ए में रखा गया है जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। भारत 15 जून को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके एक दिन बाद उसका सामना जापान से होगा।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल / साईकोलि / गेवरा / सीईटीआई / मप्र / 12 / 2026 / 150 दिनांक 01.06.2026

जांच कार्यवाही सूचना

श्री युधिष्ठिर सिंह,
आत्मज श्री चमरा सिंह, कर्म संख्या 24913904,
जनरल मजदूर केटे.- 1 (प्रशिक्षु)
फिल्टर प्लांट, एसईसीएल, गेवरा क्षेत्र,
वर्तमान पता- ग्राम- केराकछार, पोस्ट- तिवरता, थाना-दीपका, जिला- कोरबा (छ.ग.) 495449

महाप्रबंधक (संचालन), एसईसीएल गेवरा क्षेत्र द्वारा जारी कार्यालय आदेश क्रमांक एसईसीएल / मप्र / गेवरा क्षेत्र / कार्मिक / 2020 / 2611, दिनांक 17.01.2026 के द्वारा अधोहस्ताक्षरी को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त आरोपों की सविस्तार जांच हेतु दिनांक 16.02.26 को प्रथम बैठक, दिनांक 06.03.2026 को द्वितीय बैठक, दिनांक 20.03.26 को तृतीय बैठक, दिनांक 04.04.26 चतुर्थ बैठक, दिनांक 25.04.26 को पांचवा बैठक, दिनांक 07.05.26 को छठवां बैठक एवं दिनांक 30.05.26 को सातवां बैठक रखी गई थी, जिसमें आपने भाग नहीं लिया था। आज दिनांक 30.05.2026 (सातवां बैठक) की जांच कार्यवाही आपके अनुपस्थित रहने पर स्थगित की जाती है एवं जांच कार्यवाही की अगली बैठक दिनांक 08.06.2026 को दोपहर 11.30 बजे निर्धारित की जाती है। अतः आपको सलाह दी जाती है कि आप उक्त निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अपने सहकर्मी के साथ उपस्थित होकर जांच कार्यवाही में भाग लेवें एवं अपने साथ उन कागजातों / गवाहों को भी ला सकते हैं, जिसे आप लाना उचित समझते हैं।
नोट- दिनांक 08.06.2026, समय दोपहर 11.30 बजे।

जांच अधिकारी
सीईटीआई, गेवरा
एसईसीएल, गेवरा क्षेत्र

SECL/26-27/50

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई–प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

टी20 की कप्तानी से हटाए गए सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के गलियारों से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। भारत को 2026 टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जिताने वाले स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटा दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, बात सिर्फ कप्तानी जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सूर्या का अब टीम में बने रहना भी मुश्किल नजर आ रहा है।

गौतम गंभीर और चयनकर्ताओं का 'हंटर'

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टीम मैनेजमेंट और चयन समिति ने मुख्य कोच गौतम गंभीर से लंबी चर्चा के बाद यह सख्त फैसला लिया है। बीसीसीआई के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि टीम अब भविष्य की ओर देख रही है और नए सत्र के लिए जल्द ही एक नए कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। यह बदलाव आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 सीरीज से पहले ही देखने को मिल सकता है।

पहली बार अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी में खेलेगी भारतीय टीम, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास में पहली बार अफगानिस्तान भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगा। हालांकि यह सीरीज अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में खेली जाएगी।

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी।

वृष मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला मन में आशा–निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर क्रोध से बचें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

साईकोलि / मप्र / कुस / कार्मिक / 2026 / 702 दिनांक 28.05.2025

सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र के अंतर्गत विकास नगर, नेहरु नगर एवं आदर्श नगर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थित निम्नलिखित दुकाने आबंटित की गई थी।

क्रमांक	शॉपिंग काम्प्लेक्स	दुकान क्रमांक	पट्टाधारी / आवंटी
1	आदर्श नगर	01	श्री जीवन लाल
2	आदर्श नगर	02	श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल
3	आदर्श नगर	03	श्री संतोष कुमार
4	आदर्श नगर	04	श्री सचिदानंद सिंह
5	आदर्श नगर	05	श्री कस्तूरचंद अग्रवाल
6	आदर्श नगर	06	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
7	आदर्श नगर	07	श्री गणेश राम
8	आदर्श नगर	08	श्रीमती पदमा बाई
9	आदर्श नगर	09	श्री एम. ए. बोस
10	आदर्श नगर	10	श्री दीपक बिस्वास
11	आदर्श नगर	11	श्री शैलेन्द्र बाजपाई
12	आदर्श नगर	13	श्री संतोष कुमार
13	नेहरू नगर	01	श्री राज किशोर
14	नेहरू नगर	06	श्री बी.पी. चंद्रा
15	नेहरू नगर	08	श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
16	विकास नगर	01	श्री मांगीलाल अग्रवाल
17	विकास नगर	02	श्री देवी दयाल
18	विकास नगर	03	श्री झाडू सिंह
19	विकास नगर	04	श्री सैय्यद हुसैन
20	विकास नगर	05	श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल
21	विकास नगर	06	श्री राजेश अग्रवाल
22	विकास नगर	07	श्री निखिल आनंद हिल
23	विकास नगर	08	श्री रामस्वरूप अग्रवाल
24	विकास नगर	09	श्री प्रेम कुमार झा
25	विकास नगर	10 A	श्री गोविन्द अग्रवाल
26	विकास नगर	12	श्री अनिल कुमार पाठक

उक्त दुकान के संबंध में नवीन अनुबंध / नवीनकरण हेतु मूल पट्टाधारी / आवंटी अथवा उक्त आवंटन पर किसी प्रकार का दावा, अधिकार अथवा आपत्ति रखने वाले व्यक्ति को निर्देशित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 (तीस) दिवस के भीतर स्टाफ अधिकारी (मा.सं.) एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र के समक्ष उपस्थित होकर मूल आवंटन / पट्टा संबंधी दस्तावेज एवं अन्य आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करें। यदि सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर कोई व्यक्ति अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करता है, तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त दुकान के संबंध में किसी प्रकार का दावा या आपत्ति शेष नहीं है तथा इसके उपरांत संशोधित दर पर उक्त परिसर के वर्तमान कब्जाधारी के साथ एसईसीएल मुख्यालय द्वारा नई एस.ओ.पी. के उपबंधो के अनुसार नवीन अनुबंध निष्पादित किया जा सकेगा। यह सूचना आम जनता की जानकारी एवं दावा / आपत्ति आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित की जा रही है।

SECL/26-27/47 *महाप्रबंधक, एसईसीएल, कुसमुण्डा क्षेत्र*

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
'CENTRAL' TO YOU SINCE 1911

राष्ट्रव्यापी मेगा
कृषि ऋण आउटरीच
अभियान

6 जून 2026, समय – 11.30 बजे

सेन्ट कोल्ड स्टोरेज योजना
- कोल्ड स्टोरेज अथवा वेयरहाउस सेटअप हेतु वित्तपोषण
- आकर्षक ब्याज दरें

सेन्ट फूड प्रोसेसिंग योजना
- चावल, तेल, दाल, दूध और अन्य प्रसंस्करण इकाइयों हेतु
- आकर्षक ब्याज दरें

सेन्ट पोल्ट्री योजना
- अपने पोल्ट्री व्यवसाय की स्थापना एवं विस्तार करें
- आकर्षक ब्याज दरें

पीएम कुसुम योजना
- 2 मेगावाट तक के सौर ऊर्जा संयंत्र हेतु वित्तपोषण
- आकर्षक ब्याज दरें

कृषि संस्कृति ही श्रेष्ठ संस्कृति

एसएचजी-एनआरएलएम योजना
- रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट अथवा मियादी ऋण सहायता
- आकर्षक ब्याज दरें

स्थान : सेन्ट्रल पार्क, नाबार्ड हेड ऑफिस के सामने, नया रायपुर, रायपुर (छ.ग.)

अधिक जानकारी हेतु अपनी नज़दीकी शाखा से संपर्क करें
* नियम एवं शर्तें लागू

FOLLOW US ON: | TOLL FREE NO. 18003030 www.centralbank.bank.in

शब्द पहेली - 6247

■	1		2		3	■	4		5	6
7		■		■	8			■	9	
	■	10				■	11	12	■	
13			■	■	14		■	15	16	
	■		■	17		■	18	■		■
19	20		21		■	22		23		24
■		■		■	25		■		■	
26		27	■	28		■	■	29		
	■	30	31	■	32		33		■	
34	35	■	36			■		■	37	
38				■	39					■

बाएँ से दाए
1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली- 6246 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	या	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	ब	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	श	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ग्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल - 6257

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6256 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

Dr. Juneja's डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।
मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान
अब दर्द भी घुटने टेकेगा...
घुटने दर्द, कंधे दर्द, गर्दन दर्द, कमर दर्द एवं कलाई दर्द में सहायक आयुर्वेदिक औषधि
24x7 Helpline: 7876977777 • www.drorthooil.com

Dr. Ortho Oil
An Ayurvedic Medicine
ASIA'S MOST PROMISING BRAND
Helpful in Painful Conditions
20% EXTRA
100ml + 20ml FREE
डा.ऑर्थो
आयुर्वेदिक कैप्सूल
Dr. Ortho
100% Ayurvedic Capsules

महादेव सट्टा एप से जुड़ी कंपनियों ने की 423 करोड़ का शेयर बेचकर सुरक्षित फंड में लगाने की मांग

बिलासपुर। महादेव सट्टा एप से जुड़ी 8 कंपनियों ने ईडी द्वारा जब्त किए गए 423 करोड़ के शेयर को बेचकर सुरक्षित फंड में लगाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। ईडी ने इन कंपनियों की मांग का विरोध करते हुए कहा कि यह सट्टेबाजी की काली कमाई की रकम है। नियमानुसार फ्रीज की गई संपत्ति को उसी रूप में रखना जरूरी होता है। ईडी पोर्टफोलियो मैनेजर नहीं है जो निवेश का फैसला ले। हाईकोर्ट ने महादेव आनलाइन सट्टा एप से जुड़ी कंपनियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी द्वारा फ्रीज किए गए तकरीबन 423 करोड़ रुपए के शेयर और डीमेट खातों की वैल्यू को सुरक्षित रखने के लिए कंपनियों को छूट दी है कि वे अपने शेयरों को बेचकर उस रकम को ईडी की देखरेख में म्यूचुअल फंड या सरकारी सिक्योरिटीज में निवेश कर सकते हैं। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा है कि पूरी रकम ईडी के ही नियंत्रण में रहेगी और कंपनियां इसे निकाल नहीं सकेंगी। जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने फैसले में कहा है कि शेयर बाजार काफी उतार-चढ़ाव वाला होता है। अगर फ्रीज किए गए शेयरों की कीमत गिरती है तो इससे भारी नुकसान हो सकता है। ईडी ने इसका विरोध किया है। ईडी का कहना है कि कानूनन फ्रीज की गई संपत्ति को उसी रूप में रखना जरूरी है। ईडी कोई पोर्टफोलियो मैनेजर नहीं है जो निवेश का फैसले लें। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद अपने फैसले में कहा कि पीएमएलए कानून के तहत संपत्ति को फ्रीज या अटैच करने का मकसद उसे सुरक्षित रखना होता है। सुरक्षा का मतलब सिर्फ कागजी अधिकार नहीं है। अगर कोई संपत्ति शेयर बाजार से जुड़ी है और उसका मूल्य लगातार गिर रहा है तो फ्रीज करने का मकसद ही खत्म हो जाएगा। अगर भविष्य में कंपनियां केस जीतती हैं या सरकार इसे जब्त करती है। दोनों ही स्थिति में संपत्ति की वैल्यू बची रहनी चाहिए। हाईकोर्ट ने माना ईडी को निवेश के काम में नहीं लगाया जा सकता, लेकिन संपत्ति के मूल्य को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक रास्ता निकाला जा सकता है।

ईडी ने वर्ष 2022 में महादेव आनलाइन बुक सट्टा एप मामले में मनी लानड्रिंग का केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पता चला कि सट्टेबाजी का पैसा कोलकाता के कारोबारी हरीशंकर टिबरेवाल और सूरज चोखानी के जरिए अलग-अलग कंपनियों में भेजा गया। ईडी का आरोप है कि अवैध कमाई को इन कंपनियों के जरिए शेयर बाजार में लगाया गया था। इसके बाद ईडी ने 28 फरवरी 2024 को छापा मारा और 8 कंपनियों के डीमैट और ट्रेडिंग खाते फ्रीज कर दिए थे। इन खातों में मौजूद शेयरों की कुल कीमत 29 फरवरी 2024 की स्थिति में करीब 423.60 करोड़ रुपए थी।

यह है दोनों पक्षों का तर्क

हाईकोर्ट में मेसर्स ड्रीम अचीवर कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रालि, मेसर्स डिस्कवरी बिल्डकॉन प्रालि, मेसर्स फॉरेस्ट विन्कॉम प्रालि, मेसर्स ब्रिलियंट इन्वेस्टमेंट्स कंसल्टेंट प्रालि, मेसर्स एबिलिटी वेंचर्स प्रालि, मेसर्स एबिलिटी स्मार्टेक प्रालि, मेसर्स एबिलिटी गेम्स लिमिटेड, मेसर्स स्वर्ण भूमि वाणिज्य प्रालि ने याचिका लगाई थी। कंपनियों की ओर से अधिवक्ता ने तर्क दिया शेयर बाजार बेहद अस्थिर है। फ्रीज होने के कारण वे अपने शेयरों को मैनेज या बेच नहीं पा रहे हैं। बाजार गिरता है तो इन संपत्तियों की कीमत बहुत कम हो जाएगी। इससे उनका नुकसान होगा। कंपनियों ने मांग की कि उन्हें ये शेयर बेचने की अनुमति दी जाए और उस रकम को सेबी के रजिस्टर्ड म्यूचुअल फंड या अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड में ट्रांसफर करने दिया जाए, ताकि मूल रकम सुरक्षित रहे। ईडी के अधिवक्ता ने विरोध करते हुए कहा कि यह सट्टेबाजी की काली कमाई की रकम है। कानूनन फ्रीज की गई संपत्ति को उसी रूप में रखना जरूरी है। ईडी कोई पोर्टफोलियो मैनेजर नहीं है जो निवेश के फैसले लें। इसके अलावा यह मामला पहले से ही पीएमएलए अपीलीय ट्रिब्यूनल और स्पेशल कोर्ट में लंबित है, इसलिए हाईकोर्ट में यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

बिहार में मिला दुनिया का सबसे पुराना बरगद, 700 साल निकली उम्र

मुंगेर। क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया का सबसे पुराना बरगद का पेड़ कहां होगा। आपके मन में ख्याल आता होगा कि सबसे पुराना बरगद का पेड़ या तो विदेश में किसी बड़े जंगल में होगा या किसी ऐतिहासिक स्थल पर होगा। इसका सही जवाब यह है कि बिहार के मुंगेर में सबसे पुराना बरगद का पेड़ है। मुंगेर की धरती पर खड़ा दुनिया के सबसे पुराने बरगद की उम्र 700 साल से भी ज्यादा बताई जा रही है। तीन साल की वैज्ञानिक रिसर्च और कार्बन डेटिंग के बाद इस रहस्य से पर्दा उठा है। मुंगेर के आईटीसी कैंपस में खड़ा यह विशाल बरगद अब सिर्फ एक पेड़ नहीं, बल्कि इतिहास का जीवित गवाह बन चुका है। लंबी-लंबी जटाएं, चारों तरफ फैली शाखाएं और सदियों का सफर तय कर चुका ये वटवृक्ष अब दुनिया के सबसे पुराने बरगद के रूप में पहचाना जा रहा है। स्थानीय लोगों के लिए यह पेड़ हमेशा आस्था और आश्चर्य का केंद्र रहा है। लोग कहते थे कि उनके दादा-परदादा के जमाने में भी यह पेड़ इसी तरह खड़ा था। अब वैज्ञानिकों ने भी लोगों के इस दावे पर मुहर लगा दी है। साल 2022 में बिहार वन विभाग ने इस पेड़ वास्तविक उम्र जानने का फैसला किया. इसकी जिम्मेदारी लखनऊ के बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान यानी बीएसआईपी की वैज्ञानिक डॉक्टर त्रिणा बोस और रिसर्च स्कॉलर अवनीश मिश्रा को सौंपी गई। इस काम में सबसे चुनौती बड़ी यह थी कि बरगद के पेड़ में दूसरे पेड़ों की तरह सालाना छल्ले यानी एनुअल रिंग्स नहीं बनते। ऐसे में वैज्ञानिकों ने पेड़ को बिना नुकसान पहुंचाए उसकी सूखी जटा और एक मोटे तने का सैंपल लिया। इसके बाद शुरू हुई तीन साल लंबी रिसर्च। कार्बन डेटिंग की आधुनिक तकनीक से जब सैंपल की जांच हुई तो वैज्ञानिक भी हैरान रह गए। रिपोर्ट में सामने आया कि पेड़ की उम्र 700 साल से भी ज्यादा है। यानी यह बरगद मुगल काल से लेकर अंग्रेजों के

विश्व पर्यावरण दिवस आज

मुंगेर के आईटीसी कैंपस में खड़ा यह विशाल बरगद

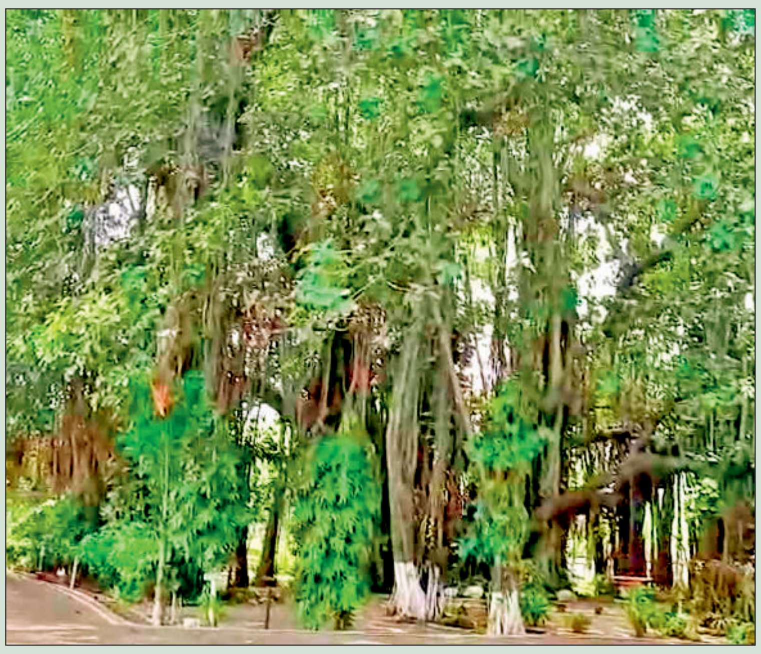

प्रकृति की ताकत और धैर्य का संदेश

दुनिया के सबसे पुराने बरगदों की सूची में शामिल मुंगेर का यह पेड़ पहले स्थान पर आ गया है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर का सिद्धबाड़ी बरगद है जिसकी उम्र करीब 500 साल मानी जाती है। तीसरे स्थान पर कोलकाता का प्रसिद्ध 'ग्रेट बनयान ट्री' है जिसकी उम्र लगभग 350 साल है। आज मुंगेर का यह बरगद सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का प्रतीक बन गया है। 700 साल तक आंधी, तूफान और वक्त की मार झेलने वाला यह पेड़ मानो आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति की ताकत और धैर्य का संदेश दे रहा है।

बिहार के लिए गर्व की नई पहचान

मुंगेर का यह बरगद अब सिर्फ एक पेड़ नहीं बल्कि इतिहास, विज्ञान और प्रकृति का अद्भुत संगम बन चुका है। दुनिया भर के लोगों के लिए यह आकर्षण का केंद्र है और बिहार के लिए गर्व की नई पहचान है। 700 साल पुराना यह बरगद आज भी पूरी मजबूती के साथ खड़ा है और यही बता रहा है कि प्रकृति की जड़ें जितनी गहरी हों, उसका अस्तित्व उतना ही अमर होता है।

सीबीआई की चार्जशीट को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर, चार्जशीट को चुनौती देने वाली रविशंकर महाराज की याचिका पर ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। मामले की गंभीरता और परिस्थितियों को देखते हुए याचिका को आगामी 15 जून को नियमित बेंच के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। याचिका की सुनवाई जस्टिस बीडी गुरु व जस्टिस एनके चंद्रवंशी की डिवीजन बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान सीबीआई के अधिवक्ता वैभव ए. गोवर्धन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट को बताया, इसी एफआईआर से जुड़े एक सह-आरोपी की याचिका पर हाई कोर्ट की नियमित बेंच में सुनवाई चल रही है। सीबीआई की ओर से यह भी दलील दी गई, हालांकि याचिकाकर्ता ने एफआईआर और चार्जशीट को चुनौती दी है, लेकिन उन्हें निचली अदालत से बीते 6 अप्रैल 2026 को ही जमानत मिल चुकी है। ऐसे में मामले में कोई ऐसी तात्कालिकता नहीं है, अधिवक्ता ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सुनवाई करने की मांग की।

आरोप तय होने की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग

याचिकाकर्ता रविशंकर महाराज की ओर से सीनियर एडवोकेट मनु शर्मा ने पैरवी की। सीनियर एडवोकेट ने डिवीजन बेंच से कहा, 18 जून 2026 को निचली अदालत में मामले में आरोप तय करने के बिंदु पर विचार होना है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि हाईकोर्ट से कोई अंतरिम राहत या सुरक्षा नहीं मिलती है, तो निचली अदालत में कार्यवाही आगे बढ़ जाएगी, इसलिए मामले की तुरंत सुनवाई जरूरी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट डिवीजन बेंच ने माना, चूंकि याचिकाकर्ता पहले से ही जमानत पर हैं, इसलिए ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान इस पर विचार करने का कोई ठोस कारण नहीं है। हालांकि, 18 जून को होने वाली निचली अदालत की कार्यवाही को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने मामले को 15 जून 2026 को नियमित बेंच के सामने लगाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही तत्काल सुनवाई के लिए दायर अंतरिम आवेदन को निराकृत कर दिया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में रिटायर्ड खाद्य अधिकारी की याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की अवकाशकालीन डिवीजन बेंच ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपी रिटायर्ड खाद्य अधिकारी द्वारिका दास भूतड़ा की याचिका खारिज कर दी है। रिटायर्ड खाद्य अधिकारी ने स्पेशल कोर्ट द्वारा आरोप तय किए जाने को रद्द करने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। रिटायर्ड खाद्य अधिकारी के खिलाफ 1995 में अपराध दर्ज किया गया था। 2020 में जांच पूरी कर न्यायालय में प्रकरण पेश किया गया। 2024 में विशेष अदालत ने संज्ञान लिया व 2025 में आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए। स्पेशल कोर्ट द्वारा 30 साल के विलंब से आरोप तय करने की जानकारी देते हुए इसे रद्द करने की मांग की थी। रिटायर्ड खाद्य अधिकारी द्वारिका दास भूतड़ा के खिलाफ 13 सितंबर 1995 को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में ईओडब्ल्यू ने अपराध दर्ज किया था। छत्तीसगढ़ राज्य ने 13 अक्टूबर 2020 को मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। चार्जशीट चार साल बाद 17 दिसंबर 2024 को तैयार की गई थी और 3 मई 2025 को स्पेशल कोर्ट के सामने दायर की गई। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा है कि वह सरकारी सेवा से रिटायर हो चुके हैं और वर्तमान में वह 83 वर्ष के हैं। उनके खिलाफ एकमात्र आरोप आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का है। मामले को संज्ञान लेने में ही 30 साल बीत चुके हैं। जांच एजेंसी ने कोई स्पष्टीकरण

वॉशिंगटन। इस साल अप्रैल के महीने में दुनिया के कई देशों को आलोवृष्टि का सामना करना पड़ा था। अप्रैल के आखिरी में अमेरिका के मिसौरी राज्य के स्प्रिंगफील्ड शहर में भयानक ओला पड़ा था। सबसे बड़ी बात यह है कि इनके आकार बेसबॉल के बराबर थे। इन ओलों ने कारों को तोड़ दिया।

पति से अधिक कमाने वाली पत्नी को भी गुजारा भत्ता का अधिकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने एक मामले में कहा है कि पारिवारिक विवादों के बीच अदालती कार्रवाई के दौरान पत्नी को पति से अदलती खर्च और यात्रा भत्ता पाने का अधिकार है, भले ही पत्नी, पति से अधिक कमाती हो। कोर्ट ने परिवार न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए पति की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा है कि भले ही पत्नी सरकारी नौकरी में हो और उसकी आय पति से अधिक हो, फिर भी उसे मुकदमे की पैरवी के लिए आवश्यक यात्रा, भोजन और अदालती खर्च पाने से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा के तहत मिलने वाली यह राशि जीवन यापन का स्थाई गुजारा भत्ता नहीं, बल्कि मुकदमे में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सीमित सहायता है। याचिकाकर्ता पति आशीष राय ने सूरजपुर परिवार न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। अंबिकापुर निवासी आशीष राय और विश्रामपुर निवासी अंजली राय का विवाह 9 फरवरी 2020 में हुआ था। बाद में दोनों के बीच विवाद के कारण पति ने परिवार न्यायालय में तलाक की याचिका लगाई थी।

आइसलैंड-नॉर्वे नहीं, अब भारत में दिखेंगी चमकदार औरोरा लाइट्स

नई दिल्ली। औरोरा लाइट्स आसमान में दिखने वाली नेचुरल कलरफुल लाइट्स हैं। इसे अरोरा बोरेलिस, अरोरा ऑस्ट्रेलिस और नॉर्दर्न लाइट्स भी कहा जाता है। यह घटना तब होती है, जब सूरज से निकले चार्ज्ड पार्टिकल्स धरती के मैग्नेटिक फील्ड से टकराकर एटमॉस्फेयर की गैसों को रोशन करते हैं। बता दें कि सूरज ने 24 घंटे से भी कम समय में अपने 4455वें क्षेत्र से 3 शक्तिशाली सोलर फ्लेयर्स निकाली हैं। इनमें एक्स1 श्रेणी की सबसे शक्तिशाली फ्लेयर्स भी शामिल है।

इन विस्फोटों के चलते रेडियो ब्लैकआउट हो गया है और कई कोरोनल मास इजेक्शन धरती की और तीव्रता से बढ़ रहे हैं। बेहद तेजी से होने वाली इस गतिविधि से आने वाले कुछ दिनों में औरोरा देखने की संभावना बढ़ गई है। भले ही यह बेहद दुलर्भ है, लेकिन शक्तिशाली जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म के दौरान भारत में कभी-कभी हल्की नॉर्दन लाइट्स देखने को मिली है। खासतौर से लद्धाख का ऊंचाई वाला इलाका और कम प्रदूषण वाला क्षेत्र इसके लिए सबसे उपयुक्त है। हानले डार्क स्काई रिजर्व, पैंगोंग त्सो और नुब्रा घाटी वो मुख्य जगह है, जहां चार्ज्ड सोलर पार्टिकल्स लाइट ग्रीन और पर्पल कलर की चमक पैदा कर सकते हैं। नॉर्दन लाइट्स के लिए लद्दाख का पैंगोंग झील, हानले, नुब्रा घाटी, कारगिल और अरुणांचल प्रदेश का तवांग भारत के सबसे बहेतरीन जगहों में से एक है। यहां अक्टूबर-मार्च तक आसमान सबसे साफ रहता है। हालांकि, यहां आइसलैंड की तरह नजारा इतना चमकीला तो नहीं दिखता, लेकिन इस हफ्ते की सोलर फ्लेयर्स जैसी इंटेंस सोलर एक्टिविटी इन हिमालयी क्षेत्रों पर हल्की औरोरा रोशनी बिखेर सकती है।

मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH ACCREDITED
रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी
- परफेक्ट एलायमेंट एवं सॉफ्ट टिश्यूज बैलेंसिंग
- मिनीमली इन्वेसिव सबवेस्टॉस टेक्निक से फॉस्ट रिकवरी
- रोबोट द्वारा गोल्ड नी रिप्लेसमेंट (ज्वाइंट की लाइफ बढ़ाने)
- मिनिमम पेन के लिये एडेक्टर केनॉल ब्लॉक द्वारा पेन मैनेजमेंट
- पेशेंट का 6 घंटे पश्चात चलना फिरना प्रारंभ
- सर्जरी के तीसरे दिन ही डिस्चार्ज

सभी कार्पोरेट, शासकीय योजनाओं एवं इंश्योरेंस से मान्यता प्राप्त
डॉ. प्रीतम अग्रवाल
Robotic Joint Replacement Surgeon & Arthroscopic Surgeon
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

गजब का फायदा
कब्ज से राहत
गैस से छुटकारा
एसिडिटी से आराम
Dr. Juneja's पेट सफा®
Natural Laxative Granules & Tablets
पेट सफा तो हर रोग दफा
अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए है, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा ग्रेन्यूल्स। यह पहले दिन से असर दिखाता है, मुंह में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं बनती।
24x7 Helpline: 91197 88888

20% EXTRA
Divisa
पेट सफा
Natural Laxative GRANULES
EFFECTIVE RELIEF FROM CONSTIPATION

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com